नई दिल्ली
गुरुवार 6 अगस्त 2026
श्रावण मास कृष्ण पक्ष, अष्टमी वर्ष : 30, अंक : 109
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 34
न्यून. 28

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

पाकिस्तान की सीमा के करीब होगा 'तरंगशक्ति युद्धाभ्यास-2026'

भारत के आसमान में होगी अमेरिका के एफ-35 स्टेल्थ विमान की गर्जना!

अगले महीने देश में होने वाले अंतरराष्ट्रीय युद्धाभ्यास 'तरंगशक्ति' में करेगा भागीदारी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे मुख्य अतिथि के रूप में आयोजन में शिरकत

कविता जोशी ▶▶ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ के बाद भारतीय वायुसेना द्वारा अगले सितंबर महीने में अंतरराष्ट्रीय स्तर का एक अति-महत्वपूर्ण 'तरंगशक्ति युद्धाभ्यास-2026' आयोजित किया जाएगा। जिसमें दुनिया के अलग-अलग भागों में मौजूद नई दिल्ली के मित्र राष्ट्रों की हवाई सेनाएं अपने जंगी बेड़े के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगी। रक्षा सूत्रों ने बताया कि इस बार युद्धाभ्यास का ▶▶ शेष पेज 5 पर

इस बार होगा युद्धाभ्यास का दूसरा संस्करण

तरंगशक्ति एक द्विवार्षिक युद्धाभ्यास है यानी इसका आयोजन वायुसेना द्वारा हर दो साल में एक बार किया जाता है। 2026 में इसका दूसरा संस्करण होगा। जिसके फिलहाल सबसे बड़े आकर्षणों में अमेरिका का अत्याधुनिक पांचवीं पीढ़ी का एफ-35 ▶▶ शेष पेज 5 पर

अनुच्छेद 370 हटने के 7 साल पूरा होने पर पीएम मोदी बोले

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख ने विकास का नया दौर देखा, लोगों के जीवन में भी आया बड़ा बदलाव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35(ए) हटाए जाने के सात साल बुधवार, 5 अगस्त को पूरे हो गए। इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहा कि तब से दोनों क्षेत्रों में लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आए हैं।

पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि आज ही के दिन सात वर्ष पहले अनुच्छेद 370 और 35(ए) इतिहास बन गए थे। इससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की विकास यात्रा में एक ▶▶ शेष पेज 5 पर

पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले सात वर्षों में दोनों क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है और शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता तथा खेल जैसे क्षेत्रों में नए अवसर बढ़े हैं

भारतीय संविधान को पूरी तरह से सशक्त बनाया गया

दशकों तक संवैधानिक अधिकारों से रखा गया वंचित

आतंकवाद पीड़ित परिवारों के परिजनों को मिली सरकारी नौकरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि आतंकवादी हमलों में मारे गए नागरिकों के परिजनों को सरकारी नौकरी देना केंद्रशासित प्रदेश में न्याय, पुनर्वास और सम्मानजनक आजीविका सुनिश्चित करने की दिशा में एक नया अध्याय है। श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में आतंकवादी हिंसा में मारे गए नागरिकों के परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। एलजी ने कहा कि आतंकवादी हिंसा में मारे गए नागरिकों के परिजनों को सरकारी नौकरी देने का फैसला प्रभावित ▶▶ शेष पेज 5 पर

लद्दाख के एलजी सक्सेना बोले

लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के स्थापना दिवस के मौके पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बुधवार को प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लद्दाख ने शांति, विकास और मजबूत ▶▶ शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अजीत अगरकर की चीफ सेलेक्टर से छुट्टी?

नई दिल्ली। अजीत अगरकर को भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता पद से हटाया जा सकता है। उनकी जगह वर्तमान में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को नया चीफ सेलेक्टर बनाए जाने की संभावना है। अजीत की अगुवाई वाली चयन समिति ने मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ मिलकर रोहित शर्मा को बाहर रखने का सुझाव दिया था।

रक्षाबंधन पर बहनों को मिली 'मनी बैक गारंटी' की सुविधा

नई दिल्ली। रक्षाबंधन के मद्देनजर डाक विभाग ने दिल्ली सर्किल के 34 प्रमुख डाकघरों और प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष राखी काउंटर शुरू किए हैं। राखियों की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए 22 अगस्त तक व्यवस्था की गई है। 24 और 48 घंटे वाली स्पीड पोस्ट सेवा इस्तेमाल करने की सलाह दी है।

नहीं बढ़ेगी होम लोन की ईएमआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी द्विमासिक समीक्षा बैठक में रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला किया है। चालू वर्ष में लगातार चौथी बार आरबीआई ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। इस फैसले से होम लोन धारकों की मासिक किश्त अपरिवर्तित रहेगी।

विपक्ष के हंगामे पर रिजिजू की दो टूक, भगवान राम के विरोधी हैं कांग्रेस, सपा और वामपंथी

लोकसभा में गतिरोध बरकरार, बिना चर्चा के पारित हुआ 'बैंकर्स बुक्स एविडेंस विधेयक'

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राजधानी में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई और राम मंदिर चंदा चोरी जैसे मामलों को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच संसद में बनी हुई तनातनी जस की तस बरकरार है। नतीजा, मॉनसून सत्र के तीसरे दिन यानी बुधवार को भी लोकसभा में कोई सरकारी कामकाज नहीं हुआ।

कांग्रेस व अन्य दलों द्वारा नारेबाजी के साथ किए गए शोरशराबे की वजह से प्रश्नकाल-शून्यकाल दोनों बाधित हुए और कार्यवाही को एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 2 बजकर 21 मिनट पर गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। वहीं, इसी हंगामे के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बैंकर्स बुक्स एविडेंस विधेयक-2026 को पहले की ही भांति बिना किसी चर्चा के सदन से पारित कर दिया गया। मालूम हो कि बीते सोमवार को वित्त मंत्री ने इस विधेयक को सदन में पेश किया था। हालिया दिनों में इसी शोरशराबे के मध्य कुल करीब चार विधेयकों को बिना किसी चर्चा के लोकसभा ▶▶ शेष पेज 5 पर

मंदिर निर्माण के वक्त तीनों ने काली पट्टी पहनकर किया विरोध, अब हो रहे नाटक पर देश से मांगनी पड़ेगी माफी

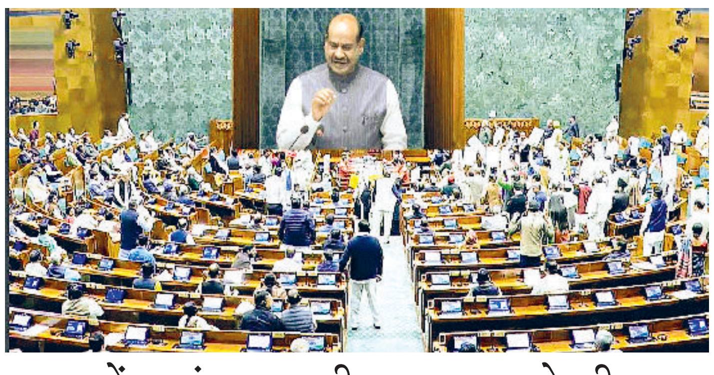

सदन में कहां गुम जाती सवाल पूछने की इच्छा

सुबह 11 बजे कार्रवाई के आगाज के साथ ही विपक्षी दलों द्वारा उक्त दोनों मुद्दों पर किए गए हंगामे में गृह मंत्री अमित शाह से लोकसभा में आकर स्पष्टीकरण देने और उनके इस्तीफे की मांग मुख्य रूप से शामिल रही। जिसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने एक बार से विपक्ष से सदन के सुचारू संचालन और उसमें भी प्रश्नकाल को विशेष रूप से चलाने का अनुरोध किया। उन्होंने कांग्रेस तथा विपक्ष के बाकी दलों के सांसदों द्वारा बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) में सदन चलाने और प्रश्नकाल में सवाल पूछने को लेकर जताई गई इच्छा के ठीक विपरीत लोकसभा में आचरण करने पर आपत्ति जताई।

नियोजित तरीके से ठप होती कार्यवाही

बिरला के मुताबिक, 5 अगस्त को रेलवे और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों के प्रश्न लगे हुए हैं। कई जनप्रतिनिधियों ने मुझसे व्यक्तिगत रूप से हुई मुलाकात में भी प्रश्नकाल के दौरान जनता से जुड़े हुए मुद्दों पर सरकार से सवाल पूछने की इच्छा जताई है। मैं, भी चाहता हूं कि विपक्ष हंगामे के बजाय प्रश्नकाल चलने दे। लेकिन सदन के भीतर और बाहर के माहौल को देखकर लगता है कि विरोधी दल नियोजित ढंग से तख्तियां और बैनर लेकर प्रदर्शन कर रहा है। जो लोकतंत्र के लिए कतई उचित नहीं ▶▶ शेष पेज 5 पर

राम मंदिर पर हो रहा विरोध, नाटक

विपक्ष के शोरशराबे के दौरान लोकसभा में संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने विपक्षियों द्वारा बीते कुछ दिनों से सदन के भीतर और बाहर उठाए जा रहे राम मंदिर चंदा चोरी के मामले को लेकर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और वामपंथी दल भगवान राम के विरोधी हैं। यह वही दल हैं, जिन्होंने राम मंदिर निर्माण के वक्त काली पट्टी बांधकर विरोध किया था। अब यहां संसद में विरोध कर रहे हैं। जो इनके कोरे नाटक के अलावा और कुछ नहीं है। जिसे देखकर सत्ता पक्ष बेहद आहत हुआ है। इन तीनों दलों को देश की जनता से अपने इस व्यवहार के लिए माफी मांगनी पड़ेगी। उन्होंने कहा, विपक्ष का एकमात्र लक्ष्य संसद को न चलने देना है। वित्त मंत्री एक महत्वपूर्ण बिल लेकर आई हैं। जिस पर चर्चा करने के लिए बीएसी ने समय भी निर्धारित किया था। लेकिन हंगामे की वजह से इसे बिना की चर्चा के पारित कर दिया गया है।

विपक्ष ने विधेयक पर नहीं रखे संशोधन

बताते चलें कि 2 बजे के बाद पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल द्वारा जरूरी कागजात सदन के पटल पर रखवाने की कवायद के दौरान बैंकर्स बुक्स एविडेंस विधेयक को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन के विचार के साथ पारित कराने के लिए पेश किया। जिस पर पाल ने विपक्षी सांसदों मनोज कुमार, एन .के.प्रेमचंद्रन, के.सुरेश, बेनी बहनान और प्रतीक आनंद को अपने संशोधन रखने के लिए कहा। कोई भी तैयार नहीं हुआ, हंगामा चलता रहा और उसी के साथ विधेयक को पारित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ी, सदन ने बिना किसी चर्चा के इसे अपनी मंजूरी प्रदान कर दी।

छात्रों पर बर्बर कार्रवाई और श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी को लेकर प्रदर्शन

इंडिया गठबंधन के सांसदों ने निकाला विरोध मार्च

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा- प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सदन में आकर बयान दें; अहंकार उन्हें संसद में आने से रोक रहा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के सांसदों ने दिल्ली में छात्रों पर हुई पुलिस की बर्बर कार्रवाई और अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर बुधवार को संसद परिसर में प्रेरणा स्थल स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा से मकर द्वार तक विरोध मार्च निकाला। कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह से संसद में आकर इन संवेदनशील मुद्दों पर जवाब देने की मांग की। विपक्षी सांसद ₹अमित शाह जवाब दो₹ लिखा विशाल पोस्टर हाथों में लेकर 'चंदा चोर कहां मिलेंगे-भाजपा के दफ्तर में' जैसे नारे लगा रहे थे। इसके साथ ही वे जम्मू कश्मीर ▶▶ शेष पेज 5 पर

गृहमंत्री बयान देने से बच रहे

एक सोशल मीडिया पोस्ट में खरगे ने सवाल किया कि गृह मंत्री युवाओं पर हुए अत्याचारों पर बयान देने से क्यों कतरा रहे हैं और क्या श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के लिए प्रधानमंत्री जिम्मेदार नहीं हैं? इसी कड़ी में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि देश के गृह मंत्री अपना मुंह छिपा रहे हैं, क्योंकि वे छात्रों के गुनहगार हैं। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा कि अमित शाह छिपें नहीं, बल्कि संसद में आकर देश के सवाल का जवाब दें कि छात्रों पर हमले का आदेश किसने ▶▶ शेष पेज 5 पर

सुप्रीम कोर्ट ने दिया पायलट प्रोजेक्ट का आदेश

अब बिना इंश्योरेंस के वाहनों को नहीं मिलेगा पेट्रोल और डीजल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

यदि आपके वाहन का थर्ड पार्टी मोटर इंश्योरेंस समाप्त हो चुका है, तो भविष्य में पेट्रोल पंप पर आपको ईंधन मिलने में परेशानी हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और बीमा नियामक आईआरडीएआई को एक पायलट परियोजना तैयार करने का निर्देश दिया है, जिसके तहत वैध थर्ड पार्टी इंश्योरेंस नहीं होने पर पेट्रोल और डीजल की बिक्री रोकी जा सकती है। यह व्यवस्था पहले पायलट आधार पर लागू की जाएगी। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कहा कि देश की सड़कों पर चल रहे लगभग 56 प्रतिशत वाहन बिना वैध मोटर बीमा के चल रहे हैं, जो बेहद चिंताजनक स्थिति है। अदालत ▶▶ शेष पेज 5 पर

पेट्रोल पंप पर कैसे होगी जांच?

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और आईआरडीएआई को ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन तकनीक आधारित पायलट परियोजना विकसित करने का निर्देश दिया है। इस तकनीक के जरिए पेट्रोल पंप या अन्य जांच ▶▶ शेष पेज 5 पर

सुबह अल्टीमेटम, शाम को माफी...

पीएम मोदी के वीडियो विवाद में झुका मेटा, जुकरबर्ग ने मांगी माफी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फेसबुक वीडियो हटाए जाने के विवाद के बीच मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जकरबर्ग ने भारत सरकार से माफी मांगी है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, जकरबर्ग ने मेटा प्लेटफॉर्म पर बाल शोषण और डीपफेक सामग्री और प्लेटफॉर्म के संचालन में हुई गलतियों पर खेद व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स सहित अन्य सोशल मीडिया संचालित करने वाली कम्पनी मेटा लंबे समय से केंद्र की कड़ी निगरानी में है। यह घटनाक्रम उस समय सामने आया जब बुधवार सुबह संसद की संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने मेटा को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा था कि यदि मार्क जकरबर्ग व्यक्तिगत रूप से माफी नहीं मांगते हैं तो कंपनी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की सिफारिश की जा सकती है, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के तहत मिलने वाले 'सेफ हार्बर' संरक्षण पर पुनर्विचार भी शामिल है।

45 मिनट चली अहम बैठक: सरकारी सूत्रों के अनुसार, मेटा के चीफ ग्लोबल अफेयर्स ▶▶ शेष पेज 5 पर

राहुल गांधी बच्चों के जरिए भ्रम फैलाना बंद करें, दिल्ली में कोई गोलीबारी नहीं हुई थीः भाजपा

चुनिंदा दृष्टिकोण झारखंड के आंदोलनरत छात्रों के साथ अन्याय है, क्योंकि कांग्रेस अपनी ही सरकार के खिलाफ उठ रही आवाज को दबा रही है: पात्रा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने बुधवार को कहा कि 20 जुलाई को दिल्ली में कोई गोलीबारी नहीं हुई थी और बच्चों के माध्यम से राजनीतिक नैरेटिव गढ़ना अनुचित है। भाजपा के लोकसभा सांसद एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि झारखंड में कथित परीक्षा अनियमितताओं से प्रभावित छात्रों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए राहुल गांधी पर चुनिंदा मुद्दे उठाने का आरोप लगाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने संसद ▶▶ शेष पेज 5 पर

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड की बैठक की अधिकारियों को दिए गए जरूरी निर्देश

सरस्वती नदी के संरक्षण और विकास के लिए कई अहम फैसले, आईआईटी रुड़की से बनेगी विस्तृत रिपोर्ट

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि सरस्वती नदी न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि यह हमारी प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति की जीवंत गवाह भी है। इसके पुनर्जीवन परियोजना को राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में सर्वोच्च स्थान दिया गया है। मुख्यमंत्री सैनी बुधवार को सचिवालय में हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने बोर्ड की उपलब्धियों एवं लेखा जोखा संबंधित रिपोर्ट का विमोचन भी किया। इस दौरान सरस्वती नदी के समग्र विकास, संरक्षण एवं जनजागरूकता से जुड़े अहम मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया तथा कई अहम फैसले लिए गए। बैठक के दौरान हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के अधिकारियों ने आगामी योजनाओं तथा अब तक की गतिविधियों का ब्यौरा भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। बैठक में मुख्यमंत्री ने पिहोवा क्षेत्र के तमाम धार्मिक स्थलों की साफ सफाई की व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश भी दिए।

सैनी ने इस दौरान अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आदिबद्री सहित समस्त संबंधित कार्यों को गति के साथ पूरा किया जाए। इस परियोजना से जहां एक ओर पेयजल एवं सिंचाई के स्रोत विकसित होंगे, वहीं दूसरी ओर पिहोवा क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा ▶▶ शेष पेज 5 पर

इस साल की अंतिम तिमाही में होगा यह महत्वपूर्ण समझौता

करीब 4 से 5 साल में सेना को मिलनी शुरू होगी मिसाइल

10 हजार करोड़ रुपये की लागत संग 150 ब्रह्मोस मिसाइलों की खरीद करेगी सेना!

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अब वो दिन दूर नहीं, जब भारतीय सेना के जंगी बेड़े की युद्धक क्षमता में कई गुना की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। जिसके पीछे की बड़ी वजह आगामी कुछ महीनों में बल द्वारा किया जाने वाला 150 ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों (विस्तारित रेंज) की खरीद से जुड़ा एक बेहद महत्वपूर्ण समझौता है। जिस पर मौजूदा साल की अंतिम तिमाही के नवंबर महीने में हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि समझौते पर आने वाली कुल अनुमानित लागत 10 हजार करोड़ रुपए तक हो सकती है। जिसके चार से पांच साल के अंदर ▶▶ शेष पेज 5 पर

बढ़ेगी लंबी दूर तक मार करने की क्षमता

सेना के पास वर्तमान समय में जो ब्रह्मोस मिसाइल है। उसकी मारक क्षमता लगभग 290 किलोमीटर तक है। अब विस्तारित रेंज (450 किलोमीटर तक हो सकती है) के साथ इसमें और अधिक इजाफा किया जाएगा। जिसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि इससे न ▶▶ शेष पेज 5 पर

आत्मनिर्भर भारत को मिलेगा बढ़ावा

ब्रह्मोस भारत का एक अति विध्वंसक सैन्य हथियार है। ऐसे में थलसेना में इसकी बढ़ी हुई रेंज के साथ मिसाइलों की संख्या बढ़ने से कहीं न कहीं केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी मजबूती मिलेगी। गौरतलब है कि वर्तमान समय में ब्रह्मोस मिसाइल का सेना के अलावा वायुसेना और नौसेना भी काफी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रही हैं। विस्तारित रेंज की आवश्यकता भी समय-समय पर सशस्त्र सेनाओं के तीनों अंगों द्वारा प्रदर्शित की गई है।

ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस ने किया कमाल

गौरतलब है कि ब्रह्मोस मिसाइल ने पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ की गई ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई के दौरान भी बड़ी सटीकता के साथ सीमापार मौजूद लक्ष्यों को पलक झपकते ही मटियामेट कर दिया था। भारत के लिए यह न केवल व्यक्तिगत रूप से अपने सैन्य हथियार पर गर्व करने का क्षण था। बल्कि इस घटनाक्रम के बाद से ही ब्रह्मोस को खरीदने की रुचि दुनिया के कई देशों द्वारा नई दिल्ली के समक्ष पेश की गई है। जिसका ताजा उदाहरण वियतनाम के रूप में आया है।

मध्य प्रदेश से छह साइबर अपराधी पकड़े

निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले कॉल सेंटर का पर्दाफाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

द्वारका जिले की साइबर पुलिस ने इंदौर, मध्य प्रदेश से संचालित एक अंतरराज्यीय अवैध निवेश धोखाधड़ी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में छह साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी एक जानी मानी निवेश कंपनी की आड़ में अवैध कॉल सेंटर चला रहे थे। कॉल सेंटर से 28 सीपीयू, 25 मोबाइल, दो वाई-फई राउटर, एक डीवीआर और एक ऑडियो कम वीडियो रिकॉर्डिंग कैमरा जब्त किया गया है।

पुलिस के अनुसार बरामद सीपीयू में हजारों निवेशकों के व्यक्तिगत और वित्तीय डेटा वाली 1400 से ज्यादा स्प्रेडशीट मिलीं हैं। इस मामले का खुलासा तब हुआ जब स्टॉक और फॉरेक्स बाजार में ट्रेडिंग के बहाने एक शख्स के साथ 17.3 लाख की धोखाधड़ी की गई थी। इसके अलावा भी कई राज्यों से साइबर धोखाधड़ी की शिकायतें सामने आई, जिनमें कुल 54.70 लाख से ज्यादा की धोखाधड़ी शामिल है।

डीसीपी कुशल पाल सिंह के अनुसार 5 जुलाई को उत्तम नगर के रहने वाले शिकायतकर्ता ने साइबर धोखाधड़ी के संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अज्ञात लोगों ने उन्हें पहले भारतीय शेयर बाजार में एक नकली ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ट्रेड करने के लिए उकसाया ताकि उनका भरोसा जीता जा सके और उसके बाद फॉरेक्स बाजार में ट्रेड करने के लिए कहा, जहां उन्हें नकली मुनाफा दिखाया गया और बार बार पैसे जमा करने के लिए मनाया गया। जब शिकायतकर्ता ने अपनी निवेश की गई रकम और दिखाया गया मुनाफा निकालना चाहा, तो आरोपियों ने झूठे बहाने बनाए और ट्रेडिंग में नुकसान होने की झूठी बात कही, जिससे शिकायतकर्ता के साथ कुल 17 लाख 30 हजार 50 रुपये की धोखाधड़ी हुई। शिकायतकर्ता ने 30 मार्च से आरोपियों के कहे अनुसार निवेश करना शुरू किया था। गिरफ्तार किये गये जालसाजों में सुमित सिंह चौधरी, राहुल सिंह, अश्विनी कुमार, महेश सिंह, पीयूष राठौर और रविंदर सिंह चौहान शामिल हैं।

तिहाड़ जेल में कैदी की हत्या की कोशिश के मामले में वांछित अपराधी अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

स्पेशल सेल की साउथ वेस्टर्न रेंज टीम ने राजस्थान के उदयपुर से रोहित चौधरी गैंग के फरार बदमाश और घोषित अपराधी राहुल रावत को गिरफ्तार किया है। कई राज्यों में 700 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद यह बदमाश पुलिस के हाथ लगा। आरोपी डकैती व हत्या की कोशिश के चार गंभीर मामलों में घोषित अपराधी था।

पुलिस के अनुसार राहुल रावत (28) संगम विहार, दिल्ली का रहने वाला है। वह तिहाड़ जेल में कैदियों के एक ग्रुप के साथ मिलकर एक कैदी पर नुकीले हथियारों से हमला करने के मामले में वांछित था। जेल स्टाफ के समय पर दखल देने से उस कैदी की जान बचाई गई थी। इस संबंध में हरि नगर थाने में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था। इस मामले का पीड़ित भी रणदीप भाटी गैंग से जुड़ा एक शातिर अपराधी था और जेल से रिहा होने के बाद वह हिमांशु उर्फ भाऊ गैंग से जुड़ गया था। फरवरी 2026 में आगरा में यूपी एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में लगी चोटों के कारण उसकी मौत हो गई थी। जेल से रिहा होने के बाद राहुल रावत इस मामले में अपनी गिरफ्तारी से बचता रहा। वह अपना घर छोड़कर बार-बार ठिकाने बदल लेता था। वह अपने दूसरे मामलों में कोर्ट की तारीखों पर भी पेश नहीं हुआ, जिसके कारण उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू हुई और बाद में उसे इस मामले के साथ-साथ तीन अन्य मामलों में भी 'घोषित अपराधी' करार दिया गया था। हाल ही में इसके उदयपुर, राजस्थान में होने की पक्की जानकारी मिली थी। बदमाश एक रिहायशी कॉलोनी में छिपा हुआ था। अग्रवाल कॉलोनी से इसे पकड़कर दिल्ली लाया गया है।

पीएम उदय योजना को लेकर एसडीएम को सौंपा पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली की 1,511 अनाधिकृत कॉलोनियों में प्रधानमंत्री उदय योजना के तहत मालिकाना हक देने की प्रक्रिया को लेकर भाजपा की दिल्ली प्रदेश अनाधिकृत कॉलोनी प्रकोष्ठ की संयोजक एवं पूर्व निगम पार्षद उर्मिला चौधरी ने संबंधित एसडीएम (मुख्यालय, राजस्व विभाग) को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। उन्होंने एसडीएम, पीएम-उदय, गीता ग्रोवर को पत्र सौंपकर योजना से जुड़ी जानकारियां सार्वजनिक करने और आम लोगों के हित में कई सुझावों पर कार्रवाई की मांग की है। उर्मिला चौधरी ने कहा कि योजना का उद्देश्य लाखों परिवारों को मालिकाना हक देना है, लेकिन कई नियमों और प्रक्रियाओं को लेकर लोगों में भ्रम बना हुआ है। ऐसे में विभाग को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए। पत्र में उन्होंने सरकारी खसरा और निजी खसरे की भूमि पर मालिकाना हक देने के लिए अलग-अलग नियम लागू होने पर भी सुझाव देते हुए दोनों के लिए समान नियम लागू करने की मांग की है। साथ ही सार्वजनिक भूमि पर बने मकानों के लिए 1 जनवरी 2015 से पहले के निर्माण का प्रमाण मांगे जाने के नियम की समीक्षा कर इसकी समय-सीमा बढ़ाकर 1 अप्रैल 2026 करने का सुझाव भी दिया है।

12 हजार प्रतिबंधित विदेशी सिगरेट के साथ तीन दबोचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर पूर्वी जिला पुलिस ने प्रतिबंधित विदेशी सिगरेट बरामद की है। इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से 12 हजार से ज्यादा विदेशी सिगरेट जब्त की गई हैं।

पुलिस के अनुसार करावल नगर इलाके में प्रतिबंधित आयातित सिगरेट की आपूर्ति की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक टीम ने मंगलवार शाम महालक्ष्मी विहार में नाला रोड के पास जाल बिछाया। शाम करीब 4.30 बजे बाइक सवार तीन लोग दो बोरों के साथ वहां पहुंचे और किसी का इंतजार करने लगे। कुछ देर तक कोई नहीं आया, तो उन्होंने जाने का प्रयास किया। इसी बीच अलर्ट पुलिस टीम ने उन्हें पकड़ लिया। आरोपियों के नाम करावल नगर क्षेत्र निवासी अंकित (35), विशाल (28) और राहुल (36) पता चलें। तलाशी में 79 कार्टन बरामद हुए जिनमें इंडोनेशिया में निर्मित एक ब्रांड की 12,640 सिगरेट थी। पैकेटों पर सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (सीओटीपीए) के तहत आवश्यक वैधानिक स्वास्थ्य चेतावनियां भी अंकित नहीं थीं। कोपटा एक्ट के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई और आगे की जांच जारी है।

पुलिस मुख्यालय में अंतरराज्यीय समन्वय बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले, विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सहयोग और समन्वय को मजबूत करने और बिना किसी अप्रिय घटना के स्वतंत्रता दिवस समारोह की सुरक्षा सुनिश्चित करने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बुधवार को पुलिस मुख्यालय में एक अंतरराज्यीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता दिल्ली के पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार द्वारा की गई। इसमें हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और चंडीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ साथ केंद्रीय खुफिया और प्रवर्तन एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

बैठक में विशेष पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था, स्पेशल सेल, ट्रैफिक, सुरक्षा प्रभाग, अपराध और परिवहन), संयुक्त पुलिस आयुक्त (रेंज, सुरक्षा, ट्रैफिक, आईएफएसओ और अपराध) तथा जिलों, सुरक्षा, अपराध, आईजीआई हवाई अड्डे, रेलवे और मेट्रो के पुलिस डीसीपी भी शामिल हुए। वरिष्ठ अधिकारियों ने खुफिया जानकारी साझा की और आतंकवाद रोधी उपायों पर चर्चा की, जिसमें सीमा पर जांच, संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन और अन्य निवारक उपाय शामिल थे। खुले क्षेत्रों में पैराग्लाइडर, ड्रोन और अन्य उड़ने वाली वस्तुओं की आवाजाही से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई। संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की आवाजाही के बारे में पहले से जानकारी समय पर साझा करने पर जोर दिया गया। बैठक में सोशल मीडिया की निगरानी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सक्रिय अंतरराज्यीय गिरोहों और अवैध हथियारों व नशीले पदार्थों की आपूर्ति से जुड़ी घटनाओं पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान ट्रैफिक प्रतिबंधों और अंतरराज्यीय सीमाओं पर अनधिकृत घुसपैठ को रोकने के उपायों की समीक्षा की गई और योजना बनाई गई। भाग लेने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों से अनुरोध किया गया कि वे इन उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पूरा सहयोग दें और करीबी समन्वय बनाए रखें।

क्राइम एंड परसेप्शन मैनेजमेंट और मीडिया सेल प्रभारी स्पेशल सीपी एच. जी. एस. धालीवाल ने बताया कि बैठक में पुलिस आयुक्त द्वारा अतीत में सभी भाग लेने वाली एजेंसियों से मिले सहयोग और समन्वय की सराहना की और विश्वास व्यक्त किया कि इस वर्ष भी इसी स्तर की प्रतिबद्धता बनी रहेगी। उन्होंने आने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पुख्ता सुरक्षा इंतजामों के लिए सभी कानून लागू करने वाली एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने की बात कही। इसके अलावा पुलिस आयुक्त ने संगठित अपराध के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करने के लिए एक जॉइंट एक्शन प्लान और रणनीति बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया।

मादक पदार्थ तस्करी मामले का भगौड़ा आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने जंगपुरा इलाके से नशीले पदार्थों के अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह से जुड़े एक भगौड़े आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम श्रीनगर निवासी हाकिम मोहम्मद अल्ताफ (58) बताया गया है। 2021 में इसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। 2023 में पटियाला हाउस अदालत ने केस में इसे भगोड़ा घोषित किया था।

पुलिस के अनुसार सोमवार को जंगपुरा में अल्ताफ की गतिविधि की गुप्त सूचना मिलने के बाद उसे दोपहर करीब 2:45 बजे पकड़ा गया। इस मामले में दो अफगान नागरिकों सहित नौ सह आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के मुताबिक मई 2021 में स्पेशल सेल ने बटला हाउस में एक ड्रग रिफाइनिंग फैक्टरी का पर्दाफाश कर 35.6 किलोग्राम हेरोइन बरामद की थी। इसके अलावा आरोपियों के पास से करीब 19 किलो एम्फ़ैटेमिन और पांच किलो मेस्केलिन नामक मादक पदार्थ भी जब्त किया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी अल्ताफ जम्मू-कश्मीर से दिल्ली में नशीले पदार्थों की आपूर्ति और परिवहन में मुख्य भूमिका निभाता था। उसने इस काम के लिए लाजपत नगर में एक फ्लैट किराए पर लिया था, जहां से एक सह आरोपी 12 किलोग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा गया था। उसकी पहचान श्रीनगर निवासी आबिद के तौर पर हुई थी।

नीरज बवाना और नवीन बाली गैंग का बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

रोहिणी पुलिस ने कंझावला इलाके में मुठभेड़ के बाद नीरज बवाना और नवीन बाली गिरोह के एक कुख्यात बदमाश राहुल को गिरफ्तार कर लिया। इसका साथी पुलिस कर्मियों पर फायरिंग कर फरार होने में कामयाब हो गया। पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है। पकड़े गये बदमाश के पास से जिगाना और ग्लॉक पिस्तौलों समेत पांच हथियार और 18 कारतूस बरामद किए गए।

उत्तरी रेंज के ज्वाइंट सीपी विजय सिंह ने बताया कि रोहिणी जिले की एसटीएफ को राहुल डबास उर्फ आरडीएक्स और राहुल सहरावत के लाडपुर गांव स्थित आनंद वाटिका के पास आने की सूचना मिली थी। बदमाशों के पास हथियार होंगे इसका अंदेशा पुलिस को पहले से ही था। पुलिस टीम ने संभावित जगह पर जाल बिछाया। पुलिस को देखते ही दोनों संदिग्धों ने गोलीबारी शुरू कर दी जिसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। अधिकारी ने कहा कि मुठभेड़ के दौरान राहुल सहरावत को मौके पर ही काबू कर लिया गया जबकि राहुल डबास पुलिस टीम पर गोलीबारी करने के बाद भाग निकला। आरोपियों द्वारा चलाई गई एक गोली पुलिस वाहन पर भी लगी जबकि दो गोलियां खड़ी कार में लगी। पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में एक गोली चलाई। मुठभेड़ में कोई पुलिसकर्मी या आरोपी जख्मी नहीं हुआ। पुलिस ने बताया कि आरोपी के पास से बरामद हथियारों में एक जिगाना पिस्तौल, एक ग्लॉक पिस्तौल, एक .32 बोर पिस्तौल और दो देसी कट्टे शामिल हैं। मौके से नौ एमएम के आठ कारतूस और .30 बोर के 10 कारतूस भी जब्त किए गए। राहुल सहरावत पहले भी दो आपराधिक मामलों में शामिल रहा है जबकि फरार आरोपी राहुल डबास के खिलाफ 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं। दोनों जेल में बंद गैंगस्टर नीरज बवाना और नवीन बाली के इशारे पर अपराध को अंजाम देते थे।

दिल्ली हवाई अड्डे पर बाजूबंद में छिपाया गया एक किलोग्राम सोना बरामद, दो महिलाएं पकड़ी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने इस्तांबुल से आई दो महिला यात्रियों के पास से 'बाजूबंद' में छिपाकर लाया जा रहा करीब एक किलोग्राम सोना जब्त किया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी आधिकारिक बयान के अनुसार, दोनों महिला यात्री पांच अगस्त को आईजीआई हवाई अड्डे पर पहुंची थीं। 'एडवांस पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम' (एपीआईएस) के आधार पर प्रोफाइलिंग के बाद उन्हें ग्रीन चैनल पार करने के उपरांत रोका गया। बयान में कहा गया है कि यात्रियों के सामान की एक्स-रे जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। हालांकि, दोनों महिला यात्रियों की 'डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर' (डीएफएमडी) से गुजरते समय जांच में कुछ संदेह होने पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने उनकी विस्तृत व्यक्तिगत तलाशी ली। तलाशी के दौरान अधिकारियों ने लगभग एक किलोग्राम सोना बरामद किया, जिस पर बाहर से चांदी की परत चढ़ाई गई थी और उसे यात्रियों की ऊपरी भुजाओं पर पहने गए बाजूबंद की आड़ में छिपाया गया था। बयान के अनुसार, बरामद सोने को सीमा शुल्क अधिनियम के प्रावधानों के तहत जब्त कर लिया गया है और तस्करी का मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि तस्करी कर लाए गए सोने के स्रोत तथा इस बात का पता लगाने के लिए जांच जारी है कि क्या दोनों महिलाएं किसी बड़े तस्करी गिरोह का हिस्सा हैं।

सीलमपुर गोलीबारी मामला: अदालत ने दो आरोपियों को किया बरी

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2020 में सीलमपुर में एक युवक की हत्या के प्रयास के आरोपी दो व्यक्तियों को बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों की हमलावर के रूप में पहचान स्थापित करने में विफल रहा और जांच पर गंभीर संदेह पैदा होते हैं, जिसमें हथियारों की कथित बरामदगी भी शामिल है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय शर्मा उस मामले की सुनवाई कर रहे थे, जिसमें चौहान पट्टी उर्फ अजीम और फईम पर सीलमपुर थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर हत्या के प्रयास और शस्त्र अधिनियम की धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। अदालत ने चार अगस्त को पारित आदेश में कहा कि आरोपी चौहान पट्टी उर्फ अजीम और फईम से हथियार की कथित तौर पर बरामदगी अत्यधिक संदिग्ध हो जाती है और उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता, खासकर तब जब शिकायतकर्ता ने न तो चौहान पट्टी की पहचान अपने हमलावर के रूप में की और न ही आरोपी से कथित तौर पर बरामद हथियार की पहचान की।

"अंटारेस बाय आर.ओ.एफ."
लाइसेंस संख्याः 2024 का 182 दिनांक – 10.12.2024
हरेरा संख्याः 2026 का 29 दिनांक – 13.04.2026

फ्लैट्स का ई–ड्रॉ

आम जनता को सूचित किया जाता है कि "अंटारेस बाय आर.ओ.एफ." सेक्टर–07, सोहना, गुरुग्राम, हरियाणा (हरियाणा अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी, 2013 के अंतर्गत) की फ्लैटों का ई–ड्रॉ प्रक्रिया मैसर्स आर.ओ.एफ. इंफ्राटेक एंड हाउसिंग प्राईवेट लिमिटेड द्वारा **शुक्रवार, 07 अगस्त 2026 को दोपहर 1:00 बजे** रामाडा बाय विंडहैम, गुरुग्राम सेंट्रल, सेक्टर–44, गुरुग्राम–122003 (हरियाणा) में सरकारी अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा। सभी आवेदकों को सादर आमंत्रित किया जाता है कि वे ई–ड्रॉ प्रक्रिया में उपस्थित होकर हरियाणा सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुसार अपनाई गई पूर्ण पारदर्शिता का प्रत्यक्ष अनुभव करें। आवेदक नीचे दिए गए यूट्यूब लाइव लिंक के माध्यम से लॉग–इन कर ऑनलाईन भी ई–ड्रॉ में शामिल हो सकते हैं।
यूट्यूब लिंक : **https://youtube.com/live/MXCZNYWE4tM?feature=share**
नोटः प्रवेश केवल आवेदकों के लिए ही सीमित रहेगा। कृपया अपना एक्नॉलेजमेंट स्लिप और वैध पहचान पत्र साथ अवश्य लाएँ।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शवन उर्फ राजू, पुत्र मुन्ना निवासी मकान नंबर 23/24, 2,4 ग्राउंड फ्लोर, ग्राम सभा ग्राम लिबासपुर सिटी, दिल्ली–42** दूसरा पता **66 फुटा रोड, कबीर मंदिर धर्मशाला के पास लिबासपुर, दिल्ली–42** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 157/23 धारा 379/411/34 के तहत, थाना पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **शवन उर्फ राजू** मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **शवन उर्फ राजू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 157/23 धारा 379/411/34 के तहत, थाना पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **शवन उर्फ राजू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **27.10.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री पी. भार्गव राव
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–05 (पूर्वी), कमरा नं.03
DP/10787/ED/2026 **दूसरी मंजिल, कड़कड़डूमा कोर्ट्स, दिल्ली**

शोध संस्कृति को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है मार्गदर्शन: सूद

■ 'अन्वेषण 2.0' छह सप्ताहीय ग्रीष्मकालीन विज्ञान इंटर्नशिप कार्यक्रम का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर पर ही वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन तथा प्रयोगशालाओं में व्यावहारिक अनुभव उपलब्ध कराना भारत में शोध संस्कृति को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। दिल्ली सरकार के गृह एवं शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित 'अन्वेषण 2.0' समारोह में बतौर मुख्य अतिथि यह संबोधन दिया। शिक्षा मंत्री सूद ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का उद्देश्य शिक्षा को रटने की प्रवृत्ति से निकालकर आलोचनात्मक चिंतन, नवाचार और कौशल-आधारित अधिगम की दिशा में ले जाना है। उन्होंने कहा कि उन्होंने दिल्ली सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों का उल्लेख करते हुए बताया कि सरकारी विद्यालयों में लगभग 9 हजार स्मार्ट बोर्ड, 100 से अधिक भाषा कार्यक्रम तथा 175 से अधिक सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं, जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो रही है। बता दें कि शोध फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन, सेंटर फॉर इनोवेशन इन इंफेक्शियस डिजीज रिसर्च, एजुकेशन एंड ट्रेनिंग, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर, रामजस कॉलेज, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वूमेन तथा आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित 'अन्वेषण 2.0' छह सप्ताहीय ग्रीष्मकालीन विज्ञान इंटर्नशिप कार्यक्रम का समापन बुधवार को रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित भव्य समापन समारोह के साथ हुआ। इस कार्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली, वाराणसी, हैदराबाद और शिमला से चयनित 170 स्नातक विज्ञान विद्यार्थियों ने छह सप्ताह तक प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में व्यावहारिक प्रशिक्षण तथा अंतर्विषयी अध्ययन के माध्यम से शोध का अनुभव प्राप्त किया। इस समारोह में विशिष्ट अतिथि एवं सामाजिक चिंतक आशीष चौहान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के स्टेम सेल फेसेलिटी की प्रोफेसर प्रो. सुजाता मोहंती, रामजस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अजय अरोड़ा ने आदि भी अपने विचार रखें। शोध फाउंडेशन ने अपने संबोधन में कहा कि संस्था का उद्देश्य शोध-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना, नवाचार और विश्लेषणात्मक चिंतन को प्रोत्साहित करना, भावी शोधकर्ताओं का निर्माण करना तथा विद्यार्थियों, शोधार्थियों, वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों के बीच सार्थक संवाद स्थापित करना है।

चीनी मांझे की 384 चरखी जब्त, तीन लोग गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में स्वतंत्रता दिवस पर होने वाली पतंगबाज़ी से पहले दिल्ली पुलिस ने प्रतिबंधित चीनी मांझे की खरीद-फरोख्त पर सख्ती बढ़ा दी है। पुलिस ने दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से नायलॉन से बने इस घातक मांझे की 384 चरखी जब्त की हैं और तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि बाहरी जिला पुलिस की एक टीम ने एक व्यक्ति के पास से चीनी मांझे की 300 चरखी बरामद कीं। पुलिस ने कहा कि उन्हें मंगलवार को निलोठी एक्सटेंशन में प्रतिबंधित मांझे की अवैध बिक्री के बारे में सूचना मिली। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने राहुल नाम के आरोपी को पकड़ा और उसके पास से प्रतिबंधित मांझे की एक चरखी जब्त की। पूछताछ के दौरान, आरोपी ने कथित तौर पर खुलासा किया कि उसने निलोठी एक्सटेंशन की एक इमारत में बड़ी मात्रा में चीनी मांझा रखा था। बाद की तलाशी में 299 और चरखी जब्त की गईं, जिससे जब्त की गई चरखियों की संख्या 300 हो गई। वहीं, उत्तर पूर्वी दिल्ली जिला पुलिस ने दो लोगों को पकड़ा और उनके पास से प्रतिबंधित चीनी मांझा की 84 चरखी जब्त कीं। ज्योति नगर थाना पुलिस ने विशेष सूचना के बाद अशोक नगर में एक दुकान पर छापा मारा और प्रतिबंधित मांझे की 80 चरखी बरामद कीं। दुकान के मालिक ऋषभ जैन (24) को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कहा कि पूछताछ के दौरान, उसने खेप के कथित स्रोत का खुलासा किया और आपूर्तिकर्ता का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। एक अलग छापेमारी में, नंद नगरी पुलिस ने एक दुकान से प्रतिबंधित चीनी मांझे की चार चरखी जब्त कीं और दुकान के मालिक आमिर खान (32) को गिरफ्तार कर लिया। चीनी मांझे की खरीद-फरोख्त और उपयोग पर प्रतिबंध है। यह मांझा नायलॉन के धागे से बना होता है और इसपर कांच और धातु को लेपा जाता है जिससे यह आसानी से नहीं टूटता है और घातक हो जाता है। पुलिस ने कहा कि इसके निर्माण, भंडारण और बिक्री के खिलाफ अभियान पूरे शहर में जारी रहेगा।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दीपक शर्मा, पुत्रः स्व. इंदर सिंह, पताः म.नं. 316ए, पाना उद्यान चौपाल वाली गली, गांव खेड़ा खुर्द, दिल्ली** ने **FIR No. 660/2015, U/s 279/338/304 A IPC, पुलिस थाना शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **दीपक शर्मा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **दीपक शर्मा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 660/2015, U/s 279/338/304 A IPC, पुलिस थाना शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के अभियुक्त **दीपक शर्मा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो। **आदेशानुसार – सुश्री भारती बेनीवाल**
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05, उत्तर
DP/10838/ON/2026 **कमरा नं. 114, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली**

‘दिल्ली ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बिल 2026’ के मसौदे पर मंत्रिमंडल में विचार

सरकारी दफ्तरों के चक्कर में नहीं बीतेगा कारोबारियों का समय: रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार का लक्ष्य ऐसा प्रशासन स्थापित करना है, जहां उद्यमियों और निवेशकों का समय सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने में नहीं, बल्कि अपने कारोबार को आगे बढ़ाने में लगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार ऐसी व्यवस्था विकसित कर रही है, जिसमें मंजूरियां आसान हों, प्रक्रियाएं स्पष्ट हों, निर्णय तय समय सीमा के भीतर लिए जाएं और अनावश्यक अनुपालन की बाधाएं समाप्त हों।

इससे दिल्ली में नए निवेश को बढ़ावा मिलेगा, उद्योगों का विस्तार होगा और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। बता दें कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में ‘दिल्ली ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बिल, 2026’ के मसौदे पर विचार किया गया। इस प्रस्तावित कानून का उद्देश्य दिल्ली को देश में उद्यम स्थापित करने और संचालित करने के लिए सबसे आसान स्थान बनाने की दिशा में व्यापक सुधार लागू करना है। इसके माध्यम से कारोबार शुरू करने और संचालित करने से जुड़ी मौजूदा जटिल प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी, समयबद्ध और तकनीक आधारित बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि ‘दिल्ली ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बिल, 2026’ सरकार और उद्यमों के बीच संबंधों को नियंत्रण और संदेह की पुरानी व्यवस्था से निकालकर भरोसे, सहयोग और सुविधा पर आधारित व्यवस्था में बदलने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।

साथ ही, वास्तविक नियम उल्लंघनों के विरुद्ध प्रभावी और कड़े निवारक प्रावधान भी लागू रहेंगे। दिल्ली सरकार का संकल्प राजधानी को देश के सबसे उद्योग-अनुकूल, निवेश-अनुकूल और रोजगार सृजन करने वाले क्षेत्रों में स्थापित करना है। यह प्रस्तावित कानून कारोबार करने में लगने वाले समय, लागत और अनिश्चितता को कम करेगा, निवेशकों का विश्वास मजबूत करेगा, नए उद्योगों को आकर्षित करेगा और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। तथा उपराज्यपाल एवं दिल्ली मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदन के बाद, इस विधेयक को आवश्यक अग्रेतर कार्रवाई हेतु गृह मंत्रालय को प्रेषित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस पूरी व्यवस्था के संचालन की जिम्मेदारी दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (डीएसआईआईडीसी) को सौंपी जाएगी। यही संस्था आवेदन प्राप्त होने से लेकर अंतिम स्वीकृति मिलने तक पूरी प्रक्रिया के लिए एकमात्र जवाबदेह नोडल एजेंसी होगी तथा सभी संबंधित विभाग और नागरिक एजेंसियां इसके माध्यम से समन्वय स्थापित करेंगी। इस कानून की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक ‘डीम्ड अप्रूवल’ की व्यवस्था होगी। यदि कोई सक्षम प्राधिकारी निर्धारित समय सीमा के भीतर किसी आवेदन पर निर्णय नहीं लेता है तो संबंधित स्वीकृति, पंजीकरण या एनओसी स्वतः स्वीकृत मानी जाएगी और आवेदक उसे सीधे ऑनलाइन पोर्टल से डाउनलोड भी कर सकेगा। इससे फाइलों के अनावश्यक लंबित रहने और निर्णय में होने वाली देरी समाप्त होगी।

तीन वर्षों तक किसी प्रकार का नियमित निरीक्षण नहीं किया जाएगा

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कहा कि नए पंजीकरण के बाद सामान्य परिस्थितियों में तीन वर्षों तक किसी प्रकार का नियमित निरीक्षण नहीं किया जाएगा। केवल गंभीर प्रकृति की शिकायत मिलने पर ही निरीक्षण किया जा सकेगा। इससे उद्योगों को अनावश्यक निरीक्षणों से राहत मिलेगी और भरोसे पर आधारित प्रशासनिक व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। प्रस्तावित कानून में ‘नेगेटिव लिस्ट’ की व्यवस्था भी होगी। इसका अर्थ है कि यदि किसी गतिविधि पर सरकार ने स्पष्ट रूप से प्रतिबंध नहीं लगाया है तो उद्यम उसे कर सकेगा। इससे कारोबारियों को अधिक स्पष्ट, सरल और पूर्वानुमेय नियामकीय व्यवस्था मिलेगी।

अलग-अलग विभागों के चक्कर लगाने से मिलेगी मुक्ति

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि प्रस्तावित कानून के अंतर्गत कारोबार से जुड़ी विभिन्न मंजूरियां, पंजीकरण, लाइसेंस, एनओसी और अन्य अनुमतियों के लिए अलग-अलग विभागों के चक्कर लगाने की आवश्यकता समाप्त होगी। इसके लिए सिंगल विंडो सिस्टम स्थापित किया जाएगा, जिसके माध्यम से एक ही ऑनलाइन पोर्टल पर अधिकांश व्यावसायिक सेवाएं उपलब्ध होंगी। भवन निर्माण स्वीकृति, फैक्टरी लाइसेंस, फायर क्लीयरेंस, पानी, सीवर और बिजली कनेक्शन, रेरा पंजीकरण, सहकारी समितियों के पंजीकरण सहित अनेक सेवाएं इसी पोर्टल के माध्यम से तय समय सीमा के भीतर उपलब्ध कराई जाएंगी। यह प्रस्तावित कानून भारत सरकार के अनुपालन में कमी और विनियमन-मुक्ति पहल (चरण-2) के तहत तैयार किया गया है।

कम जोखिम वाली गतिविधियों के लिए सेल्फ सर्टिफिकेशन की व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि कम जोखिम वाली गतिविधियों के लिए सेल्फ सर्टिफिकेशन की व्यवस्था लागू की जाएगी। निर्धारित श्रेणियों के अंतर्गत अग्नि सुरक्षा, भवन योजना स्वीकृति, प्रदूषण संबंधी अनुमति तथा लो-टेंशन बिजली कनेक्शन जैसी प्रक्रियाएं स्वयं घोषणा के आधार पर पूरी की जा सकेंगी। इससे छोटे, कम जोखिम वाले और कम खतरे वाले उद्यम बिना अनावश्यक देरी के अपना कारोबार शुरू कर सकेंगे। जिन उद्यमों का पहले से जीएसटी, एफएसएसएआई, एमएसएमईडी अधिनियम अथवा लेबर कोड्स के तहत पंजीकरण है, उन्हें अलग से ट्रेड लाइसेंस, हेल्थ ट्रेड लाइसेंस, ईटिंग हाउस लाइसेंस या शॉप्स एंड एस्टैब्लिशमेंट पंजीकरण लेने की आवश्यकता नहीं होगी।

‘दिल्ली की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने की तैयारी’

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- उपराज्यपाल ने की बैठक, डीडीए और पर्यटन विभाग को दिए निर्देश

दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू ने बुधवार को राजधानी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, कला और डिजाइन परंपराओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में डीडीए के उपाध्यक्ष और पर्यटन विभाग के सचिव मौजूद रहे। बैठक के दौरान उपराज्यपाल ने कहा कि संस्कृति और विरासत केवल संरक्षण का विषय नहीं, बल्कि साझा नागरिक पहचान और राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम हैं।

उन्होंने राजधानी की कला, डिजाइन, हस्तशिल्प और प्रदर्शन कलाओं से जुड़ी रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने तथा नागरिकों, कलाकारों और युवाओं को सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार में सक्रिय भागीदारी का अवसर देने पर जोर दिया। उपराज्यपाल ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत दिल्ली के अपने प्रतिष्ठित वैश्विक सांस्कृतिक आयोजनों के विकास का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन राजधानी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देने के साथ पर्यटन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति देंगे। उन्होंने दिल्ली की नाइट इकोनॉमी को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि विश्वस्तरीय राजधानी के लिए सांस्कृतिक और व्यावसायिक गतिविधियों का रात के समय भी सक्रिय रहना महत्वपूर्ण है, जिससे स्थानीय कलाकारों, प्रदर्शनकारियों और छोटे व्यवसायों को नए अवसर मिलेंगे। उपराज्यपाल ने कहा कि दिल्ली पूरे भारत की विविध संस्कृतियों का संगम है और इसकी अपनी विशिष्ट पहचान है। उन्होंने हेरिटेज वॉक तथा नागरिकों और पर्यटकों को शहर की सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने वाली अन्य गतिविधियों को बढ़ावा देने पर बल दिया। बैठक के अंत में उपराज्यपाल ने डीडीए को अपने विभिन्न सार्वजनिक स्थलों का उपयोग कला प्रदर्शनियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, विरासत आधारित आयोजनों और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के लिए करने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए।

लोगों की परेशानियों का सबब रहा है निगम का 311 एप : यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

ऑनलाइन सेवा के जरिए जनता की समस्याओं का समाधान करने का दावा करने वाली भाजपा की दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। एमसीडी के ऑनलाइन शिकायत एप 311 पर दर्ज शिकायतों पर समय पर कार्रवाई नहीं होने पर लोग परेशान हो रहे हैं। यह आरोप बुधवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने लगाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम में ऑनलाइन शिकायत दर्ज होने के बाद भी उसका समाधान पूरी तरह नहीं हो रहा है।

इसका मुख्य कारण शिकायतों को सही विभाग को ट्रांसफर नहीं किया जाता है। यादव ने कहा कि लोग एमसीडी एप पर सड़क पर गड्ढे आदि की शिकायत 311 एप पर दर्ज कराते हैं लेकिन उनकी शिकायतों को समाधान नहीं हो रहा है। इससे लोग नाराज हो रहे हैं। यादव ने कहा कि एमसीडी 311 एप्प पर शिकायत दर्ज कराने के बाद शिकायतकर्ता का ईमेल जो पहले मांगा जाता था अब नहीं मांगा जा रहा है बल्कि शिकायत कर्ता के ईमेल की जगह शिकायतकर्ता का ईमेल mobilenumber@everythingcivil आ रहा है, जो एक्सजिस्ट ही नहीं करता, जिसमें कोई बदलाव भी नहीं हो सकते हैं।

एमसीडी सिर्फ ऑनलाईन सेवा की सुविधा देने पर अपनी वाहवाही लूटने की कोशिश कर रही है जबकि प्रदूषण से संबधित, आरटीआई की शिकायत, बुकिंग, ट्रेड लाइसेंस, डेथ और जन्म प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, ईडब्लूएस सहित प्रॉपर्टी टैक्स और डोमिसाइल बनाने जैसी सुविधाओं का समय पूरा न होना दिल्ली की जनता के चुनौती बना हुआ है।

यादव ने कहा कि सबसे बड़ा संकट तब आ रहा है जब निगम अधिकारी अपनी सुविधा अनुसार शिकायत को बंद कर देते हैं और आवेदक अपनी समस्या के हल के लिए चक्कर काटता रहता है। एमसीडी की प्रशासनिक कार्यप्रणाली पंगु होने के कारण दिल्लीवासी सवाल उठा रहे हैं कि दर्ज शिकायतों का समाधान समय पर क्यों नहीं हो रहा है। यादव ने कहा कि निगम 311 एप पर लोगों ने अपने क्षेत्रों में मौजूद गड्ढों, टूटी सड़कों, और अन्य समस्याओं को कई बार साझा की हैं।

मानसून सत्र के दौरान कैग की दो रिपोर्टें और तीन विधेयक सदन में होंगे प्रस्तुत : विजेंद्र

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का 7 अगस्त से शुरू हो रहे मानसून सत्र के दौरान सदन पटल पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की दो रिपोर्टें और तीन विधेयक प्रस्तुत किए जाएंगे। इस बात की जानकारी बुधवार को दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक के बाद दी। विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि मेरी अध्यक्षता में बुधवार को बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मानसून सत्र के दौरान भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की दो रिपोर्टें तथा दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) से संबंधित एक अधिसूचना सदन के पटल पर रखी जाएगी। इसके अतिरिक्त, समयबद्ध सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता, दिल्ली अर्बन शेल्टर इम्प्रूवमेंट बोर्ड तथा बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठानों से संबंधित तीन विधेयक भी सदन पटल पर रखें जाएंगे। अध्यक्ष विजेंद्र ने बताया कि मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री रेखा गुप्ता सदन के पटल पर वर्ष 31 मार्च 2023 को समाप्त अवधि के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार से संबंधित भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट संख्या-01, वर्ष 2026 तथा वर्ष 2024-25 के राज्य वित्त पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार से संबंधित भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट संख्या-02, वर्ष 2026 प्रस्तुत करेंगी। विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि ऊर्जा मंत्री आशीष सूद, दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (ओपन एक्सेस हेतु नियम एवं शर्तें) (द्वितीय संशोधन) विनियम, 2026 से संबंधित अधिसूचना तथा उसके शुद्धिपत्र को सदन के पटल पर रखेंगे।

एमसीडी के टोल टेंडर में 680 करोड़ का घोटाला, कराई जाए सीबीआई जांच: कुलदीप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- पहले स्टैंडिंग कमेटी को दरकिनार कर 5500 करोड़ का टेंडर किया, फिर ब्लैक लिस्टेड कंपनी को 4820 करोड़ में ठेका दे दिया

आम आदमी पार्टी (आप) ने बुधवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के टोल टैक्स के टेंडर में 680 करोड़ रुपए से अधिक के घोटाले का आरोप लगाया और मांग की है कि इस घोटाले की जांच सीबीआई से करायी जाए। आप के वरिष्ठ नेता व विधायक कुलदीप कुमार ने बुधवार को प्रेसवार्ता में कहा कि दिल्ली में भाजपा की चार इंजन की सरकार है और इनका हर इंजन भ्रष्ट है। एक इंजन ने दवा और साइकिल खरीद घोटाला कर दिया और इनका दूसरा इंजन एमसीडी के टोल टेंडर में 680 करोड़ का घोटाला कर दिया है।

इस घोटाले को अंजाम देने के लिए भाजपा शासित एमसीडी ने पहले स्टैंडिंग कमेटी को दरकिनार कर 5500 करोड़ का टेंडर निकाला और ब्लैक लिस्टेड कंपनी को मात्र 4820 करोड़ में ठेका दे दिया। जबकि 5500 करोड़ रुपए की बोली लगा रही कंपनी को इन्होंने टेक्निकल बिड के नाम पर बाहर कर दिया। आप ने मांग है कि भाजपा सरकार टेंडर को रद्द करे और इस घोटाले की सीबीआई से जांच कराए। कुलदीप ने कहा कि 5 जून 2026 को एमसीडी ने 5500 करोड़ रुपए का टोल कलेक्शन का टेंडर जारी किया, लेकिन इसके लिए स्टैंडिंग कमेटी को दरकिनार कर दिया गया, जबकि नियम के अनुसार 5 करोड़ से ऊपर का कोई भी प्रस्ताव बिना स्टैंडिंग कमेटी के नहीं लाया जा सकता। कुलदीप ने बताया कि जारी टेंडर में शर्त रखी गई कि कंपनी के पास 122 लेन का सिंगल कॉन्ट्रैक्ट और 24 महीने का कॉन्ट्रैक्ट होना चाहिए। इस टेंडर में सबसे बड़े बिडर श्री साईं एंटरप्राइजेज ने 5500 करोड़ रुपए की बोली लगाई थी, लेकिन एमसीडी ने चालाकी से उसे टेक्निकल बिड के नाम पर बाहर कर दिया और यह कॉन्ट्रैक्ट सहकार ग्लोबल लिमिटेड को 4820 करोड़ रुपए में दे दिया। एमसीडी ने 5500 करोड़ वाले बिडर को छोड़कर 4820 करोड़ वाले को टेंडर दे दिया, जिससे एमसीडी को सीधे 680 करोड़ का भारी नुकसान हुआ। यह काम भाजपा की भ्रष्ट सरकार के अलावा कोई और नहीं कर सकता। कुलदीप ने बताया कि यह वही सहकार ग्लोबल कंपनी है जो पिछले पांच सालों से एमसीडी का टोल कलेक्शन कर रही है। एमसीडी में नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने 21 जुलाई 2026 को पत्र लिखकर भाजपा शासित एमसीडी को चेतावनी दी थी कि अपनी मनपसंद कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए एमसीडी को राजस्व का नुकसान न पहुंचाया जाए।

अदिति महाविद्यालय में मेरिट आधारित प्रवेश का दूसरा चरण शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से संबद्ध अदिति महाविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए मेरिट आधारित स्नातक प्रवेश प्रक्रिया के दूसरे चरण की घोषणा कर दी है। कॉलेज ने विभिन्न बी.ए. प्रोग्राम, बी.ए. (ऑनर्स) तथा बी.कॉम. सहित कुल 19 पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। कॉलेज द्वारा जारी सूचना के अनुसार अभ्यर्थी 4 अगस्त से 9 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए गूगल फॉर्म का लिंक जारी किया गया है। मेरिट सूची 10 अगस्त को प्रकाशित की जाएगी, जबकि 11 से 14 अगस्त तक दस्तावेज सत्यापन, शुल्क भुगतान और प्रवेश की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है।

मनोज कुमार द्विवेदी बने एनडीएमसी के नए अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (आईएएस) मनोज कुमार द्विवेदी को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस संबंध में गृह मंत्रालय ने बुधवार, पांच अगस्त 2026 को आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, एजीएमयूटी कैडर के 1997 बैच के आईएएस अधिकारी मनोज कुमार द्विवेदी पदभार ग्रहण करने की तिथि से अगले आदेश तक एनडीएमसी के अध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव प्रवीण कुमार राय द्वारा हस्ताक्षरित अधिसूचना के मुताबिक, यह नियुक्ति नई दिल्ली नगरपालिका परिषद अधिनियम, 1994 (1994 का 44) की धारा 4 की उप-धारा (1) के खंड (क) और धारा 13 की उप-धारा (1) व (2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए की गई है। इस संबंध में दिल्ली राजभवन, दिल्ली के मुख्य सचिव, केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, तथा कर्तव्य भवन-3 को आवश्यक कार्रवाई और समन्वय हेतु सूचना भेज दी गई है।

एमसीडी: नरेला जोन में जनता दरबार का आयोजन

वार्ड समिति उपाध्यक्ष ने सुनीं लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के नरेला जोन में नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में बुधवार को वार्ड समिति के उपाध्यक्ष दिनेश भारद्वाज ने जनता दरबार लगाया।

सुबह 11:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक चले इस जनता दरबार में नरेला जोन के विभिन्न वार्डों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं सीधे उपाध्यक्ष और निगम अधिकारियों के समक्ष रखीं। जनता दरबार में सफाई व्यवस्था, सीवर जाम, जल निकासी, टूटी सड़कों, स्ट्रीट लाइट, पार्कों के रखरखाव तथा अन्य स्थानीय सुविधाओं से जुड़े मामलों की सुनवाई की गई। वार्ड समिति उपाध्यक्ष दिनेश भारद्वाज ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव था, उनका मौके पर ही निस्तारण कराया गया, जबकि अन्य शिकायतों के समयबद्ध समाधान के निर्देश जारी किए गए। उपाध्यक्ष दिनेश भारद्वाज ने कहा कि नगर निगम का प्रयास है कि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जनता दरबार के माध्यम से लोगों को सीधे अपनी बात रखने का अवसर मिल रहा है और अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित हो रही है। उन्होंने बताया कि नरेला जोन में अब प्रत्येक बुधवार सुबह 11:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक नियमित रूप से जनता दरबार आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की सुनीं समस्याएं

जनसमस्याओं के त्वरित एवं समयबद्ध समाधान के लिए दिल्ली सरकार प्रतिबद्ध : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में आयोजित जनसुनवाई के दौरान दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा जनसुनवाई केवल शिकायतों के निस्तारण का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और सुशासन के संकल्प को सशक्त करने का मंच है। जनसुनवाई में पेंशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आयुष्मान भारत योजना, संपत्ति, नियमितीकरण सहित विभिन्न जनहित से जुड़े मामलों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सभी शिकायतों, सुझावों आदि की गंभीरता से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई, समयबद्ध समाधान एवं प्रत्येक पात्र नागरिक को सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त पेंशन से संबंधित शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को प्रत्येक मामले की जांच कर पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध रूप से पेंशन का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

‘दिल्ली लक्ष्मी योजना’ के लिए महिलाओं ने किया मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त

जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं भी मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचीं। इस अवसर पर अनेक महिलाओं ने ‘दिल्ली लक्ष्मी योजना’ के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। सरकार ने महिलाओं के सम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एक नई आशा जगाई है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

जनसुनवाई केवल शिकायत दर्ज कराने का मंच नहीं

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि जनसुनवाई केवल शिकायत दर्ज कराने का मंच नहीं, बल्कि जनता और सरकार के बीच विश्वास का मजबूत सेतु है। दिल्ली सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक नागरिक की समस्या को पूरी संवेदनशीलता, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से सुना और उसका समाधान किया जाए। दिल्ली की जनता की सेवा ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार का संकल्प है कि प्रत्येक नागरिक को सम्मानपूर्वक, पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन उपलब्ध कराया जाए। साथ ही, जनसुनवाई के माध्यम से लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाता रहेगा।

एनडीएमसी ने स्कूली बच्चों को सिखाए आग से बचाव के गुर

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने स्कूली बच्चों को आग से बचाव के गुर सिखाए। जानकारी के अनुसार एनडीएमसी ने मंगलवार को नई दिल्ली के लक्ष्मी बाई नगर स्थित एनडीएमसी ऑटो वर्कशॉप और विनय मार्ग स्थित नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सफल ‘फायर सेफ्टी ड्रिल’ (आग से बचाव का अभ्यास) आयोजित की। इसमें अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने स्कूली बच्चों को आग लगने के बाद उत्पन्न आपातकालीन स्थिति से कैसे निपटा जाए और आग से कैसे बचाव किया जा सकता है उसकी जानकारी दी। अग्निशमन कर्मचारियों ने स्कूली बच्चों को बताया कि आग लगने के बाद उत्पन्न स्थिति में धैर्य बनाए रखें और आग से बचाव के लिए तरीकों को तुरंत अपनाएं।

खबर संक्षेप

युवती ने फांसी का फंदा लगाकर दी जान

फरीदाबाद। सेक्टर-21डी स्थित एक मकान में 23 वर्षीय घरेलू सहायिका का शव फंदे से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान नेपाल निवासी कुंति के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। सेक्टर-21डी पुलिस चौकी प्रभारी प्रवीण ने बताया कि बुधवार सुबह सूचना मिली थी कि मकान नंबर-307 में एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को फंदे से उतरवाकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार मकान मालिक किशनलाल पेशे से कारोबारी हैं। कुंति पिछले करीब 10 महीनों से उनके घर पर घरेलू सहायिका के रूप में काम कर रही थी।

अवैध हथियार रखने के मामले में 2 आरोपी धराए

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस की अपराध शाखा ऊंचा गांव की टीम ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए वाहन चोरी तथा अवैध हथियार रखने के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनसे एक देशी कट्टा व मोटरसाईकिल को बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि थाना सेंट्रल में दर्ज एक मोटरसाइकिल चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा ऊंचा गांव की टीम ने आकिर वासी बास बुर्जा ढाणी जिला डीग राजस्थान को गिरफ्तार किया है। जिससे चोरीशुदा मोटरसाईकिल को बरामद किया गया है। वहीं दूसरी कार्रवाई में अपराध शाखा ऊंचा गांव की टीम ने अवैध हथियार रखने के मामले में कुशल किशोर उर्फ कौशल निवासी पक्की सराय जिला भागलपुर बिहार हाल गांव सिही सेक्टर-8 फरीदाबाद को देशी कट्टा सहित दाना पानी पार्क, सेक्टर-3 के पास से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित थानों में मामले दर्ज कर माननीय अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

जन्माष्टमी की तैयारियों को लेकर सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर में मुहूर्त संपन्न

धूमधाम से मनाया जाएगा जन्माष्टमी का पर्व : डॉ राजेश भाटिया

जन्माष्टमी पर सुंदर-सुंदर झांकियां बनाई जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

जन्माष्टमी पर्व की तैयारियों को लेकर सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर मार्किट नंबर एक में मंदिर के प्रधान डॉ राजेश भाटिया की अध्यक्षता में मुहूर्त संपन्न। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने शिरकत की। हर वर्ष की भांति इस बार में जन्माष्टमी पर्व की तैयारियों के लिए मुहूर्त किया गया। इस कार्यक्रम के उपरांत उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मंदिर के प्रधान डा. राजेश भाटिया ने कहा कि जन्माष्टमी पर्व हिन्दू समाज का महत्वपूर्ण त्यौहार होता है।

इस दिन भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था, इसलिए यह पर्व पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। उन्होंने कहा

कि हर बार की तरह इस बार भी जन्माष्टमी को लेकर मंदिर को भव्य तरीके से संजाया जाएगा और सुंदर-सुंदर झांकियां बनाई जाएगी ताकि श्रद्धालुओं को साक्षात मथुरा-वृंदावन के दर्शन की अभिभूति यहां हो सके। उन्होंने कहा कि मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भी गहनता से विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम में आये हुए मुख्यातिथि के रुप में आए पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार वोहरा का प्रधान राजेश भाटिया ने स्वागत किया। वोहरा ने कहा कि सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर हर पर्व को धूमधाम से मनाता है और जन्माष्टमी पर्व भी इस बार और बेहतर तरीके से मनाया जाएगा। इस मौके पर सुरेंदर गेरा, बब्बू भाटिया, रवि कपूर, परविंदर सिंह, विपिन भाटिया, इन्दर चावला, प्रेम बब्बर, रिंकल भाटिया, राकेश कुमार उर्फ रक्कू, रविंद्र , भरत कपूर, आशीष , मुकुल सौरभ , अमित , अमित , प्रीतम भाटिया, अजय शर्मा, प्रदीप भाटिया व अन्य गनमान्य लोग उपस्थित रहे।

जोन एक्सईएन डालचंद्र शर्मा की शिकायत पर एफआईआर दर्ज

पार्षद-एक्सईएन विवादः मामला दर्ज होने के बाद पार्षद दीपक यादव, पवन यादव ने दी गिरफ्तारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

बुधवार को बल्लभगढ़ में सियासी पारा उस समय गर्म हो गया जब पार्षद-एक्सईएन विवाद में पार्षद दीपक यादव व पवन यादव अपने हजारों समर्थकों के साथ गिरफ्तारी देने डीसीपी ऑफिस पहुंचे। दोनों पार्षदों पर नगर निगम बल्लभगढ़ जोन के एक्सईएन डालचंद शर्मा की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई थी। जिसके बाद उन्होंने पुलिस के समक्ष कानूनी प्रक्रिया के तहत अपनी गिरफ्तारी दर्ज कराई।

जानकारी के अनुसार बीते 28 जुलाई को दीपक व पवन यादव अपने-अपने वार्डों में विकास कार्य नहीं होने की शिकायत लेकर नगर निगम बल्लभगढ़ जोन कार्यालय पहुंचे थे।

इस दौरान उनकी एक्सईएन डालचंद शर्मा से तीखी बहस हो गई और दोनों ने एक्सईन कार्यालय पर ताला जड़ दिया। अगले दिन नगर निगम फरीदाबाद मुख्यालय पर नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा, सफाई कर्मचारी यूनियन, म्यूनिशपल एम्पलाईज

फेडरेशन कई यूनियनें और एक्सईएन डालचंद शर्मा धरने पर बैठ गए। उन्होंने दोनों पार्षदों पर अभद्र व्यवहार का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की। इसके बाद बस अड्डा पुलिस चौकी में शिकायत दी गई। शिकायत पर मामला दर्ज होने में देरी के कारण निगम कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। जिसके बाद पुलिस ने दोनों पार्षदों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली।

एफआईआर दर्ज होने के बाद आज बुधवार को दोनों पार्षद अपने समर्थकों के साथ डीसीपी बल्लभगढ़ कार्यालय पहुंचे। वहां करीब डेढ़ घंटे तक कानूनी प्रक्रिया चली, जिसके बाद दोनों की गिरफ्तारी दर्ज कर उन्हें आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद जाने की अनुमति दे दी गई। इस दौरान तेज बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में महिला और पुरुष समर्थक डीसीपी कार्यालय के बाहर डटे रहे। समर्थकों की भारी भीड़ को देखते हुए डीसीपी कार्यालय के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने मुख्य गेट पर ताला लगा दिया और समर्थकों को कार्यालय के अंदर प्रवेश नहीं करने दिया। पूरे क्षेत्र में पुलिस की निगरानी बनी रही ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

गिरफ्तारी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जब दीपक यादव और पवन यादव डीसीपी कार्यालय से बाहर आए तो समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। समर्थकों ने दोनों पार्षदों को अपने कंधों पर उठा लिया और नारेबाजी करते हुए जुलूस की शक्ल में उन्हें बल्लभगढ़ की बाजार तक लेकर गए। पूरे रास्ते समर्थकों ने दोनों के समर्थन में नारे लगाए और बड़ी संख्या में लोग इस जुलूस में शामिल रहे। पार्षद दीपक व पवन यादव ने बताया कि जो अधिकारी जनता के विकास कार्य नहीं करना चाहते, वे जनप्रतिनिधियों पर झूठे मुकदमे दर्ज करवाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता के हितों की लड़ाई जारी रहेगी और यदि लोगों के काम नहीं किए गए तो ऐसे अधिकारियों के कार्यालयों पर इसी तरह विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जनता की आवाज उठाने के लिए यदि जेल भी जाना पड़े तो वे पीछे नहीं हटेंगे।

अपराध शाखा सेंट्रल की बड़ी कार्रवाई

कार में अकेले बैठे प्रॉपर्टी डीलर का अपहरण कर लूटपाट करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद पुलिस की अपराध शाखा सेंट्रल ने प्रॉपर्टी डीलर का अपहरण कर लूटपाट करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा किया है। गिरफ्तार आरोपी डिलीवरी बॉय का काम करते हैं और उन्होंने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर देर रात सुनसान स्थान पर अपनी गाड़ी में अकेले बैठे प्रॉपर्टी डीलर को निशाना बनाया था। पुलिस तीसरे फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि भारत कॉलोनी निवासी अमरेश पाठक ने बताया कि वह प्रॉपर्टी डीलर का काम करता है। 26-27 जुलाई की रात वह अपनी सफेद स्विफ्ट कार से जा रहा था। रास्ते में खड्डा कॉलोनी के पास वह पेशाब करने के लिए कार से नीचे उतरे। इसी दौरान तीन युवकों ने मौका पाकर उसको जबरन कार की पिछली सीट पर बैठा लिया और आरोपियों ने शिकायतकर्ता से 4600 रुपए नकद, एक सैमसंग मोबाइल फोन, एक आईफोन-14, दो डेबिट कार्ड तथा हाथ की घड़ी लूट ली। वारदात के बाद शिकायतकर्ता को उसकी कार सहित थाना भूपानी क्षेत्र के गांव टिकावली के पास छोडक़र फरार हो गए। जाते समय वे कार की चाबी भी अपने साथ ले गए। गंभीरता को देखते हुए अपराध शाखा सेंट्रल ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और गुप्त सूचना के आधार पर जांच शुरू की और 4 अगस्त को हेमंत उर्फ अन्नू निवासी गांव चोन्डेरा, जिला बुलंदशहर हाल निवासी बसेलवा कॉलोनी फरीदाबाद तथा राजा निवासी गांव चोन्डेरा जिला बुलंदशहर हाल निवासी बसेलवा कॉलोनी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया।

बूथ स्तर तक कांग्रेस को मजबूत करें नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षः दीपेंद्र हुड्डा

नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का संकल्प दोहराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

प्रदेश कांग्रेस द्वारा फरीदाबाद जिला कांग्रेस के छह नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों ने बुधवार को कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के दिल्ली स्थित आवास पर पहुंचकर उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान सभी नवनियुक्त ब्लॉक

अध्यक्षों ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का संकल्प दोहराया। पूर्व विधायक नीरज शर्मा, बल्लभगढ़ से कांग्रेस की पूर्व प्रत्याशी पराग शर्मा, तिगांव से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी रोहित नागर तथा प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता तरुण तेवतिया के नेतृत्व में पहुंचे ब्लॉक अध्यक्षों में पृथला के नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष लक्ष्मण तंवर, मोहना के ब्लॉक अध्यक्ष बंटी हुड्डा, तिगांव के ब्लॉक अध्यक्ष हातम अधाना, एनआईटी के ब्लॉक अध्यक्ष अरुण सिंह, बडख़ल एमसी-1 के ब्लॉक अध्यक्ष राकेश तथा बल्लभगढ़ एमसी-1 की ब्लॉक अध्यक्ष रितु कुंडू शामिल रहे। इस अवसर पर सभी ब्लॉक अध्यक्षों ने सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा का मिठाई खिलाकर स्वागत किया और उन्हें विश्वास दिलाया कि वे ब्लॉक स्तर से लेकर बूथ स्तर तक कांग्रेस संगठन को मजबूत करने में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे तथा पार्टी की नीतियों और जनहित के मुद्दों को प्रत्येक घर तक पहुंचाएंगे। इस अवसर पर सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। मजबूत संगठन ही जनता की आवाज को प्रभावी ढंग से उठा सकता है। उन्होंने कहा कि हर ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी है कि वह अपने क्षेत्र के प्रत्येक बूथ तक संगठन को सक्रिय करें और आमजन की समस्याओं को पार्टी मंच तक पहुंचाए।

तीनों, हरिद्वार जा रहे थे कावड़ लेने

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस बे पर भीषण सड़क हादसा, तीन कावड़ियों की दर्दनाक मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

दिल्ली से सटे गाजियाबाद के दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया जिसमें हरिद्वार कावड़ लेने जा रहे तीन कावड़ियों की मौत अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से हो गई। मौत की खबर के बाद गाड़ियों के परिजन में कोहराम मच गया वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तीनों कांवड़ियों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा तथा वाहन की तलाश शुरू कर दी है। सहायक पुलिस आयुक्त मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि करने वाले तीनों कांवरिया हरियाणा के झज्जर जिले के रहने वाले हैं और वह मोटरसाइकिल पर कावड़ लेने हरिद्वार जा रहे थे। मरने वालों में 45 वर्षीय ज्ञान प्रकाश 35 वर्ष से राजकुमार तथा 22 वर्षीय प्रदीप कुमार हैं। उन्होंने बताया कि यह लोग मोटरसाइकिल पर झज्जर से हरिद्वार के लिए चले थे।

ईसीएमओएशिया 2026 में जीवनरक्षक तकनीक पर मंथन

फोर्टिस ने साझा किए 150 से अधिक सफल ईसीएमओ रिट्रीवल के अनुभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट एफएमआरआई ने एक्स्ट्राकॉर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजनेशन ईसीएमओ केयर को लेकर जागरूकता बढ़ाने और विशेषज्ञों के बीच अनुभव साझा करने के उद्देश्य से दो दिवसीय सम्मेलन ईसीएमओएशिया 2026 का आयोजन किया। सम्मेलन में देश-विदेश के विशेषज्ञों ने ईसीएमओ तकनीक, क्लीनिकल इनोवेशन और गंभीर मरीजों के उपचार से जुड़े अनुभव साझा किए। अस्पताल की ओर से बताया गया कि पिछले दो वर्षों में उसकी विशेष ईसीएमओ रिट्रीवल टीम ने भारत और विदेशों से 150 से अधिक

गंभीर मरीजों को सुरक्षित स्थानांतरित कर उपचार उपलब्ध कराया है।

इनमें थाईलैंड के फुकेत से लाए गए हाई-रिस्क मरीज भी शामिल रहे। यह कार्यक्रम गंभीर मरीजों तक समय पर उन्नत जीवनरक्षक उपचार पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। सम्मेलन के दौरान तीन सफल मामलों को भी प्रस्तुत किया गया। पहले मामले में हार्ट अटैक और कार्डियोजेनिक शॉक से जूझ रहे 40 वर्षीय मरीज को वीए-ईसीएमओ की मदद से नया जीवन मिला। दूसरे मामले में गंभीर सेप्टिक शॉक और हार्ट फेलियर से पीड़ित 38 वर्षीय मरीज को ईसीएमओ सपोर्ट के बाद स्वस्थ किया गया। वहीं मेरठ के 46 वर्षीय मरीज, जो इंफ्लुएंजा-ए निमोनिया और एआरडीएस से ग्रस्त थे, उन्हें ऑन-साइट ईसीएमओ शुरू कर गुरुग्राम लाया गया और सफल उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दी गई। एफएमआरआई के सीनियर डायरेक्टर एवं एचओडी क्रिटिकल केयर डॉ. संदीप दीवान ने कहा कि ईसीएमओ उन मरीजों के लिए जीवनरक्षक तकनीक है, जिन पर सामान्य उपचार असर नहीं करता। समय पर सही निर्णय और जागरूकता से अनेक जानें बचाई जा सकती हैं। एडिशनल डायरेक्टर डॉ. मुनीष चौहान ने कहा कि फुल लाइफ सपोर्ट पर मरीजों का सुरक्षित रिट्रीवल अत्यधिक विशेषज्ञता का कार्य है और 150 से अधिक सफल रिट्रीवल इस दिशा में टीम की क्षमता का प्रमाण हैं।

भारत में कंपनी के काराबोर का नेतृत्व करेंगे

यूरोफ्रेगेंस इंडिया के नए प्रबंध निदेशक बने शेखर श्रीनिवासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

बहुराष्ट्रीय फ्रेग्रेंस कंपनी यूरोफ्रेगेंस ने भारत के लिए शेखर श्रीनिवासन को अपना नया प्रबंध निदेशक (मैनेजिंग डायरेक्टर) नियुक्त किया है। कंपनी का कहना है कि

यह नियुक्ति भारत में कारोबार के विस्तार और दी घ ि का लि क निवेश की रणनीति को मजबूत करेगी। भारत कंपनी के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में शामिल है। शेखर श्रीनिवासन ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते फ्रेग्रेंस बाजारों में से एक है और वह कंपनी की विकास यात्रा को नई गति देने के लिए ग्राहकों व टीम के साथ मिलकर काम करेंगे। यूरोफ्रेग्रेंस के सीईओ जोन पेरे जिमेनेज़ ने कहा कि शेखर का वैश्विक अनुभव और नेतृत्व क्षमता भारत में कंपनी की स्थिति को और मजबूत करेगी। शेखर इससे पहले गोदरेज इंडस्ट्रीज़ (केमिकल्स) में ग्लोबल बिजनेस हेड सहित कई प्रमुख कंपनियों में वरिष्ठ पदों पर कार्य कर चुके हैं। स्पेशलिटी केमिकल्स, फ्रेग्रेंस और कंज्यूमर गुड्स क्षेत्र में 20 वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाले शेखर श्रीनिवासन अब भारत में कंपनी के कारोबार का नेतृत्व करेंगे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **यूसुफ खान** पुत्र मो. खलील खान, निवासी: मकान नं. 73 / 224, डबल स्टोरी, पहली मंजिल, न्यू सीलमपुर, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 157 / 2025 धारा 420 / 506 / 34 भा.द.स., थाना सीलमपुर, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **यूसुफ खान** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **यूसुफ खान** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 157 / 2025 धारा 420 / 506 / 34 भा.द.स., थाना सीलमपुर, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **यूसुफ खान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **22.09.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः श्री अनमोल नोहरिया,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–02, (उत्तर–पूर्व)
कमरा नं. 17, प्रथम तल,
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/10859/NE/2026

ऑपरेशन ट्रैकडाउन के तहत एवीटीएस-2 भूपानी की कार्रवाई

खेड़ी गांव में फायरिंग करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार, अवैध पिस्टल व बाइक बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद पुलिस की एवीटीएस-2 भूपानी की टीम ने ऑपरेशन ट्रैकडाउन के तहत कार्रवाई करते हुए गांव खेड़ी में छात्र के घर पर फायरिंग करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जिनसे एक अवैध देशी पिस्टल, एक जिंदा कारतूस तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। जिनको अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि गांव खेड़ी निवासी रोहित पुत्र देवेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका चचेरा भाई देव उर्फ भोला 12वीं कक्षा का छात्र है और एनएस विद्या मंदिर स्कूल फरीदपुर से में पढ़ता है।

31 जुलाई को स्कूल से घर लौट रहा था। रास्ते में कुछ युवकों ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद 2 युवक मोटरसाइकिल पर गांव खेड़ी स्थित उसके घर पहुंचे और वहां फायरिंग कर मौके से फरार हो गए। शिकायत के आधार पर थाना बीपीटीपी में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

ऑपरेशन ट्रैकडाउन के दौरान दोनों आरोपित दबोचे

मामले की गंभीरता को देखते हुए एवीटीएस-2 भूपानी के प्रभारी उप निरीक्षक सुरेश के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक जवाहर, सिपाही भवानी प्रसाद और सिपाही सचिन की टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 2 अगस्त को 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनकी पहचान अभिषेक पुत्र कर्मवीर निवासी गांव फरीदपुर तथा अमन उर्फ फल्लू पुत्र बिजेंद्र निवासी गांव फरीदपुर के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि दोनों को अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया। रिमांड के दौरान अभिषेक के कब्जे से एक अवैध देशी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया, जबकि अमन उर्फ फल्लू की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि अभिषेक के चाचा की बेटी भी एनएस विद्या मंदिर स्कूल फरीदपुर में पढ़ती है। 31 जुलाई को अभिषेक अपने साथी अमन के साथ मोटरसाइकिल पर गांव खेड़ी स्थित उनके घर पहुंचे वहां फायरिंग कर फरार हो गए।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राजीव खंडेलवाल**, पुत्र: जे.सी. खंडेलवाल, निवासी: मयूर विहार फेज-I, दिल्ली; **अन्य पता**: VRK इन्फ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नंबर 38, मेन कोटला मार्केट, मयूर विहार फेज-I, दिल्ली-91, **तथा:** C-विंग, चौथी मंजिल, अमर चंद मैंशन, 16 मैडम कामा रोड, मुंबई, **तथा:** C-1/133, सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली ने **सी.टी. सं. 514142/2016 धारा एन.आई. अधिनियम थाना प्रसाद नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अभियुक्त** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अभियुक्त** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा **धारा 82 Cr.P.C.** की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **सी.टी. सं. 514142/2016 धारा एन.आई. अधिनियम थाना प्रसाद नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राजीव खंडेलवाल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **09.09.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: श्री करणबीर सिंह,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी -02,
केंद्रीय ज़िला, कमरा नंबर-26,
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली।

DP/10795/CD/2026

खबर संक्षेप

रोहतास ने शिक्षा में रचा नया कीर्तिमान

सासाराम। शिक्षा की गुणवत्ता और नवाचारी शिक्षण पद्धति के क्षेत्र में रोहतास जिले ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग के प्रभावी क्रियान्वयन के आधार पर जिले ने पूरे बिहार में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। 799 मध्य विद्यालयों में इस आधुनिक शिक्षण पद्धति का सफल संचालन किया गया, टीमवर्क, संवाद कौशल और आत्मविश्वास का उल्लेखनीय विकास हुआ है।

मतदाता सूची से बाहर हुए 43.61 लाख लोग

रांची। झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन कर दिया गया है। प्रारूप मतदाता सूची के अनुसार राज्य में कुल 2,21,01,249 मतदाता शामिल किए गए हैं। इनमें 1,12,06,755 पुरुष, 1,08,94,234 महिला तथा 260 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। एसआईआर से पहले झारखंड में मतदाताओं की कुल संख्या 2,64,63,236 थी।

यूपी में आज मूसलाधार बारिश का अलर्ट

लखनऊ। बुधवार-गुरुवार के लिए मौसम विभाग ने प्रदेश के 12 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं 42 अन्य जिलों के लिए भारी बारिश का येलो अलर्ट है। मौसम विभाग का कहना है कि बुधवार और बृहस्पतिवार को भी प्रदेश के विभिन्न जिलों में भारी बारिश की संभावना है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पांच से सात अगस्त के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बारिश होगी।

दरबार दर्शन की व्यवस्था में बड़ा बदलाव

अयोध्या के राम दरबार में खत्म हुआ वीवीआईपी पास सिस्टम... कतार से ही होंगे राम लला के दर्शन

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अयोध्या के राम मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम दरबार दर्शन की व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। अब राम दरबार के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को अलग से विशेष पास बनवाने की जरूरत नहीं होगी।

नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालु पहले सामान्य दर्शन कतार से रामलला के दर्शन करेंगे। इसके बाद वे सीधे मंदिर की प्रथम मंजिल पर स्थित राम दरबार के दर्शन भी कर सकेंगे। इसके लिए किसी अतिरिक्त अनुमति या विशेष पास की आवश्यकता नहीं होगी। अब तक राम दरबार के दर्शन सीमित संख्या में जारी किए जाने वाले विशेष पास के माध्यम से कराए जाते थे। इस वजह से हर श्रद्धालु को दर्शन का अवसर नहीं मिल पाता था। ट्रस्ट ने अब इस विशेष पास प्रणाली को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। नई व्यवस्था का उद्देश्य श्रद्धालुओं के लिए दर्शन प्रक्रिया को अधिक सरल, सुगम और सुविधाजनक बनाना है, ताकि अधिक से अधिक भक्त बिना अतिरिक्त औपचारिकताओं के राम दरबार के दर्शन कर सकें। वहीं, राम मंदिर में आरती दर्शन के लिए अब तत्काल पास जारी किए जाने की व्यवस्था शुरू कर दी गई है। श्रद्धालु अब बिड़ला धर्मशाला के सामने स्थित यात्री सुविधा केंद्र पर प्रतिदिन सुबह 9 बजे से आधार कार्ड के माध्यम से आरती दर्शन का पास बनवा सकते हैं। यह व्यवस्था ऐसे समय शुरू की गई है जब ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय समेत कई लोगों की आईडी बंद होने के बाद विशिष्ट और सुगम दर्शन पास को लेकर नई व्यवस्था लागू की गई है। ट्रस्ट का कहना है कि फिलहाल सीमित संख्या में पास जारी किए जा रहे हैं, लेकिन श्रद्धालुओं की आवश्यकता को देखते हुए भविष्य में इनकी संख्या बढ़ाई जा सकती है। ट्रस्ट के सूत्रों के अनुसार रामलला और राम परिवार की तीनों आरतियों के लिए अलग-अलग पास जारी किए जाएंगे। मंगला आरती (सुबह 4 बजे) और श्रृंगार आरती (सुबह 6 बजे) के लिए पास एक दिन पहले बनाए जाएंगे, जबकि शयन आरती (रात 9 बजे) के लिए उसी दिन पास उपलब्ध होगा।

सीएम योगी ने यूपी विधानसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के उपरांत पत्रकारों से की वार्ता

सदन में उजागर हुआ सपा का दलित-पिछड़ा, युवा, गरीब, किसान, महिला विरोधी चरित्र: मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

हर तबके के लिए निरंतर कार्य करेगी डबल इंजन सरकार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान सपा का असली चेहरा एक बार फिर देखने को मिला। सपा सदस्यों द्वारा विधानसभा सत्र को हंगामे के हवाले करना प्रदेश के युवाओं, किसानों, महिलाओं व गरीबों के साथ भारी अन्याय है। इन लोगों ने नकारात्मक रवैये के कारण अनुपूरक बजट की जन-कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा नहीं होने दी। सपा ने इस सदन को नहीं, बल्कि दलितों-पिछड़ों, युवाओं, किसानों, महिलाओं व गरीबों के अवसर बाधित करने का काम किया है। मुख्यमंत्री बुधवार को विपक्ष के भारी हंगामे के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के उपरांत विधान भवन में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे।

सीएम ने कहा कि सपा का असली चरित्र दलित, पिछड़ा, युवा, गरीब, किसान, महिला विरोधी है। सदन ने उसके इसी चेहरे को बेनकाब किया है। इन लोगों का चरित्र अलोकतांत्रिक, असंवैधानिक, शर्मनाक व इन सभी तबकों के साथ अनर्थ करने वाला रहा है। सदन में सपा के इस व्यवहार की हम निंदा करते हैं और प्रदेशवासियों को आश्वस्त करते हैं कि डबल इंजन सरकार ने पिछले सवा 9 वर्षों में जिस प्रतिबद्धता के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों के लिए कार्य किया है, वह बिना रुके, डिगे, थके आगे बढ़ता रहेगा।

हर वर्ग के उत्थान के लिए 59 हजार करोड़ से अधिक का अनुपूरक बजट

सीएम ने कहा कि सरकार की मंशा यही रही कि मानसून सत्र में युवाओं के रोजगार, स्किलिंग कार्यक्रम बढ़ें। किसानों, गरीबों के कल्याण के लिए नए कार्यक्रम और महिलाओं के सम्मान-स्वावलंबन के लिए अतिरिक्त प्रयास आगे बढ़ें। इसीलिए सरकार 59 हजार करोड़ से अधिक का अनुपूरक बजट लेकर आई और कई जन-कल्याणकारी योजनाओं व कार्यक्रमों के लिए धनराशि की व्यवस्था की। सरकार चाहती थी कि नई योजनाओं को घोषित करने के लिए विधानसभा सदन में सार्थक चर्चा हो।

सपा का नकारात्मक रवैया बना जन-कल्याण में बाधा

मुख्यमंत्री ने दो-टूक कहा कि समाजवादी पार्टी ने अपने नकारात्मक रवैये के कारण युवाओं, अन्नदाता किसानों, महिलाओं के स्वावलंबन व गरीबों के लिए बनने वाली कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा नहीं होने दी। इनका आचरण असंवैधानिक होने के साथ ही युवा, किसान, महिला व गरीब विरोधी भी है। जन प्रतिनिधियों ने नई मांगों के साथ ही प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत किए जाने तथा एक्सप्रेसवे नेटवर्क को और बेहतर बनाने के लिए जो मांगें रखी थीं, अनुपूरक बजट में उसके लिए भी धनराशि का प्रावधान किया गया है।

प्रदेश के विकास में योगदान देने वालों के हित में कार्यरत सरकार

सीएम ने कहा कि आंगनवाड़ी, आशा वर्कर, रसोइए, ग्राम चौकीदार, कोटेदार आदि तमाम लोग प्रदेश के विकास के लिए मजबूती से काम कर रहे हैं। इन लोगों के साथ ही सरकार ने हर उस तबके के हित में काम करने का प्रयास किया था, जिनके मानदेय बढ़ने हैं। निराश्रित महिला पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन में वृद्धि और नए पात्र लोगों को जोड़ने के प्रावधानों पर सदन में चर्चा होती, लेकिन समाजवादी पार्टी का नकारात्मक रवैया इसमें बाधा बन गया। सदस्यों द्वारा कई महत्वपूर्ण मांगों को सदन में मजबूती से बढ़ाने का प्रयास किया जाता, लेकिन सपा सदस्यों का आचरण में रुकावट बन गया। इसके बावजूद विधानसभा ने अनुपूरक मांगों को पारित किया है।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने छात्राओं से किया संवाद, शिक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों का दिया संदेश

लखनऊ। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीबीवी), अतरौली (अलीगढ़) की छात्राओं के लिए बुधवार का दिन अविस्मरणीय रहा। शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत उत्तर प्रदेश विधानसभा पहुंचीं छात्राओं ने लोकतंत्र के इस मंदिर का भ्रमण कर न केवल इसकी गरिमा को निकट से महसूस किया।

9 से 17 अगस्त तक "हर घर तिरंगा" अभियान का आयोजन

हर घर तिरंगा अभियान को प्रदेशव्यापी बनाते हुए इसे जनआंदोलन एंव राष्ट्रगौरव का प्रतीक बनाया जाए: जयवीर सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

प्रदेश के सभी जनपदों में 09 से 17 अगस्त, 2026 के बीच "हर घर तिरंगा अभियान-2026 का आयोजन किया जाएगा। इस हेतु अपर मुख्य सचिव पर्यटन एवं संस्कृति की ओर से समस्त अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, उप्र शासन तथा समस्त जिलाधिकारियों को विस्तृत दिशा निर्देश जारी करा दिए गए है। जिला स्तर पर इस आयोजन हेतु कार्यक्रम का समन्वय संबंधित जिलाधिकारी द्वारा किया जाएगा। जारी शासनादेश में हर घर तिरंगा अभियान-2026 को चरणबद्ध रूप से आयोजन के निर्देश दिए गए है।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण 06 अगस्त से 08 अगस्त, 2026 के दौरान स्कूलों की दीवारों और बोर्डों को तिरंगा से प्रेरित कलाकृतियां सजायी जाएगी। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप मुख्य कार्यक्रम शैक्षणिक, संस्थानों, सरकारी भवनों, शॉपिंग मॉल, रेलवेस्टेशन, हवाई अड्डा, बस अड्डा, सार्वजनिक उद्यान आदि चिन्हित स्थानों पर किया जाएगा। इसके अलावा स्कूलों, कालेजों और सार्वजनिक स्थानों आदि पर तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। द्वितीय चरण दिनांक 09 से 12 अगस्त, 2026 के दौरान प्रत्येक जनपद के तकनीकी संस्थानों में जिलाधिकारी द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन पर आधारित प्रतियोगिता करायी जाएगी, जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यालयों को 26 जनवरी, 2027 को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा द्वितीय चरण में तिरंगा महोत्सव, तिरंगा मेला तथा प्रदेश स्तरीय तिरंगा महोत्सव का आयोजन भी किया जाएगा। तृतीय चरण दिनांक 13-15 अगस्त, 2026 के दौरान शिक्षण संस्थाओं में रैली आयोजित करायी जाएगी। शहीद स्थलों, स्मारकों पर पुलिस/पीएसी बैंड सुबह शाम देशप्रेम संबंधी गीतों की धुन का वादन करेंगे। जारी निर्देशों के अनुरूप सभी कार्यक्रमों में व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए।

पेज एक का शेष

जम्मू-कश्मीर और...

निर्णायक नए अध्याय की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्षों में दोनों क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है और शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता तथा खेल जैसे क्षेत्रों में नए अवसर बढ़े हैं। पीएम मोदी ने कहा कि चाहे महिलाएं हों या वंचित समुदाय, जिन लोगों को दशकों तक अपने मूल संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया, उन्हें भारतीय संविधान के पूर्ण रूप से लागू होने के कारण सशक्त बनाया गया है।

हर पात्र परिवार को अवसर मिलेगा: एलजी ने कहा कि हमारी प्रतिबद्धता अटूट है। आतंकवाद से प्रभावित हर पात्र परिवार को न्याय, पुनर्वास और सम्मान के साथ अपना जीवन फिर से शुरू करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि नागरिक प्रशासन के समन्वित प्रयासों से आतंकवाद के तंत्र को खत्म करने और केंद्रशासित प्रदेश में स्थायी शांति स्थापित करने का काम जारी है। हाल के वर्षों में जम्मू-कश्मीर में सड़क कनेक्टिविटी, सुरंग इंफ्रास्ट्रक्चर, हवाई अड्डों, शिक्षण संस्थानों और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। इससे निवेश, रोजगार और आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा हुए हैं।

डॉ. मुखर्जी का स्वप्न साकार हुआ: पीएम ने कहा कि इस वर्ष 5 अगस्त का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि देश डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहा है। राष्ट्रीय एकता के प्रति उनका आजीवन समर्पण आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है। उन्होंने दशकों पहले जो सपना देखा था, वह 5 अगस्त 2019 को ऐतिहासिक रूप से साकार हुआ। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की प्रगति के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है और यह सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित है कि हर नागरिक बड़े सपने देख सके, उन्हें पूरा कर सके और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे सके।

विकास और शांति की राह पर तेजी से बढ़ रहा केंद्र शासित प्रदेश: शांति व्यवस्था मजबूत उपराज्यपाल सक्सेना ने कहा कि केंद्र सरकार ने लद्दाख के लोगों की लंबे समय से चली आ रही आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए लगातार काम किया है। केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद लद्दाख में विकास की गति तेज हुई है, शांति व्यवस्था मजबूत हुई है और स्थानीय स्तर पर शासन व्यवस्था को भी मजबूती मिली है।

लद्दाख प्रशासन क्षेत्र को विकास और समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए लगातार काम करता रहेग

आतंकवाद पीड़ित परिवारों ...

परिवारों को न्याय, पुनर्वास और सम्मानजनक आजीविका उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आतंकवादी हिंसा से तबाह हुए परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा होना सरकार की संवैधानिक, नैतिक और मानवीय जिम्मेदारी है।

लद्दाख के एलजी ...

स्थानीय शासन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। 5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने आर्टिकल 370 के प्रावधानों में बदलाव करते हुए तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित किया था। इसी दिन लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मिला था।

भारत के आसमान ...

आयोजन पाकिस्तान से लगी हुई भारत की पश्चिमी-सीमा के करीब स्थित राजस्थान के जोधपुर एयरबेस पर किया जाएगा। जिसके लिए 26 जुलाई से लेकर 10 अक्टूबर 2026 तक का समय तय किया गया है। अमेरिका के अलावा युद्धाभ्यास में फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देश शामिल हो सकते हैं।

रक्षा मंत्री करेंगे समारोह की अध्यक्षता: सूत्रों ने कहा कि तरंगशक्ति युद्धाभ्यास के मुख्य उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी.सिंह सहित प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल एनएस.राजा सुब्रमणि और बाकी दोनों सशस्त्र सेनाप्रमुखों की उपस्थिति देखने को मिल सकती है। सूत्रों ने यह भी साफ किया है कि तरंगशक्ति में शामिल होने वाले विमानों में बदलाव भी देखने को मिल सकता है। क्योंकि कई बार अलग-अलग कारणों की वजह से आमंत्रित देशों द्वारा अचानक निर्णय लिए जाते हैं। जिसमें पहले से तय विमान आयोजन का हिस्सा नहीं बनते और उनकी जगह पर किसी अन्य विमान को भेजा जाता है।

एफ-35 के अलावा शामिल होंगे ये विमान: युद्धाभ्यास में अमेरिका के एफ-35 विमान के अलावा फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देशों के जंगी व अन्य विमान भी शामिल होंगे। जिसमें फ्रांस का राफेल लड़ाकू विमान, ऑस्ट्रेलिया का एफ-18 लड़ाकू विमान, जर्मनी का ए-400 परिवहन विमान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का एफ-16 लड़ाकू विमान मुख्य है।

इस बार होगा...

स्टेल्थ लड़ाकू विमान है। जिसकी युद्धाभ्यास के दौरान भारत के पश्चिमी-हवाई क्षेत्र में प्रचड़ गर्जना सुनाई देगी। ज्ञात हो कि एफ-35 अमेरिका का पांचवीं पीढ़ी का एक उन्न्त लड़ाकू विमान है। जिसका भारत की मेजबानी में होने वाले युद्धाभ्यास में शामिल होने का घटनाक्रम एक ऐसे समय में सामने आ सकता है। जब एक ओर वायुसेना में लड़ाकू विमानों की स्क्वाड्रन की संख्या तेजी के साथ घटती जा रही है। वहीं, दूसरी ओर भारत भी इसी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान से जुड़ी अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्वदेशी एम्का परियोजना के साथ-साथ अन्य विकल्पों पर भी विचार कर रहा है।

लोकसभा में गतिरोध ...

से पारित किया गया है। अगर सदन के हालात नहीं बदले तो बहुत संभावना है कि 6 अगस्त को द टैक्सेशन एंड अदर लॉ (अमिंडमेंट) बिल-2026 को भी बिना चर्चा के ही हरीझंडी प्रदान की जा सकती है।

बैंकर्स बुक्स एविडेंस विधेयक के मायने: यह नया विधेयक ब्रिटिशकालीन बैंकर्स बुक्स एविडेंस एक्ट 1891 की जगह लेगा। जिसका मुख्य उद्देश्य अदालतों में क्लाउड, वर्चुअल, डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक रूप में सुरक्षित बैंक रिकॉर्ड, डेटा को कानूनी रूप से वैध प्रमाण (साक्ष्य) के रूप में मान्यता देना है। यह आधुनिक बैंकिंग की जरूरतों से मेल खाता है। पुराने पेपर आधारित रिकॉर्ड (भौतिक) नियमों को आधुनिक तकनीक के अनुकूल बनाया गया है। अदालतों में किसी मामले के दौरान बैंकों को मूल दस्तावेज या कई बार अधिकारियों को गवाही के लिए भेजने की छूट भी यह विधेयक प्रदान करता है।

नियोजित तरीके से ....

है। उनकी इस अपील से भी लोकसभा में जारी हो-हल्ला समाप्त नहीं हुआ, फिर लोकसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही को दो मिनट के अंदर 11 बजकर 2 मिनट से 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

इंडिया गठबंधन के....

को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किए जाने की भी मांग कर रहे थे। इस दौरान संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्ष की मांग दोहराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सदन में आकर बयान दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि विपक्ष चर्चा के लिए तैयार है और चर्चा से ही हल निकलेगा। खरगे ने कहा कि संसद का सत्र शुरू हुए काफी दिन हो चुके हैं, लेकिन प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सदन में न आकर संसद का अपमान कर रहे हैं। उनका अहंकार उन्हें सदन में आने से रोक रहा है।

गृहमंत्री बयान

दिया? कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी मोदी सरकार पर जनता और विपक्ष की आवाज न सुनने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष संसद में छात्रों पर लाठीचार्ज, श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी, ई-20 इथेनॉल और जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने जैसे प्रमुख मुद्दे उठा रहा है, लेकिन सरकार किसी भी जनहित के मुद्दे पर चर्चा कराने और संसद चलने देने के लिए तैयार नहीं है। गृह मंत्री अमित शाह पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति परिसीमन विधेयक लाने वाला है, वह संसद में आ ही नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री को संसद में आकर यह बताना चाहिए कि 20 जुलाई को छात्रों पर बर्बर कार्रवाई का आदेश किसने दिया था, लेकिन वे जवाब देने की स्थिति में नहीं हैं क्योंकि वे दोषी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार केवल अपनी पसंद के कानून पारित कराना चाहती है, जिससे विपक्ष बिल्कुल भी सहमत नहीं हो सकता। एफसीआरए विधेयक पर विपक्ष का रुख स्पष्ट करते हुए वेणुगोपाल ने कहा कि इसे पुराने प्रारूप में कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सोच स्वीकार्य नहीं है कि आरएसएस कुछ भी कर सकता है, जबकि अन्य गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) पर अलग नियम लागू हों; इसलिए इस विधेयक का पुरजोर विरोध किया जाएगा। वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि गृह मंत्री जिस पद पर हैं, उसकी जनता के प्रति जिम्मेदारियां जुड़ी होती हैं। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र है, किसी का राजदरबार नहीं चल रहा है। छात्रों पर गोलियां चलाना, पैलेट गन व आंसू गैस का इस्तेमाल और लाठीचार्ज किसी के आदेश पर ही हुआ होगा, इसलिए गृह मंत्री को इसकी सीधी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

अब बिना इंश्योरेंस ...

ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत थर्ड पार्टी इंश्योरेंस अनिवार्य है, लेकिन बड़ी संख्या में वाहन मालिक इसका पालन नहीं कर रहे हैं। इससे सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को समय पर मुआवजा मिलने में गंभीर कठिनाइयां आती हैं।

ई-चालान और रियल टाइम जांच भी होगी: अदालत ने निर्देश दिया कि एनपीआर कैमरों को वाहन डेटाबेस और इंश्योरेंस इंफॉर्मेशन ब्यूरो से जोड़ा जाए ताकि बिना बीमा वाले वाहनों की स्वतः पहचान कर ई-चालान जारी किए जा सकें। साथ ही ट्रैफिक पुलिस को ऐसे मोबाइल ऐप या हैंडहेल्ड उपकरण उपलब्ध कराए जाएं, जिनसे मौके पर ही वाहन के बीमा की जांच की जा सके।

टोल प्लाजा भी होंगे हाईटेक: सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को चुनिंदा राष्ट्रीय राजमार्गों पर पारंपरिक टोल प्लाजा की जगह स्वचालित वाहन पहचान प्रणाली लागू करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने का भी निर्देश दिया है। अदालत का मानना है कि इससे टोल प्लाजा पर लगने वाले लंबे जाम कम होंगे, वाहनों की आवाजाही तेज होगी और यातायात अधिक सुगम बनेगा।

नई गाड़ी खरीदना भी हो सकता है महंगा: सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में यह भी निर्देश दिया है कि नई निजी कारों के लिए अनिवार्य थर्ड पार्टी बीमा की अवधि तीन वर्ष से बढ़ाकर चार वर्ष और नई दोपहिया गाड़ियों के लिए पांच वर्ष से बढ़ाकर छह वर्ष की जाए। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वाहन खरीदने के बाद शुरुआती वर्षों में बीमा समाप्त न हो और लोग बिना बीमा के वाहन न चलाएं। इससे नई गाड़ियों की ऑन-रोड कीमत में कुछ वृद्धि हो सकती है।

वाहन मालिकों के लिए क्या संदेश? : यदि अदालत के निर्देशों के आधार पर सरकार पायलट परियोजना लागू करती है, तो भविष्य में वाहन मालिकों के लिए केवल ड्राइविंग लाइसेंस और आरसी ही नहीं, बल्कि वैध थर्ड पार्टी इंश्योरेंस बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक होगा। बीमा समाप्त होने पर न केवल ई-चालान का सामना करना पड़ सकता है, बल्कि पायलट क्षेत्रों में पेट्रोल-डीजल मिलने पर भी रोक लग सकती है।

पेट्रोल पंप पर ...

केंद्रों पर वाहन का नंबर स्कैन होते ही उसकी बीमा स्थिति ऑनलाइन सत्यापित की जा सकेगी। यदि वाहन का वैध थर्ड पार्टी बीमा नहीं होगा, तो उसे ईंधन देने से रोका जा सकता है। अदालत ने इस प्रणाली को पहले पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू करने को कहा है।

पीएम मोदी वीडियो ...

ऑफिसर जोएल कप्लान के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन से लगभग 45 मिनट तक बैठक की। इसके बाद आईटी मंत्री से भी मुलाकात हुई। इसी बैठक के बाद जकरबर्ग की ओर से माफी का संदेश सरकार तक पहुंचा।

सरकार ने क्या कहा?: सूत्रों के मुताबिक बैठक में मेटा को स्पष्ट शब्दों में बताया गया कि यदि कंपनी अपने एल्गोरिद्म के माध्यम से यह तय करती है कि कौन-सा कंटेंट किसे दिखाया जाएगा, तो वह केवल एक निष्पक्ष ‛इंटरमीडियरी’ नहीं मानी जा सकती। ऐसे में उसे आईटी अधिनियम के तहत मिलने वाले सेफ हार्बर संरक्षण का स्वतः लाभ नहीं मिलेगा।

'बूस्टेड कंटेंट' पर भी सवाल: सरकारी सूत्रों का दावा है कि मेटा ने यह भी स्वीकार किया कि कुछ प्रकार की सामग्री को बढ़ावा (बूस्ट) देने के लिए बड़ी मात्रा में धन खर्च किया गया। हालांकि मेटा की ओर से इस कथित स्वीकारोक्ति पर अभी तक कोई सार्वजनिक आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

विवाद की शुरुआत कैसे हुई?: पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब जुलाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक फेसबुक वीडियो कुछ समय के लिए प्लेटफॉर्म से हट गया था। वीडियो में प्रधानमंत्री परीक्षा पत्र लीक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कर रहे थे। मेटा ने बाद में इसे ‛तकनीकी त्रुटि’ बताते हुए वीडियो बहाल कर दिया था, लेकिन इस घटना पर सरकार और संसदीय समिति ने कड़ा रुख अपनाया।

बाल शोषण और डीपफेक पर भी सरकार सख्त: हाल के महीनों में भारत सरकार ने मेटा के प्लेटफॉर्म पर बाल यौन शोषण सामग्री, डीपफेक वीडियो और कथित एल्गोरिद्मिक पक्षपात को लेकर लगातार चिंता जताई है। सरकार सोशल मीडिया कंपनियों से ऐसी सामग्री के खिलाफ अधिक प्रभावी कार्रवाई और जवाबदेही की मांग कर रही है।

मेटा का रुख: मेटा पहले भी कह चुका है कि उसके प्लेटफॉर्म पर बाल शोषण के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' नीति लागू है और कंपनी ऐसी सामग्री की पहचान कर उसे हटाने के लिए लगातार अपनी तकनीक और सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत कर रही है। प्रधानमंत्री का वीडियो हटाए जाने की घटना को भी कंपनी ने तकनीकी गलती बताया था।

आगे क्या?: इस घटनाक्रम ने भारत में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की कानूनी जवाबदेही और 'सेफ हार्बर' व्यवस्था पर नई बहस छेड़ दी है। यदि सरकार भविष्य में यह मानती है कि एल्गोरिद्म आधारित कंटेंट चयन करने वाले प्लेटफॉर्म केवल निष्क्रिय मध्यस्थ नहीं हैं, तो मेटा समेत अन्य वैश्विक सोशल मीडिया कंपनियों के लिए भारत में नियामकीय ढांचा काफी सख्त हो सकता है।

राहुल गांधी बच्चों ....

की कार्यवाही बाधित करने के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया तथा सभी बच्चों को धर्म, जाति और राजनीति से ऊपर देश का भविष्य बताते हुए निडर होकर आगे बढ़ने का संदेश दिया।

पात्रा ने कहा कि कुछ देर पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने कुछ बातें कहीं। उनके साथ वे युवा भी मौजूद थे, जिन्होंने 20 तारीख को दिल्ली में हुए प्रदर्शन में भाग लिया था। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस या ब्रीफिंग उन बच्चों के लिए नहीं, बल्कि केवल राहुल गांधी के लिए है। बच्चे, बच्चे होते हैं। वे हम सभी के हैं और देश का भविष्य हैं। इसलिए हम बच्चों को नमस्कार और प्रणाम करते हैं, लेकिन यह प्रेस कॉन्फ्रेंस केवल और केवल राहुल गांधी के लिए की जा रही है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि इससे पहले भी इसी मंच से, सदन के बाहर खड़े होकर भाजपा ने पूरी स्पष्टता के साथ कहा था कि 20 तारीख को दिल्ली में संसद चलो आंदोलन के दौरान कोई गोलीबारी नहीं हुई थी। मैं पार्टी के प्रवक्ता हूं और पार्टी मुझे पूरी जिम्मेदारी के साथ यहां भेजती है। भले ही हम यहां अकेले बैठे हों, लेकिन हमारे पीछे पूरी व्यवस्था शोध के बाद हमें सामग्री उपलब्ध कराती है। उस समय भी पूरी जिम्मेदारी के साथ यही बात कही गई थी और आज भी, क्योंकि यह अत्यंत संवेदनशील विषय है तथा किसी प्रकार का भटकाव या भ्रम न फैले, इसलिए पूरी स्पष्टता, शालीनता और ठहराव के साथ हम पुनः दोहराना चाहते हैं कि 20 तारीख को दिल्ली में संसद चलो आंदोलन के दौरान कोई गोली नहीं चली थी। मासूम बच्चों के कंधों पर बंदूक रखकर राजनीति करना एक गलत परंपरा है और राहुल गांधी को ऐसा नहीं करना चाहिए। बच्चे देश का भविष्य हैं और उनका कोई दोष नहीं होता। हम स्वयं भी कभी स्कूल और कॉलेज में थे तथा आंदोलनों में भाग ले चुके हैं। हम राहुल गांधी के साथ मौजूद बच्चों से बहुत प्यार से कहना चाहते हैं कि वे निडर रहें और बिल्कुल भी घबराएं नहीं। डॉ. पात्रा ने कहा कि झारखंड के बच्चे भी बच्चे ही हैं और वे भी आंदोलन कर रहे हैं। राहुल गांधी को झारखंड के उन बच्चों से भी संवाद करना चाहिए तथा उनकी तकलीफ और दुख को भी समझना चाहिए।

सरस्वती नदी के ...

मिलेगा। बैठक के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि 350 एकड़ में सरस्वती सरोवर बनाया जा रहा है, इस मुख्य जलाशय से अब तक 10 लाख क्यूसेक मिट्टी की खुदाई का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है, जो इस परियोजना की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री ने बैराज निर्माण के संबंध में अब तक के कार्य की रिपोर्ट लेते हुए सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बैराज के काम को बिना किसी देरी के तेजी से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस परियोजना में तकनीकी खामियों या समय सीमा में ढील बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अधिकारी स्वयं इसकी नियमित समीक्षा करें। बैठक में पिहोवा के विकास सहित अन्य पहलुओं पर चर्चा हुई। इस दौरान प्राची सरस्वती सहायक नदी का सौंदर्यीकरण, सीढ़ियों का निर्माण, सांस्कृतिक कार्यक्रम शेड जैसी कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं पर भी मंथन हुआ। यह परियोजना लगभग 56 करोड़ रुपये की होगी। सरस्वती बोर्ड ने इन सभी विकासात्मक गतिविधियों की संयुक्त योजना तैयार कर ली है। बैठक में टोंस बेसिन और सरस्वती बेसिन के बीच जल संयोजन (लिंकेज) तथा भूजल के स्थायी प्रबंधन के लिए आईआईटी रुड़की से परामर्श के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। इस परामर्श का मुख्य उद्देश्य सरस्वती नदी में स्थायी जल पुनर्भरण सुनिश्चित करना है। इसके लिए आईआईटी रुड़की के सहयोग से एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगा। इसमें यह अध्ययन किया जाएगा कि टोंस नदी और बरसाती खोलों के पानी को सरस्वती नदी तक कैसे लाया जा सकता है। टोंस नदी को प्राचीन सरस्वती नदी प्रणाली का एक प्रमुख और स्थायी सहायक स्रोत माना जाता है, जो ग्लेशियर से निकलती है।

10 हजार करोड़ ...

ये मिसाइलें सेना को मिलनी शुरू हो जाएंगी। बहुत संभावना है कि इस करार से स्वदेश में स्थित भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) और भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) जैसे रक्षा क्षेत्र के दो सार्वजनिक उपक्रमों को फायदा हो सकता है।

भारत-रूस जेवी के जरिए हुआ विकास: गौरतलब है कि ब्रह्मोस मिसाइल भारत और रूस ने संयुक्त उपक्रम (जेवी) के तहत विकसित किया है। इसका नाम भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मोस्कवा नदी के नाम पर ब्रह्मोस रखा गया है। मिसाइल ध्वनि की गति से भी तीन गुना अधिक तेजी के साथ मार करने की क्षमता रखती है। इसकी एक खासियत यह भी है कि यह दागो और भूल जाओ के सिद्धांत यानी 'फायर एंड फॉरगेट' के तहत काम करती है। बेहद कम ऊंचाई पर उड़ान भरकर दुश्मन के रडार को चकमा देकर ब्रह्मोस अपने निर्धारित लक्ष्यों को तहस नहस कर सकती है।

बढ़ेगी लंबी दूर...

केवल सेना की रणनीतिक रूप से लक्ष्य साधने की क्षमता बढ़ेगी। बल्कि दुश्मन के इलाके में मौजूद लंबी दूरी के लक्ष्यों को भी सटीकता के साथ नेस्तनाबूद करना आसान हो जाएगा।

हेल्थ क्वेस्ट

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब गले में फील हो दर्द और खराश

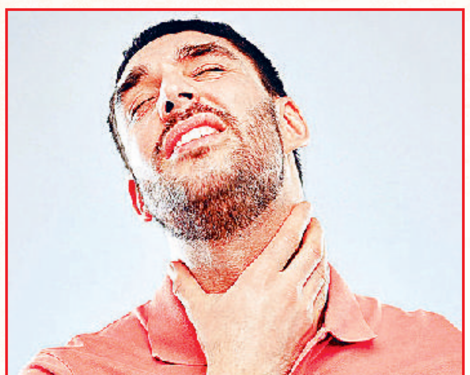

मेरी उम्र 45 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मेरे गले में दर्द बना हुआ है। इस वजह से कुछ भी खाने-पीने में तकलीफ होती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हो रहा है और यह कैसे ठीक होगा?

-अनिल, बिलासपुर

हालांकि इस समय मौसम में उतार-चढ़ाव है यानी, बारिश होने पर ठंडा हो जाना और धूप निकलने पर गर्म होना। ऐसे में ठंडा पानी या फ्रिज में रखी चीजें खाने से इस तरह की समस्या आती हैं। आप ठंडा पानी और फ्रिज में रखी ठंडी चीजें बिल्कुल ही ना खाएं। इसके अलावा सुबह-शाम गर्म पानी में नमक डालकर गरारा करें। इससे आराम मिल सकता है। अगर आराम न मिले तो जरूर आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर चेकअप करवा सकते हैं। कई बार टांसिल की समस्या भी हो जाती है, जिसके लिए मेडिसिन लेनी पड़ती है।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मेरी आंखों से पानी रिसता रहता है। आंखों में कुछ चुभने जैसा भी महसूस होता रहता है। कृपया बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-मनीष, रायपुर

पिछले कुछ दिनों का मतलब दो-चार दिन या इससे अधिक दिन, क्योंकि कई बार आंख में कुछ चले जाने के बाद चार-पांच दिन इस तरह की समस्या बनी रहती है। आंखों में चुभन होती है और पानी आता है। लेकिन अगर ऐसा नहीं है और समस्या इससे अधिक दिन से है तो जरूर आपको एक बार आंखों के डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए। इस बात का ध्यान जरूर रखें कि किसी दूसरे सलाह पर कोई भी दवा मेडिकल स्टोर से लेकर आंख में ना डालें। इससे आपको नुकसान पहुंच सकता है। राहत के लिए दिन में आंखों को ठंडे पानी से धुलें।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। मुझे खाना ठीक से हजम नहीं होता है। खाने के बाद मितली आने लगती है। पेट हमेशा भारी-भारी रहता है। इस वजह से सुस्ती भी छाई रहती है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का कोई सॉल्यूशन बताएं।

-मुकेश, रायगढ़

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपका डाइजेशन सिस्टम ठीक नहीं है। इसके लिए सबसे पहले आपको अपना खान-पान और लाइफस्टाइल सुधारनी होगी। सुबह वॉक करें। ब्रेकफास्ट में ऑयली या तली-भुनी चीज बिल्कुल ना खाएं। लंच में सलाद और दही या छाछ जरूर लें। रात का खाना बिल्कुल ही हल्का करें और सोने से 3 घंटे पहले खाना खा लें। इस तरह डाइट हैबिट में चेंज करने से आपको आराम मिल सकता है।

मेरी उम्र 37 वर्ष है। मुझे यह जानना है कि बहुत से एक्सपर्ट्स बारिश के मौसम में हरी सब्जियां नहीं खाने की सलाह देते हैं। क्या यह सही है? क्या इन्हें खाना सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है?

-सचिन, भोपाल

जी यह बात सही है। हालांकि हरी सब्जी नुकसानदेय नहीं है। लेकिन बारिश और उमस की वजह से इस मौसम में इन सब्जियों में जल्दी कीटाणु लग जाते हैं। इससे बचने के लिए इनमें पेस्टिसाइड का इस्तेमाल होता है या कई बार अगर पेस्टिसाइड का प्रयोग नहीं हुआ तो भी कीटाणु होने की संभावना अधिक रहती है। जो हमारे सेहत के लिए नुकसानदेय होते हैं। इसलिए इस मौसम में हरी सब्जी खाने से मना किया जाता है।

मेरी उम्र 59 वर्ष है। पिछले कुछ हफ्तों से मेरा मन बेवजह बेचैन रहता है। किसी भी काम में मन नहीं लगता। सुस्ती छाई रहती है। कृपया मेरी इस समस्या का कारण और निदान बताएं।

-युगल किशोर, रोहतक

सबसे पहले आप इस बात पर गौर करें कि पिछले कुछ दिनों में ऐसा क्या हुआ है या आपके जीवन में कोई असामान्य घटना घटी है क्या? क्योंकि ऐसे मामले में प्रायः देखा गया है कि समस्या शुरू होने के बाद बेचैनी शुरू हो जाती है। अगर ऐसा है तो पहले आप उस समस्या का समाधान करें। इसके साथ ही रुटीन लाइफ जरूर फॉलो करें। यानी सुबह समय पर उठना। और टाइम से नाश्ता, खाना-पीना। अगर इस तरह से भी आपको आराम नहीं मिलता है तो जरूर आपको एक बार डॉक्टर से संपर्क करना पड़ेगा। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

मेंटल हेल्थ

रजनी अरोड़ा

तमाम तरह की जिम्मेदारियों का बोझ, अनियमित जीवनशैली, डिजिटल एडिक्शन, वर्क प्रेशर, फ्यूचर प्लानिंग्स जैसे कई कारणों से आज के दौर में तमाम लोग मेंटल क्लटर का सामना करते हैं। ध्यान न देने पर इससे गंभीर मेंटल इश्यूज पैदा हो सकते हैं। ऐसे में जरूरी है कि इसके कारणों को समझते हुए मेंटल क्लटर को रिमूव करने के उपाय किए जाएं। इस बारे में हम दे रहे हैं बहुत यूजफुल सजेशंस।

ऐसे रिमूव करें मेंटल क्लटर रहिए मेंटली फिट-एनर्जेटिक

आज के डिजिटल युग में हमारा मस्तिष्क पहले की तुलना में कहीं अधिक जानकारी ग्रहण कर रहा है। सुबह उठते ही मोबाइल नोटिफिकेशन, सोशल मीडिया, ई-मेल, समाचार, कार्यस्थल का दबाव, पारिवारिक जिम्मेदारियां और भविष्य की योजनाएं। ये सभी मिलकर दिमाग पर लगातार प्रेशर डालते रहते हैं।

क्या होता है मेंटल क्लटर

दिमागी दबाव के कारण तनाव हार्मोन कॉर्टिसोल बढ़ सकता है। रक्तचाप बढ़ने की संभावना भी रहती है। नींद की गुणवत्ता खराब हो सकती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित हो सकती है। बार-बार सिरदर्द और थकान महसूस हो सकती है। लंबे समय तक ऐसा रहने पर स्ट्रेस, एंग्जाइटी और डिप्रेशन का जोखिम भी बढ़ सकता है। विशेषज्ञ इसे मेंटल क्लटर यानी मानसिक अव्यवस्था, दिमागी उलझन कहते हैं। यह कोई मानसिक रोग नहीं है, बल्कि हमारे मस्तिष्क पर बढ़ते संज्ञानात्मक और भावनात्मक बोझ का संकेत है। मेंटल क्लटर एक दिन में नहीं बनता और एक दिन में खत्म भी नहीं होता। यह धीरे-धीरे जमा हुई चिंताओं, जिम्मेदारियों, अधूरी भावनाओं और लगातार भागती हुई जिंदगी का परिणाम होता है। जब मन हर समय भरा हुआ रहता है, तो किसी काम में कंसंट्रेट कर पाना मुश्किल हो जाता है, इससे तनाव बढ़ जाता है।

कम हो सकता है मेंटल क्लटर: जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव करके या छोटी-छोटी अच्छी आदतें अपनाकर इस मेंटल क्लटर को धीरे-धीरे कम किया जा सकता है। क्योंकि शांत मन ही सबसे बड़ी सफलता, सबसे बड़ी संपत्ति और सबसे बड़ी आजादी है। जब व्यक्ति अपने मन को व्यवस्थित करना शुरू करता है, तो तनाव कम होने लगता है और मन अनावश्यक बोझ से मुक्त होता है। व्यक्ति बेहतर निर्णय ले पाता है, अधिक रचनात्मक बनता है और जीवन का आनंद अधिक संतुलित ढंग से उठा पाता है। जीवन की सबसे बड़ी दौड़ बाहर नहीं, हमारे अपने मन के भीतर चलती है। यदि मन में अनावश्यक विचारों, डर, तुलना और पछतावे का शोर भरा रहेगा, तो बाहरी सफलता भी सच्ची खुशी नहीं दे पाएगी। इसलिए समय-समय पर अपने मन को भी व्यवस्थित करना जरूरी है। जो चीजें आपके नियंत्रण में नहीं हैं, उन्हें स्वीकार करना चाहिए। जो बदल सकती हैं, उनके लिए प्रयास करना चाहिए और जो बातें केवल मानसिक बोझ बढ़ाती हैं, उन्हें जाने देना चाहिए।

अपनाएं ब्रेन डंप तकनीक: यदि दिमाग में लगातार विचार घूम रहे हों, तो उन्हें बार-बार सोचने के बजाय कागज पर लिख दें। इसे ब्रेन डंप कहा जाता है। इसमें आप अधूरे काम की चिंताएं, आइडिया, अगले दिन की योजना, महत्वपूर्ण बातें एक डायरी में लिख देते हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि लिखने से मस्तिष्क को यह संदेश मिल जाता है कि जानकारी सुरक्षित है। इससे उसे हर समय याद रखने की आवश्यकता नहीं रहती और मानसिक दबाव कम होने लगता है।

डेली 10 मिनट नो वर्क टाइम: आज अधिकांश लोग हर खाली समय में मोबाइल उठा लेते हैं। लेकिन मस्तिष्क को भी आराम चाहिए। दिन में 10-15 मिनट बिना मोबाइल, बिना टीवी, बिना संगीत, बिना किसी काम के केवल शांत बैठें। यह समय मस्तिष्क को विचारों को व्यवस्थित करने का अवसर देता है।

करें माइंडफुलनेस का अभ्यास: मेंटल क्लटर का सबसे बड़ा कारण है दिमाग का हमेशा अतीत या भविष्य में रहना। माइंडफुलनेस हमें वर्तमान क्षण में लौटना सिखाती है। जैसे सांसों पर ध्यान देना, धीरे-धीरे भोजन करना, टहलते समय आस-पास की आवाजों को महसूस करना। शोध बताते हैं कि नियमित माइंडफुलनेस से तनाव कम होता है, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है।

डिजिटल डिटॉक्स करें: हर नोटिफिकेशन मस्तिष्क का ध्यान भंग करता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि फोन से अनावश्यक एप्स हटाएं, नोटिफिकेशन सीमित रखें, सुबह उठते ही मोबाइल न देखें, रात में सोने से एक घंटा पहले स्क्रीन बंद कर दें। सप्ताह में एक दिन नो-स्क्रीन डे रखें। इससे मस्तिष्क को लगातार मिलने वाली सूचनाओं का दबाव कम होता है।

निर्णयों की संख्या कम करें: दिन भर छोटे-छोटे निर्णय भी मानसिक ऊर्जा खर्च करते हैं। इसे डिसीजन फटीग कहा जाता है। इसे कम करने के लिए अगले दिन के कपड़े रात में ही निकाल लें। सप्ताह भर के भोजन की योजना पहले बना लें। कामों की सूची पहले से तैयार रखें। इससे दिमाग महत्वपूर्ण निर्णयों पर अधिक ऊर्जा लगा पाता है।

अधूरे काम पूरे करें: मनोविज्ञान में जीगार्निक प्रभाव नामक सिद्धांत बताता है कि अधूरे काम दिमाग में बार-बार आते रहते हैं। इसलिए छोटे काम तुरंत पूरे करें, बड़े कामों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटें, हर पूरा काम सूची से काट दें। इससे मानसिक संतुष्टि मिलती है और क्लटर कम होता है।

पर्याप्त नींद लें: नींद के दौरान मस्तिष्क पूरे दिन की जानकारी को व्यवस्थित करता है। कम नींद लेने पर ध्यान कम होता है, याद्दाश्त कमजोर होती है, मानसिक क्लटर बढ़ता है। अधिकांश वयस्कों के लिए प्रतिदिन 7-9 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद आवश्यक मानी जाती है।

शरीर को सक्रिय रखें: नियमित व्यायाम केवल शरीर ही नहीं, मस्तिष्क के लिए भी लाभदायक है। रोज 30 मिनट तेज चलना, योग, साइकिल चलाना, तैराकी। डब्ल्यूएचओ भी सप्ताह में कम-से-कम 150 मिनट मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम की सलाह देता है।

अपनी भावनाएं व्यक्त करें: कई लोग अपनी परेशानियां मन में दबाकर रखते हैं। दबी हुई भावनाएं भी मानसिक क्लटर बन जाती हैं। इसलिए विश्वसनीय मित्र से बात करें, परिवार के साथ समय बिताएं, आवश्यकता हो तो साइको काउंसलर की सहायता भी ले सकते हैं।

मल्टीटास्किंग से बचें: एक साथ कई काम करने से उत्पादकता बढ़ती नहीं, बल्कि दिमाग एक काम से दूसरे काम पर जाता रहता है, इसे टास्क स्विचिंग कहते हैं। इसके बजाय एक समय में एक ही काम करें, पूरा ध्यान उसी पर दें, फिर छोटा-सा ब्रेक लें।

मेंटल बाउंडरीज तय करें: हर समस्या आपकी जिम्मेदारी नहीं होती। हर बहस में शामिल होना जरूरी नहीं। हर व्यक्ति को खुश रखना संभव नहीं। स्वस्थ मेंटल बाउंडरीज बनाना मानसिक शांति के लिए जरूरी है। *

(ब्रिटिश यूनिवर्सिटी, बहरीन में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

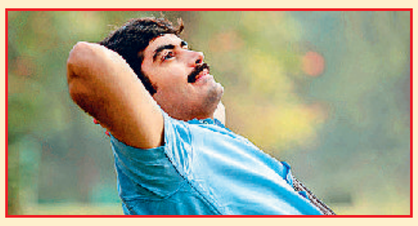

प्रकृति के साथ समय बिताएं

हरी घास, पेड़, पक्षियों की आवाज और खुला आसमान मस्तिष्क को शांत करते हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि सप्ताह में कुछ समय प्राकृतिक वातावरण में बिताने से तनाव कम हो सकता है और मानसिक स्पष्टता बढ़ सकती है।

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. नीरज संदूजा
डायरेक्टर-वियान आई एंड रेटिना सेंटर, गुरुग्राम

अगर आपको डायबिटिक रेटिनोपैथी की समस्या है तो इसके इलाज में लापरवाही बरतने या देरी करने से दृष्टि के कमजोर होने या फिर लॉस होने का रिस्क बढ़ जाता है। ऐसे में इस बारे में पूरी सावधानी बरतना जरूरी है।

आंखों के लिए हार्मफुल डायबिटिक रेटिनोपैथी

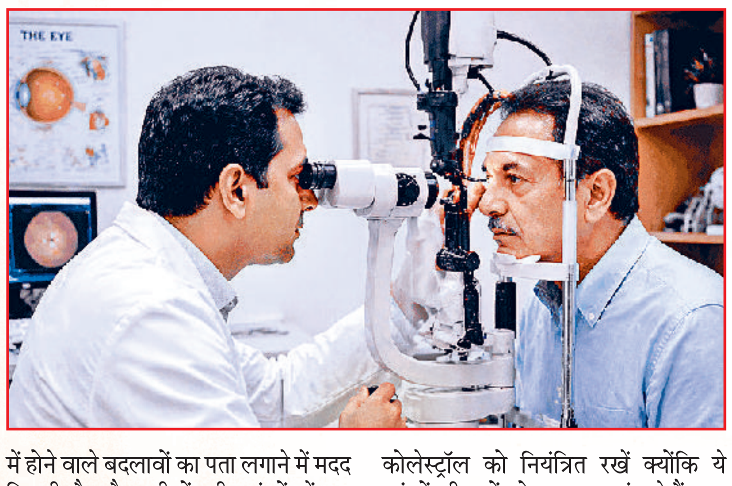

उच्च रक्त शर्करा (हाई ब्लड शुगर) का स्तर लंबे समय बाद आंखों की रेटिना को नुकसान पहुंचा सकता है। मधुमेह (डायबिटीज) के कारण रेटिना पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को डायबिटिक रेटिनोपैथी कहा जाता है। रेटिनोपैथी के कारण आंखों की रेटिना में रक्त वाहिकाओं (ब्लड वेसल्स) को नुकसान पहुंचता है। रेटिनोपैथी के लक्षण आमतौर पर दोनों आंखों को प्रभावित करते हैं।

सचेत होना है जरूरी: मधुमेह से संबंधित रेटिनोपैथी की शुरुआती स्थिति में लक्षण सामने नहीं भी आ सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह समस्या तब तक दृष्टि में बदलाव लाना शुरू नहीं करती, जब तक कि क्षति अधिक गंभीर या आपकी रेटिना में व्यापक रूप से न फैल जाए। इसके बावजूद कुछ लक्षणों के सामने आने पर सचेत होना बेहतर रहेगा। इनमें शामिल हैं- आंखों के आगे काले धब्बे, जाल या धागे जैसे निशान घूमना। किसी व्यक्ति या वस्तु को स्पष्ट रूप से देखने में दिक्कत या धुंधला दिखना। रात में देखने की क्षमता का कमजोर होना। रंगों का फीका या धुंधला दिखना। दृष्टि धीरे-धीरे क्षीण होना।

कभी साफ तो कभी अचानक बहुत धुंधला दिखना। देखने के दायरे में खाली या काले घेरे महसूस होना।

कराएं डाइलेटेड आई एग्जाम: डायबिटीज से पीड़ित सभी लोगों को नेत्र रोग विशेषज्ञ से परामर्श लेकर आंखों की पूरी जांच, खासकर 'डाइलेटेड आई एग्जाम' (आंख की पुतली फैलाकर की जाने वाली जांच) करवाना चाहिए। 'डाइलेटेड आई एग्जाम' से लक्षण दिखने से पहले ही रेटिना में होने वाले बदलावों का पता लगाने में मदद मिलती है और मरीजों की आंखों में हुए शुरुआती नुकसान का पता लगाया जा सकता है। स्पष्ट है, ऐसी स्थिति में नेत्र विशेषज्ञ मरीज की आंखों की रोशनी पर दुष्प्रभाव पड़ने से पहले ही इलाज शुरू कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप आंखों की रोशनी बचाने में बहुत मदद मिल सकती है।

बचाव के तरीके: डायबिटिक रेटिनोपैथी से बचाव भी संभव है। इसके लिए डायबिटिक पेशेंट्स को कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

कंट्रोल रखें ब्लड शुगर: शुगर को सामान्य रखना बीमारी को और अधिक बिगड़ने से रोकने का सबसे पहला उपाय है। अपने ब्लड शुगर और एचबीए1सी के स्तर को डॉक्टर की सलाह के मुताबिक सही सीमा में रखें।

नियमित जांच: साल में कम से कम एक बार नेत्र विशेषज्ञ से चेकअप कराएं और डायलेटड आई एग्जाम जांच कराएं।

नॉर्मल ब्लड प्रेशर: हाई बीपी और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखें क्योंकि ये आंखों की नसों को नुकसान पहुंचाते हैं।

स्वस्थ जीवनशैली: रोजाना व्यायाम करें, वजन नियंत्रित रखें और पौष्टिक आहार लें। इस संदर्भ में अपने डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लेना बेहतर रहेगा।

धूम्रपान से दूरी: सिगरेट या तंबाकू का सेवन पूरी तरह बंद कर दें, क्योंकि ये रक्त वाहिकाओं (ब्लड वेसल्स) पर तेजी से प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं।

दवाएं समय पर लें: डॉक्टर द्वारा दी गई डायबिटीज की दवा या इंसुलिन का सेवन बिना चूके सही समय पर करें।

इलाज के तरीके: डायबिटिक रेटिनोपैथी के ट्रीटमेंट के लिए कुछ तरीके उपलब्ध हैं।

इंट्राविट्रियल इंजेक्शन: आंख के पर्दे में अगर सूजन आ जाए तो इसको रोकने के लिए नेत्र विशेषज्ञ के परामर्श से एंटी-वीईजीएफ इंजेक्शन दिए जाते हैं।

लेजर उपचार (फोटोकोएगुलेशन): लेजर किरणों की मदद से लीक हो रही या कमजोर खून की नसों को सुखाया जाता है ताकि वे आंख में और अधिक नुकसान न पहुंचा सकें।

विट्रेक्टॉमी: जब आंख के अंदर बहुत अधिक खून भर जाए या पर्दा अपनी जगह से उखड़ने लगे (जिसे मेडिकल भाषा में रेटिनल डिटैचमेंट कहते हैं) तब इस प्रकार की सर्जरी की जाती है।

सही डाइट का करें सेवन: डायबिटिक रेटिनोपैथी के पेशेंट का खान-पान ऐसा होना चाहिए, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित रखे, आंखों की नसों को मजबूत बनाए और सूजन कम करे। जैसे-

- हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक और ब्रोकली आदि को खानपान में शामिल करना लाभप्रद है। हरी पत्तेदार सब्जियों को अच्छी तरह धोकर ही इस्तेमाल करें।
- ओमेगा-3 से भरपूर चीजें जैसे अखरोट, अलसी के बीज, चिया सीड और फैटी फिश (जैसे सैल्मन या टूना) आंखों की रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने में लाभप्रद हैं। इनका सेवन करें।
- जौ, बाजरा, रागी, ओट्स और मल्टीग्रेन आटे की रोटी का सेवन करें, जो शुगर को तेजी से नहीं बढ़ने देते।
- जामुन, संतरा, अमरूद और पपीता का सेवन करें, क्योंकि इन फलों में एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी होते हैं।

क्या न खाएं: अगर आप डायबिटिक रेटिनोपैथी के पेशेंट हैं तो कुछ फूड्स का सेवन करने से बचें।

- मिठाइयां, कोल्ड ड्रिंक, पैकेट वाले फ्रूट जूस और शहद से दूर रहें।
- मैदा, सफेद ब्रेड, पास्ता और सफेद चावल खाने से बचें।
- चिप्स, जंक फूड्स और ज्यादा नमक वाले डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ ब्लड प्रेशर और शुगर दोनों बढ़ाते हैं। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

डाइट सजेशन

ललिता गोयल

त्वचा को जवान बनाए रखने के लिए आजकल एंटी-एजिंग ट्रीटमेंट का चलन बढ़ गया है। हालांकि बढ़ती उम्र को रोका नहीं जा सकता, लेकिन कुछ एंटी एजिंग फूड्स को डाइट में शामिल करके एजिंग की रफ्तार को नेचुरली धीमा किया जा सकता है।

एंटी-एजिंग डाइट धीमी कर दे बढ़ती उम्र की रफ्तार

एंटी-एजिंग डाइट वह डाइट होती है, जो हमारे शरीर में मौजूद फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करती है। फ्री रेडिकल्स ऐसे हानिकारक तत्व होते हैं, जो प्रदूषण, तनाव और गलत खान-पान के कारण शरीर में बनते हैं और कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं, जिसकी वजह से चेहरे पर झुर्रियां, झाइयां और कमजोरी दिखने लगती हैं। एंटी-एजिंग डाइट में एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिंस और मिनरल्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो इन फ्री रेडिकल्स को खत्म कर त्वचा में कसाव और चमक लाते हैं।

रंगीन सब्जियां और फल: गहरे रंग के फल और सब्जियों में सबसे ज्यादा एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं।

खट्टे फल: संतरा, नीबू, आंवला और कीवी जैसे खट्टे फलों में विटामिन-सी भरपूर मात्रा में होता है। विटामिन-सी शरीर में कोलेजन बनाने में मदद करता है। कोलेजन एक ऐसा प्रोटीन होता है, जो स्किन को ढीला होने से बचाता है और उसमें लचीलापन बनाए रखता है।

टमाटर: इसमें 'लाइकोपीन' नाम का तत्व होता है, जो त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाता है।

गाजर और कद्दू: गाजर और कद्दू में बीटा-कैरोटीन होता है, जो शरीर में जाकर विटामिन ए में बदल जाता है और स्किन को रिपेयर करता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां: शिमला मिर्च, पत्तेदार सब्जियां, टमाटर और ब्रोकली जैसी सब्जियों में विटामिन-सी भरपूर होता है, जो एंटीऑक्सीडेंट्स का बेहतरीन स्रोत होता है। पालक, मेथी और ब्रोकली में विटामिन-सी और ई होते हैं, जो झुर्रियों को आने से रोकते हैं।

ड्राई फ्रुट्स और सीड्स : बादाम, अखरोट, अलसी के बीज और चिया सीड्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड और विटामिन-ई के बेहतरीन स्रोत होते हैं। ये त्वचा की नमी को बनाए रखते हैं, जिससे स्किन ड्राई नहीं होती और चेहरे पर नेचुरल चमक बनी रहती है। इसके अतिरिक्त ये त्वचा की इलास्टिसिटी को भी बनाए रखते हैं। इनमें मौजूद जिंक और सेलेनियम त्वचा की रिपेयर प्रक्रिया में मदद करते हैं। इसलिए रोज एक मुट्ठी मिक्स नट्स जरूर खाएं।

पानी: सबसे बेहतरीन और सस्ती एंटी-एजिंग दवा पानी होता है। जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो त्वचा बेजान और सुस्त दिखने लगती है, इसलिए दिन में कम से कम 8 से 10 गिलास पानी जरूर पिएं। यह शरीर के टॉक्सिंस को बाहर निकालने में मदद करता है।

एवोकाडो: एवोकाडो में मौजूद हेल्दी फैट्स, विटामिन-ई और एंटीऑक्सीडेंट्स, त्वचा को मॉयश्चराइज करते हैं और फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। यह कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ावा देता है, जिससे त्वचा ग्लोइंग बनी रहती है।

ब्लूबेरी: ब्लूबेरी में भरपूर मात्रा में एंथोसायनिन और विटामिन-सी पाया जाता है, जो त्वचा को ऑक्सीडेंटिव स्ट्रेस से बचाता है। यह प्रीमैच्योर एजिंग रोकता है।

ग्रीन टी: ग्रीन टी में कैटेचिन नामक एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो कोशिकाओं को बूढ़ा होने से रोकता है और मेटाबॉलिज्म को भी दुरुस्त रखता है। इसके अलावा इसमें मौजूद पॉलीफेनॉल सूरज और पॉल्यूशन से होने वाले स्किन की बाहरी उम्र बढ़ने की प्रोसेस को कम करने में मदद कर सकते हैं। ये पॉलीफेनॉल स्किन को नुकसान पहुंचाने से पहले ही फ्री रेडिकल्स को खत्म कर देते हैं। इसलिए एंटी एजिंग के लिए दिन में एक या दो कप ग्रीन टी पिएं।

हल्दी: हल्दी में करक्यूमिन नामक एक कंपाउंड पाया जाता है, जो एक स्ट्रॉन्ग एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट है, जो त्वचा की सूजन को कम करता है और नेचुरल ग्लो लाने में मदद करता है। *

(डायटिशियन अंजू बंसल से बातचीत पर आधारित)

तेज रफ्तार थार ने स्कूटी सवार भाई-बहनों को सामने से मारी जोरदार टक्कर, दोनों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जांजगीर-चांपा

जिले के बलौदा थाना क्षेत्र के ग्राम जावलपुर में तेज रफ्तार थार कार ने स्कूटी सवार भाई-बहन को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान ग्राम दहकोनी निवासी विनोद कौशिक (25) और कापन निवासी खुशी कश्यप (20) के रूप में हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव परिजनों को सौंप दिए हैं।

वहीं, थार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया गया है। सीएसपी योगिताबाली खापर्डे के अनुसार, कापन निवासी खुशी कश्यप मंगलवार शाम अपनी स्कूटी से ग्राम दहकोनी स्थित अपने भाई विनोद कौशिक के घर पहुंची थी। वहां से दोनों अपने मामा के गांव जावलपुर में आयोजित जन्मदिन समारोह में शामिल होने के लिए निकले थे। स्कूटी विनोद चला रहा था।

बलौदा थाना क्षेत्र के ग्राम जावलपुर का मामला, आरोपी चालक गिरफ्तार

विपरीत दिशा से आया लापरवाह चालक, पुलिस ने किया वाहन जब्त

दोनों जावलपुर पहुंचने ही वाले थे कि बलौदा की ओर से आ रही तेज रफ्तार थार कार (सीजी 10 बीएम 7214) के चालक संस्कार ने विपरीत दिशा में आकर स्कूटी को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर चोटों के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही बलौदा पुलिस मौके पर पहुंची और थार चालक संस्कार को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त थार को जब्त कर लिया है। बुधवार को दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद उन्हें परिजनों को सौंप दिया गया। मामले में आगे की जांच जारी है।

रेलवे स्टेशन के पार्सल परिसर में करीब 500 किलो संदिग्ध पनीर पकड़ाया

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन में पार्सल परिसर में करीब 500 किलो संदिग्ध पनीर जब्त किया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन (फूड विभाग) की टीम ने पनीर की गुणवत्ता और उसकी शुद्धता को लेकर संदेह जताई है। टीम मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि अमरकंटक एक्सप्रेस से यह संदिग्ध पनीर आया था। पनीर का मालिक कौन है, इसकी जानकारी अभी नहीं मिली है। फिलहाल, खाद्य विभाग के अधिकारी मौके पर मौजूद है। मामले की जांच चल रही है। यदि जांच में पनीर खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं मिला तो संबंधित लोगों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मामले का खुलासा होगा। जब्त किए गए पनीर को रेलवे पार्सल परिसर में रखा गया है।

जांच के लिए भेजा सैंपल

सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद मालूम चलेगा कि पनीर असली है या नकली। मानव उपभोग के लिए सुरक्षित है या नहीं। बता दें कि छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में एनालॉग पनीर के कारोबार पर बैन लगाया है। बीते एक साल में रायपुर में मिलावटी और एनालॉग पनीर के खिलाफ कार्रवाई की गई है। जुलाई 2025 में बिरगांव की काशी एग्रो फूड्स फैक्ट्री से करीब 2,500 किलो संदिग्ध एनालॉग पनीर जब्त कर फैक्ट्री सील की गई थी। खाद्य विभाग ने रायपुर की एक और पनीर फैक्ट्री पर छापा मारकर करीब 1,700 किलो पनीर के सैंपल जांच के लिए भेजे हैं। यानी पिछले एक साल में रायपुर में करीब 4,200 किलो संदिग्ध पनीर पर कार्रवाई हो चुकी है।

समाज सुधारकों को मिलेगा 'गोल्डन इम्पैक्ट अचीवर अवॉर्ड्स-3'

भोपाल। समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहे नायकों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स के प्रति समर्पित नोडल संस्था '2030 का भारत' ने गोल्डन इम्पैक्ट अचीवर अवॉर्ड्स-3 के लिए निःशुल्क नामांकन आमंत्रित किए हैं। इस सम्मान के माध्यम से क्वालिटी एजुकेशन, जीरो हंगर तथा अफोर्डेबल एंड क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। संस्था का मानना है कि समाज में वास्तविक परिवर्तन वही लोग लाते हैं, जो बिना किसी प्रचार या पहचान की अपेक्षा के वर्षों से लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में जुटे रहते हैं। 2030 का भारत' के फाउंडर डॉ. अतुल मलिकराम ने कहा, देश केवल नीतियों और योजनाओं से नहीं बदलता, बल्कि उनसे बदलता है जो दूसरों के जीवन में आशा और बदलाव लाने का कार्य करते हैं। इससे पहले दो संस्करणों में 7 राज्यों के 21 समाजसेवियों को सम्मानित किया जा चुका है। समिति ने नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं संगठनों से अपील की है कि यदि कोई ऐसा व्यक्ति है, जो क्वालिटी एजुकेशन, जीरो हंगर अथवा अफोर्डेबल एंड क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है, तो उसका नामांकन अवश्य भेजें। प्राप्त नामांकनों का विशेषज्ञ समिति द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा और चयनित परिवर्तनकर्ताओं को गोल्डन इम्पैक्ट अचीवर अवॉर्ड्स-3 से सम्मानित किया जाएगा। नामांकन प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णय

स्टेट डाटा सेंटर के उन्नयन और परिचालन के लिए 1099 करोड़ रुपये की स्वीकृति

- ▶▶ प्रदेश के सर्वांगीण विकास और जन-कल्याण को गति देने के लिए कुल 32,070 करोड़ रुपए की योजनाओं और प्रस्तावों को स्वीकृति
- ▶▶ जनजातीय कार्य विभाग के शैक्षणिक संवर्ग के लिए चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान की स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र सरकार ने कैबिनेट की बैठक में प्रदेश के सर्वांगीण विकास और जन-कल्याण को गति देने के लिए कुल 32,070 करोड़ रुपए की योजनाओं और प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इसके तहत आगामी वित्तीय वर्षों एक अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए जिला एवं सिविल अस्पतालों व औषधालयों के सुचारू संचालन किया जाएगा। इसमें 12 हजार 517 करोड़ रुपए, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच बढ़ाने के लिए 11 हजार 812 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

गंभीर बीमारियों के नियंत्रण के लिए भी मंजूरी

कैबिनेट में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएमअभीम) के तहत स्वास्थ्य आपदाओं से निपटने व लैब नेटवर्क निर्माण के लिए 2,449 करोड़ रुपए तथा मलेरिया एवं वेक्टर जनित रोगों के प्रभावी नियंत्रण के लिए 1,705 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई। बैठक में प्रदेश के युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं और स्टेडियम उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खेल अधोसंरचना निर्माण के लिए 2,460 करोड़ 57 लाख रुपए की योजना को स्वीकृति दी गई। ई-गवर्नेंस को मजबूती देने के क्रम में स्टेट डाटा सेन्टर (एसडीसी) के उन्नयन, परिचालन एवं संधारण के लिए 1 हजार 99 करोड़ 58 लाख रुपए मंजूर किए गए।

आंतरिक रोगियों के लिए नि:शुल्क भोजन और दवाईयां मिलेंगी

स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना एवं संचालन (प्राथमिक) योजना के 1 अप्रैल 26 से 31 मार्च 2031 तक निरंतर संचालन के लिए 11 हजार 812.02 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। योजना का मुख्य उद्देश्य उप स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आंतरिक एवं बाह्य रोगियों का उपचार करना है। आंतरिक रोगियों के लिए निःशुल्क भोजन और दवाईयां उपलब्ध कराई जाती हैं। समस्त रोगो के निदान के लिए विशेषज्ञ और चिकित्सा अधिकारी, नर्सिंग एवं फार्मासिस्ट का अमला पदस्थ होता है।

खेल स्टेडियम और अधोसंरचना निर्माण के लिए 2,460.57 करोड़ रुपये की मंजूरी

कैबिनेट ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तहत स्टेडियम एवं खेल अधोसंरचना योजना संचालन संबंधी योजना के वित्तीय वर्ष 2026-27 से वित्तीय वर्ष 2030-31 तक क्रियान्वयन के लिए 2,460 करोड़ 57 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। इससे प्रदेश के खिलाड़ियों को अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय स्तर की खेल अधोसंरचना उपलब्ध कराई जाएगी। इससे अधोसंरचना का उन्नयन किया जाएगा। खिलाड़ियों के लिए आवश्यक स्थाई प्रकार के खेल उपकरण स्थापित कराए जायेंगे। प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर स्टेडियम, खेल प्रशिक्षण केन्द्र निर्मित हैं एवं 313 विकास खण्डों में से लगभग 100 स्थानों पर स्टेडियम निर्मित हैं।

जिला और सिविल अस्पताल एवं औषधालयों के संचालन को मंजूरी

कैबिनेट ने प्रदेश के जिला और सिविल अस्पताल एवं औषधालयों को एक अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक संचालन के लिए 12 हजार 517 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। योजना से जिला चिकित्सालय में रोगियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं एवं अस्पताल सुचारू रूप से संचालित किया जा सकेगा। इस राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत मलेरिया सहित अन्य वेक्टरजनित रोगों को नियंत्रित किया जाता है, जिसमें नए कीटनाशक और लार्टीसाइड शामिल हैं।

क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण भी किया जाएगा

कैबिनेट ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएमअभीम) के संचालन के लिए 2,448 करोड़ 79 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। इस योजना के तहत जिला अस्पताल एवं चिकित्सा महाविद्यालय स्तर पर क्रिटिकल केयर ब्लॉक और इंटीग्रेटेड सार्वजनिक स्वास्थ्य लैब का निर्माण किया जाएगा। विकासखंड स्तर पर ब्लॉक सार्वजनिक स्वास्थ्य यूनिट की स्थापना सुनिश्चित की जाएगी।

जनजातीय कार्य विभाग के शैक्षणिक संवर्ग के लिए चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान की स्वीकृति

मप्र शासन जनजातीय कार्य विभाग के शैक्षणिक संवर्ग के सहायक शिक्षक एवं उच्च श्रेणी शिक्षक तथा नवीन शैक्षणिक संवर्ग के प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों के लिए प्रचलित क्रमोन्नत योजना अनुसार चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान एक जुलाई 2023 अथवा इसके बाद की तिथि से 35 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर प्रभावशील किए जाने का अनुमोदन दिया गया।

डब्ल्यूआरएस कॉलोनी तालाब में मिले युवती के शव की गुत्थी का खुलासा

रायपुर। खमतराई थाना क्षेत्र स्थित डब्ल्यूआरएस कॉलोनी तालाब में मिले अज्ञात युवती के शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। जांच में सामने आया कि प्रेम संबंधों में चल रहे विवाद के दौरान युवती की हत्या कर शव तालाब में फेंक दिया गया था। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।राजधानी के डब्ल्यूआरएस कॉलोनी तालाब में मिले युवती के शव के मामले में पुलिस ने अहम खुलासा करते हुए हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मृतका की पहचान टिकरापारा निवासी के रूप में हुई है। पुलिस जांच के मुताबिक, प्रेम संबंधों में अविश्वास और लगातार चल रहे विवाद के चलते आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, मृतका और आरोपी करण तांडी की जान-पहचान करीब तीन वर्ष पहले सोशल मीडिया के माध्यम से हुई थी।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विधुत अभियन्ता (निर्माण), उत्तर रेलवे, शिवाजी ब्रिज, नई दिल्ली निम्न लिखित कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

1	**कार्य का नाम:** न्यू गाजियाबाद रेलवे स्टेशन को 'हॉल्ट' से 'क्रॉसिंग स्टेशन' में बदलने, गढ़ी हरसारू (2.5 किमी) पर ट्रेनों की दिशा बदलने (रिवर्सल) से बचने के लिए 'Y–कनेक्शन' बनाने, और नॉर्दर्न रेलवे के ROK-GHNA सेक्शन के बीच एक नया क्रॉसिंग स्टेशन 'JASIA' बनाने से जुड़े इलेक्ट्रिकल काम।	
2	कार्य समापन अवधि	12 महीने
3	अनुमानित लागत	₹ 72,55,452.40 / –
4	धरोहर राशि	₹ 1,45,200 / –
5	**ई–निविदा जमा करने एवं निविदा खुलने की तिथि व समय:** निविदा दिनांक 27.08.2026 समय 15:00 बजे तक **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर सकते हैं। निविदाकर्ता ई–निविदा में भाग ले सकते हैं। निविदा दिनांक 27.08.2026 समय 15:00 बजे खोला जाएगा।	
6	**निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र की जानकारी** विस्तृत निविदा सूचना उत्तर रेलवे वैबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है और निविदा पत्र वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर 13.08.2026 से 27.08.2026 तक जमा करने के लिए उपलब्ध रहेगी। उपरोक्त निविदा के अन्य सभी नियम एवं शर्तें निविदा पत्र में दिये गये हैं। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।	

संख्या: 17–वि० / उप मु० वि० अभि० / सी० / टी० / 171 दिनांक: 05.08.2026
2701/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय, सोनीपत।

मु.न. 434 दिनांक 23.07.2026 धारा 127(6) बी.एन.एस. थाना कुंडली जिला सोनीपत।

गुमशुदा की पहचान

नाम-काजल।
पिता का नाम-रामाधार दास।
पता - वासी गांव नवादा थाना पकडी दयाल जिला पूर्वी चंपारण बिहार हाल वासी किरायेदार दादा भइया कालोनी कुंडली सोनीपत।
उम्र -22 वर्ष।
कद - 4 फुट 8 इंच।
हुलिया:- रंग गेंहुआ, सामान्य शरीर, गोल चेहरा, काले बाल, काली आँखें।
पहनावा आसमानी रंग की कुर्ती, नीले रंग की जीन्स व पैरों में सफेद रंग के जूते पहने हुए है।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 21.07.2026 को काजल पुत्री रामाधार दास वासी गांव नवादा थाना पकडी दयाल जिला पूर्वी चंपारण बिहार हाल वासी किरायेदार दादा भइया कालोनी कुंडली सोनीपत, बिना किसी को बताए घर से कहीं चली गयी हैं अब तक वापिस नहीं आयी हैं। जिस सम्बन्ध में उपरोक्त मुकदमा थाना में दर्ज रजिस्टर है। अगर किसी को उपरोक्त गुमशुदगी बारे कोई सूचना मिलती हैं तो निम्नलिखित नंबरों पर सूचित करे।
प्रबन्धक थाना मो० न0 -7419410537
अनुसंधानकर्ता मो0 न0 – 8930893048
कन्ट्रोल रुम सोनीपत- 0130-2222903,100

हस्ता/-अपराध अभिलेख अधिकारी,
कृते पुलिस उपायुक्त।
मुख्यालय, सोनीपत।

पीआरडीएच-1084/11/5144/2027/47882/88/7 दि. 05.08.26

'कार्य नहीं, वेतन नहीं' के सिद्धांत के तहत घोषित किया अवैतनिक

करीब ढाई महीनों तक बिना अनुमति ड्यूटी से नदारद रहने वाला आरक्षक बर्खास्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेमेतरा

पुलिस विभाग में अनुशासनहीनता के खिलाफ सख्त संदेश देते हुए बेमेतरा पुलिस ने 77 दिनों तक बिना अनुमति ड्यूटी से गायब रहने वाले आरक्षक विवेक पोद्दार को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। विभागीय जांच में आरोप सिद्ध होने के बाद एसपी त्रिलोक बंसल ने बर्खास्तगी का आदेश जारी किया। साथ ही अनुपस्थिति की पूरी अवधि को 'कार्य नहीं, वेतन नहीं' के सिद्धांत के तहत अवैतनिक घोषित किया गया है। पुलिस विभाग के अनुसार आरक्षक विवेक पोद्दार की ड्यूटी 3 जून 2025 को बंदी पेशी के लिए लगाई गई थी, लेकिन वह उसी दिन से बिना किसी सक्षम अनुमति और बिना विभाग को विधिवत सूचना दिए ड्यूटी से अनुपस्थित हो गया। वह 3 जून से 18 अगस्त 2025 तक लगातार 77 दिनों तक ड्यूटी पर नहीं लौटा। इस दौरान विभाग ने कई बार नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा और ड्यूटी पर उपस्थित होने के निर्देश दिए, लेकिन उसने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। विभागीय जांच के दौरान आरक्षक को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर दिया गया, लेकिन उपलब्ध साक्ष्यों, दस्तावेजों और सेवा अभिलेखों के आधार पर आरोप प्रमाणित पाए गए। जांच में यह भी सामने आया कि उसका पूर्व सेवा रिकॉर्ड भी अनुशासनहीनता से जुड़ा रहा है।

पीडब्ल्यूडी में प्रमोशन नहीं, पीएचई में ईएनसी, चीफ इंजीनियर बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र सरकार की ओर से लागू की गई 2025 की प्रमोशन नीति के तहत पीएचई विभाग ने अपने यहां कार्यपालन यंत्री से अधीक्षण यंत्री, एसडीओ से कार्यपालन यंत्री, अधीक्षण यंत्री से चीफ इंजीनियर और चीफ इंजीनियर से ईएनसी के पदों पर प्रमोशन दे दिया। किंतु पीडब्ल्यूडी में जिन अधिकारियों की डीई चल रही है, उनकी सीआर एक्सीलेंस लिखने के मामले में तत्कालीन सीएस की ओर से उठाई गई आपत्ति के बाद पदोन्नति देने का मामला अटक गया है। लोक निर्माण विभाग में उप यंत्री से सहायक यंत्री, सहायक यंत्री से कार्यपालन यंत्री के पदों पर प्रमोशन दे दिया है, पर उपयंत्री से सहायक यंत्रियों के पदों पर दिए गए प्रमोशन में विवाद ठंडा नहीं हुआ है। कार्यपालन यंत्री से अधीक्षण यंत्री का मामला भी अधीक्षण यंत्री से चीफ इंजीनियर के पदों पर प्रमोशन नहीं होने से अटक गया है। इसके कारण चीफ इंजीनियर से ईएनसी के पद पर भी प्रमोशन नहीं मिल सका।

कुछ प्रमोशन बाकी

सूत्र बताते है कि विभाग में चीफ इंजीनियर के 22 पद तथा ईएनसी के पांच पदों पर अभी प्रमोशन दिया जाना बाकी है। इस मामले में अधिकारियों ने मनमर्जी से अपनी सीआर मंत्रालय के अवर सचिव और अनुभाग अधिकारी से लिखवा ली। खासकर जिन अधिकारियों के खिलाफ डीई चल रही थी, उनकी सीआर अधिकारियों ने (एक्सीलेंस) यानि क-प्लस लिख दी गई। यदि तत्कालीन मुख्य सचिव के सामने मामला नहीं जाता तो ये अधिकारी प्रमोट हो जाते। उधर, प्रमुख सचिव लोक निर्माण ने अधीक्षण यंत्री से चीफ इंजीनियर के पदों पर प्रमोशन देने पुनः डीपीसी की मीटिंग बुलाने के निए मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल को पत्र भेज दिया है।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड पंचकूला (एचएमएससीएल)	आवश्यकता की अनुसूची में मद के तहत वर्णित अनुसार दो वर्षीय दर अनुबंध पर डिजिटल ओपीजी सहित सेफालोमेट्री की आपूर्ति, स्थापना और प्रचालन हेतु निविदा आमंत्रण सूचना	05.08.2026 19.08.2026	रु.2,72,00,000/-	www.hmscl.org.in	8929299829 equipmentdgm2020@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/40/47889/I/88/7 दि. 05.08.26

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	हरियाणा राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड, चंडीगढ़ (हारट्रोन)	चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद की ओर से डॉ. भीमराव अंबेडकर, लाइब्रेरी बिल्डिंग में वाई-फाई नेटवर्क्स को स्थापित करना	05.08.2026 17.08.2026	रु. 22.00 लाख (वार्षिक अनुमानित मूल्य)	https://etenders.hry.nic.in	01722923376 sandeep.hartron-hry@gov.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/40/47870/I/88/7 दि. 05.08.26

रिकॉर्ड पहली तिमाही 27 नतीजों के बाद वेदांता एल्युमिनियम पर ब्रोकरेज बुलिश कंपनियों का मजबूत समर्थन

नई दिल्ली। पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन के बाद वेदांता एल्युमिनियम मेटल लिमिटेड को देश और विदेश की प्रमुख ब्रोकरेज कंपनियों से मजबूत समर्थन मिला है। इन ब्रोकरेज कंपनियों ने शेयर के लिए 520 से 600 तक का लक्ष्य मूल्य तय किया है, जबकि इसका मौजूदा बाजार भाव करीब 445 से 457 है। इससे शेयर में 17 प्रतिशत से 35 प्रतिशत तक बढ़त की संभावना जताई गई है। विश्लेषकों का मानना है कि कंपनी की क्षमता बढ़ाने की योजनाएं, लागत में सुधार, कच्चे माल के लिए अपनी व्यवस्था मजबूत करना और वैल्यू-एडेड उत्पादों की बढ़ती हिस्सेदारी से बेहतर नकदी प्रवाह, कंपनी की कमाई को आने वाले कई वर्षों तक बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। सबसे ज्यादा सकारात्मक अनुमान लगाने वाली ब्रोकरेज कंपनियों में आईसीआईसीआई डायरेक्ट शामिल है, जिसने शेयर के लिए 600 का लक्ष्य मूल्य तय किया है।कंपनी की कमाई की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए ब्रोकरेज ने कहा वेदांता एल्युमिनियम एल्युमिनियम उत्पादन बढ़ाने, कच्चे माल की जरूरतों को अपनी व्यवस्था से पूरा करके लागत कम करने और वैल्यू-एडेड उत्पादों की हिस्सेदारी बढ़ाने पर ध्यान दे रही है।

असम बाढ़ राहत हेतु अनिल अग्रवाल ने दिए ₹7 करोड़ का योगदान, मुख्यमंत्री ने जताया आभार

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने असम में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित समुदायों के राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल और वेदांता समूह द्वारा 7 करोड़ के योगदान की सराहना की है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहाश्री @AnilAgarwal_Ved जी लंबे समय से असम की विकास यात्रा के प्रबल समर्थक रहे हैं और वेदांता समूह ने हमारे राज्य में महत्वपूर्ण निवेश किए हैं। असम इस भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है, ऐसे समय में वेदांता ने राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए 7 करोड़ का योगदान देकर एक बार फिर आगे बढ़कर सहयोग किया है। हम अनिल अग्रवाल और वेदांता समूह के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने असम के लोगों के साथ मजबूती से खड़े होकर सहयोग दिया। उनका यह उदार योगदान समाज को लौटाने में उनके अटूट विश्वास को दर्शाता है। 7 करोड़ की यह राशि तत्काल राहत कार्यों जैसे भोजन, आश्रय, स्वच्छ पेयजल और चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ दीर्घकालिक पुनर्वास प्रयासों में भी उपयोग की जाएगी।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प हिसार	जिला चतखी में बाल भवन का निर्माण (सोलर पावर प्लांट का प्रावधान केवल) + 1 कार्य	04.08.2026 11.08.2026	25.74 लाख	https://etenders .hry.nic.in	1662225651 pwd-eeed-hissar@hry.nic.in
2	लोनिवि भ व प चंडीगढ़	यमुनानगर में 200 बिस्तर वाले मुकुंद लाल नागरिक अस्पताल के लैंडस्केपिंग कार्य की विशेष मरम्मत और एक अन्य	06.08.2026 12.08.2026	18.05 लाख	https://etenders .hry.nic.in	9779691170 eehortpwd@gmail.co
3	जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंडी डबवाली	कालांवाली टाउन सिवरेज :- आईपीएस, संग्रहण टैंक 11.50X7.60 एम, पंप चैंबर 8.54 X3.96 मी. का निर्माण, विभिन्न आकार के सीवेज, मैन हॉल चैंबर का प्रावधान व बिछाना चारदीवारी और पंपिंग मशीनरी तथा सभी संबंधित कार्य हेतु डीएनआईटी " सीएच, हैड : कालांवाली कस्बा : कालांवाली कस्बा जिला सिरसा में मौजूदा आईपीएस का पुनरोद्धार और सिवरेज सिस्टम का मजबूतीकरण	01.08.2026 24.08.2026	504.18 लाख	https://etenders .hry.nic.in	8730000001 ee.mandidabwali@gmail.com
4	पंचायती राज सोनीपत	सोनीपत जिले में 40 अदद गांवों में 90 वाट एलईडी स्ट्रीट लाइट की आपूर्ति-द्वितीय चरण	बंद होने की तिथि 13.08.2026	55.21 लाख	https://etenders .hry.nic.in	9416391006 prexeeng.snp@gmail.com
5	पंचायती राज कुरुक्षेत्र	बारतोली-गांव बारतोली ब्लॉक लाडवा, जिला कुरुक्षेत्र में बाल्मीकि चौपाल से अमरजीत पुत्र दर्शन सिंह का डेरा तक आईएलपीबी को बिछाना + 4 कार्य	04.08.2026 10.08.2026	151.02 लाख	https://etenders. hry.nic.in	9896224357 prexeeng.krk@hry.nic.in
6	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा, चरखी दादरी	एलडब्ल्यूएस (एम) उपमंडल सं. 2, चरखी दादरी के अधिकार क्षेत्र के तहत विभिन्न मदों की आवश्यकता +2 अन्य कार्य	बंद होने की तिथि 11.08.2026	3.85 लाख	https://etenders. hry.nic.in	01250-220058 xenlwsmech@gmail.com
7.	महानिदेशक आपूर्ति एवं निपटान पंचकूला, हरियाणा	आईएसआई मार्क्ड ईआरडब्ल्यू केज टाइप वी वायर वाउंड स्क्रीन्स की खरीद हेतु वार्षिक दर अनुबंध की व्यवस्था करना	06.08.2026 07.09.2026		https://etenders.hry.nic.in dsndharyana.gov.in	0172-2570122 Supplies@hry.nic.in
8.	महानिदेशक आपूर्ति एवं निपटान पंचकूला, हरियाणा	कम्बाइड हाई प्रैशर जेट्टिंग-कम-सक्शन (वैक्यूम) टाइप हाइड्रोलीकली ऑपरेटेड सीवर क्लीनिंग मशीनों की खरीद हेतु 1.5 वर्षीय/18 माह के दर अनुबंध की व्यवस्था करना	06.08.2026 07.09.2026		https://etenders.hry.nic.in dsndharyana.gov.in	0172-2570122 Supplies@hry.nic.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in
पीआरडीएच-11/2027/160/47877/I/88/7 दि. 05.08.26

चिंतन

सरकार युवाओं की आवाज सुने

जब बड़ी संख्या में देश के युवा किसी मुद्दे को लेकर सड़कों पर उतरते हैं तो उनकी हर बात से सहमत होना सरकार के लिए जरूरी नहीं, लेकिन उनकी बात सुनना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार है, मौजूदा दौर में सरकारों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है। विरोध को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर बल प्रयोग से दबाने के बजाय उसके पीछे के असंतोष को समझना लोकतांत्रिक शासन की पहली कसौटी होनी चाहिए। अगर कुछ भटके हुए युवक पत्थरबाजी जैसे रास्ते पर चले भी जाएं तो उन्हें केवल बल प्रयोग से नहीं, समझाने और काउंसलिंग के जरिए शांत करने के प्रयास किए जाने चाहिए। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों से संयम बरतने की सलाह देते हुए कोर्ट ने सरकार को भी आक्रामक रवैये से बचने को कहा है। यह संदेश इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि विरोध व हिंसा के बीच एक स्पष्ट रेखा है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति पर हमला, पत्थरबाजी या कानून तोड़ना स्वीकार नहीं किया जा सकता। चुनौती यह है कि राज्य इस फर्क को समझते हुए ऐसी नीति बनाएं, जिसमें कानून का राज भी कायम रहे और युवाओं की नाराजगी को संवाद का रास्ता भी मिले। दमन से तत्काल शांति दिख सकती है, लेकिन संवाद ही स्थायी समाधान की नींव रखता है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन संविधान की भावना के अनुरूप है, लेकिन हिंसा किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकती। 20 जुलाई के संसद मार्च में पुलिसकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के घायल होने की घटना इसी संतुलन की जरूरत को सामने लाती है। संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च संस्थागत मंच है। उसकी सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। यदि किसी प्रदर्शन के दौरान हिंसा होती है, सुरक्षा घेरे को तोड़ने का प्रयास होता है या पुलिस पर हमला किया जाता है तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। कानून सबके लिए समान है और आंदोलन की आड़ में हिंसा को वैध नहीं बनाया जा सकता, लेकिन दूसरी तरफ यह भी देखना होगा कि किसी आंदोलन की शुरुआत किन परिस्थितियों में हुई। सरकार यदि पहले ही संवाद का रास्ता खोल दे तो कई बार वह स्थिति पैदा ही नहीं होती जिसमें पुलिस और प्रदर्शनकारियों का आमना-सामना हो। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि राज्य को संयम और संवाद दोनों को अपनी रणनीति का हिस्सा बनाना चाहिए। पुलिस की भूमिका कानून-व्यवस्था बनाए रखने की है, लेकिन बल प्रयोग अंतिम विकल्प होना चाहिए। प्रदर्शनकारियों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। उन्हें शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रखने, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करने और सुरक्षा व्यवस्था का सम्मान करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। सरकार को भी दोहरी नीति से बचना होगा। एक ओर हिंसा करने वालों पर कानून के मुताबिक कार्रवाई हो और दूसरी ओर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत का रास्ता खुला रहे। आज जरूरत युवाओं को डराने की नहीं, उन्हें भरोसा देने की है। उनकी बात सुनी जाए, असहमति को लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया माना जाए और जहां शिकायत जायज हो, वहां समाधान की पहल हो। सरकार अगर युवाओं की आवाज सुनेगी तो उसे सड़कों पर टकराव कम और लोकतंत्र में भरोसा ज्यादा मिलेगा। यही मजबूत लोकतंत्र की पहचान है।

अभियान
राजकुमार सिंह

सख्ती से ही संभव नशामुक्त भारत

'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन नशे जैसी गहरी सामाजिक और आपराधिक समस्या का इलाज केवल जागरूकता से संभव नहीं। युवाओं को खेल, कला और संस्कृति से जोड़कर नशे से दूर रखने की कोशिश जरूरी है, मगर इसके साथ नशे की आपूर्ति करने वाले संगठित तंत्र पर कठोर प्रहार भी उतना ही अनिवार्य है। सीमावर्ती क्षेत्रों से लेकर देश के महानगरों और छोटे कस्बों तक ड्रग्स की उपलब्धता बताती है कि तस्करी का नेटवर्क अभी भी मजबूत है। इसलिए नशामुक्ति का संकल्प तभी सफल होगा, जब सरकार जागरूकता के साथ तस्करों, भ्रष्ट संरक्षण तंत्र और नशे के कारोबार की पूरी शृंखला पर निर्णायक कार्रवाई करे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' संकल्प अभियान का स्वागत किया जाना चाहिए, पर तेजी से नासूर बनती जा रही इस समस्या का समाधान मात्र संदेश नहीं, सख्ती से ही संभव होगा। इस अभियान के अंतर्गत 100 सप्ताह तक हर रविवार को खेल, कला और संस्कृति आदि गतिविधियों के माध्यम से देश भर में युवाओं को नशा मुक्ति का संदेश दिया जाएगा। स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, सामाजिक संस्थाओं और औद्योगिक संगठनों के अलावा 100 से भी ज्यादा आध्यात्मिक संगठनों के सहयोग से यह अभियान चलाया जायेगा। जागरूकता की दृष्टि से यह निश्चय ही एक बड़ा अभियान होगा। तेजी से युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रही नशे की लत के विरुद्ध जागरूकता अभियान की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता, पर स्वयं प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। ऐसे में 100 रविवार जागरूकता अभियान मात्र चला कर नशामुक्त भारत का सपना आशावाद का ज्यादा नजर आता है। बेशक नशे की समस्या भारत में हाल-फिलहाल पैदा नहीं हुई। कभी पूर्वोत्तर से शुरू यह लत सीमावर्ती पंजाब और पड़ोसी हरियाणा तक पहुंच चुकी है। इससे अछूता रहने का दावा तो शायद ही कोई राज्य कर पाये, क्योंकि गुजरात के बंदरगाहों तक पर बड़ी-बड़ी खेप जब्त हुई हैं।

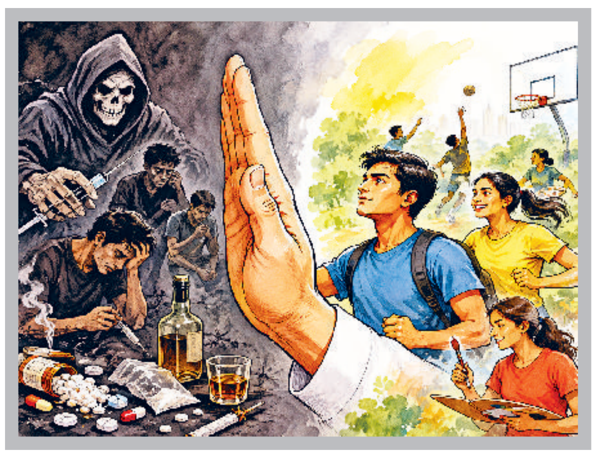

प्रधानमंत्री का दावा है कि ड्रग्स तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई पहले की तुलना में कई गुणा बढ़ी है, लेकिन तरह-तरह के ड्रग्स की देश के दूरदराज क्षेत्रों में भी सहज उपलब्धता सरकारी कार्रवाई को नाकाफी ही साबित करती है। यह तो खुला रहस्य है कि तमाम तरह का नशा सीमा पार से तस्करी हो कर ही भारत आता है। भारत की भौगोलिक स्थिति के मद्देनजर यह काम दशकों से चल रहा है। सच यह भी है कि ड्रग्स तस्करी अब आतंकवादियों की फंडिंग का भी बड़ा स्रोत बन चुकी है। नापाक पड़ोसी पाकिस्तान हमारे देश में नशा तस्करी का एकमात्र स्रोत तो नहीं है, लेकिन शायद सबसे बड़ा स्रोत वही है। दरअसल विभाजन के जरिये अस्तित्व में आने के बाद से ही पाकिस्तान ने भारत के विरुद्ध बहुआयामी छद्म युद्ध छेड़ रखा है। कश्मीर से पंजाब तक पाकिस्तान न सिर्फ आतंकवाद का पालन-पोषण कर रहा है, बल्कि उसके लिए धन भी नशा तस्करी और जाली करंसी के जरिये भारत से ही जुटा रहा है। कहना नहीं होगा कि नशा तस्करी जहां भारतीय युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से बीमार बना रही है, वहीं जाली करंसी अर्थव्यवस्था को खोखला कर रही है। बेशक भारत इस सबसे अनभिज्ञ नहीं है और हरसंभव कदम भी उठा रहा है, लेकिन पाकिस्तानी दुष्चक्र को पूरी तरह तोड़ा नहीं जा सका है। सीमावर्ती पंजाब में युवाओं को नशे ने इस कदर खोखला कर दिया है कि उस पर 'उड़ता पंजाब' फिल्म भी बन चुकी है। पिछले कई चुनाव से पंजाब में नशा बड़ा चुनावी मुद्दा रहा है और पुलिस से ले कर राजनेताओं तक पर तस्करी में संलिप्तता के आरोप भी लगते रहे हैं, पर उससे मुक्ति का वायदा अभी तक कोई भी सरकार वफा नहीं कर पाई है। युवा किसी भी देश का भविष्य होते हैं। फिर भारत तो है ही युवा आबादी बहुल देश। ऐसे में युवाओं के नशे के दलदल में फंसने का दुष्प्रभाव देश के वर्तमान ही नहीं, भविष्य पर भी दूरगामी होगा। तमाम तरह के नशे जिस तेजी से भारतीय युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहे हैं, उसके आंकड़े डरावने हैं, पर उस पर अपेक्षित चिंता सरकारों और उनकी एजेंसियों में नजर आती नहीं। भारत का संविधान 'मद्य निषेध' की सोच रखता है, पर देश में 15 करोड़ से भी ज्यादा लोग शराब पीते हैं, जिसकी जायज बिक्री के एवज में सरकारें मोटा राजस्व वसूलती हैं और शराब की बोतल एवं दुकानों पर चेतावनी लिखवा कर अपने कर्तव्य की इतिश्री समझ लेती हैं। देश में लगभग तीन करोड़ लोग गांजे का सेवन करते हैं, जबकि दो करोड़ के आसपास हेरोइन आदि ड्रग्स का नशा करते हैं। आंकड़े तब और भी डरावने हो जाते हैं, जब पता चले कि इन नशाखोरों में किशोर और युवा भी बड़ी संख्या में शामिल हैं।

जाहिर है, नशा तस्करी जहां कानूनी चुनौती है, वहीं नशाखोरी एक बड़ी सामाजिक समस्या बन गयी है, जिससे परिवार तबाह हो रहे हैं। इस समस्या से लड़ने और उबरने में मदद के लंबे-चौड़े दावे भी किये जाते हैं, लेकिन कड़वा सच यह है कि नशे की लत के शिकार 80-90 प्रतिशत लोगों को तो इलाज ही नहीं मिल पाता। ज्यादातर नशा मुक्ति केंद्र भी यातना केंद्र बन गए हैं। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक ही लगभग पौने छह करोड़ लोग शराब पीने से होनेवाली समस्याओं से जूझ रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2020 में भारत में प्रति व्यक्ति शराब की खपत 3.1 लीटर थी, जो 2023 में 3.2 लीटर हो गई और 2028 में 3.4 लीटर हो जाने की संभावना है। भारत में 60 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया शराब का बाजार बताता है कि कारोबारी मोटा मुनाफा कमा रहे हैं और सरकारें भरपूर राजस्व वसूल रही हैं। अन्य ड्रग्स का कारोबार गैर कानूनी है, इसलिए उसकी बाबत ऐसे ठोस आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन सभी जानते हैं कि चोरी छिपे बिकनेवाली चीज मुंह मांगी कीमत पर ही मिलती है और उसके कारोबार से होनेवाला मुनाफा भी अकूत होता है। तभी तो लोग ऐसे जोखिमभरे कारोबार में दांव लगाते हैं और पुलिस-प्रशासन से ले कर खरीददारों तक अपना नेटवर्क बनाते हैं। ऐसे में नशाखोरी का मर्ज तेजी से नासूर ही बनता जा रहा है। वैसे तो इलाज की कोई ईमानदार कोशिश नजर आती नहीं, फिर भी सरकारी दावों पर भरोसा करें तो कहना पड़ेगाः 'मर्ज बढ़ता गया ज्यों-ज्यों दवा की', पर अब तो मर्ज इलाज की हद से गुजर चुका है। अब इसकी शल्य चिकित्सा ही हो सकती है, जिसके लिए सबसे पहले व्यवस्था की शल्य चिकित्सा करनी होगी, क्योंकि बिना व्यवस्था के संरक्षण के ड्रग्स तस्करी सरीखा संगठित आपराधिक कारोबार भारत में फल-फूल ही नहीं सकता था। पूर्वोत्तर से ले कर पंजाब तक राजनेताओं और पुलिस-प्रशासन की संलिप्तता की चर्चाएं आम रही हैं, लेकिन इन खास लोगों की लगाम कसने का साहस अभी तक तो किसी ने नहीं दिखाया।

अगर प्रधानमंत्री मोदी नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाने के साथ ही भ्रष्ट व्यवस्था की शल्य चिकित्सा भी कर पाये, तो अवश्य नशा मुक्त भारत का सपना साकार हो सकता है। कोई भी देश अपने नागरिकों से ही विकसित बनता है। जब देश के नागरिक स्वस्थ्य, सभ्य तथा सामाजिक -आर्थिक रूप से खुशहाल होंगे, तभी सही मायने में विकसित भारत का सपना साकार हो पाएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष
डॉ.रमेश ठाकुर

'हिरोशिमा त्रासदी' की विभीषिका का दर्द

मानव इतिहास में '6 अगस्त 1945' की मनहूस तारीख को शायद ही कोई भूल पाए। 'हिरोशिमा दिवस' के रूप में मनाई जाती है ये तारीख। इस तारीख में सिर्फ तबाही लिखी थी। तारीख में ऐसा मुकर्रर वक्त था, जिसने मात्र 16 मिनट के भीतर 1,30,000 लोगों की सांसें एक साथ रोकी थी। हताहतों का आकंड़ा फिलहाल सरकारी है, पर वास्तिवक संख्या इससे कहीं अधिक बताई जाती है। हिरोशिमा पर किए परमाणु हमले में मरने वालों में बूढ़े, बच्चे, नौजवान, औरतें भी थीं। सुबह करीब 8:15 बजे अमेरिका ने हिरोशिमा पर अपने 'बी-29 'एनाला गे' विमान द्वारा आसमान से परिमाणु बमों की बारिश करके पूरा शहर जिंदा जला दिया था। घटना के वक्त ज्यादातर लोग सोए हुए थे, परमाणु बम ने उन्हें सोता ही मार दिया। हिरोशिमा में जब परमाणु बम फोड़ा गया, तो जापानियों को लगा कि सूरज फटा है। जबकि, वह सूरज नहीं, बल्कि तथाकथित विकसित, सभ्य और मुट्ठी भर लोगों का निर्णय तथा एक महाशक्ति द्वारा निर्मित कृत्रिम सूरज था, जिसकी आग में लाखों निर्दोष लोग भाप बनकर चंद मिनटों में उड़ गए। घटना का सामूहिक हत्यारा अमेरिका था। अगस्त माह की जब 6 तारीख आती है या फिर परमाणु हथियारों की बढ़ती तादात पर वैश्विक मंचों पर विमर्श होता है, तो जापान की दिल दहला देने वाली यह घटना आंखों के सामने अनायास उमड़ पड़ती हैं। घटना को श्रद्धांजलि के तौर पर ही सालाना 6 अगस्त को 'हिरोशिमा दिवस' के रूप में विश्व मनाता है। यह दिन उन मुल्कों को संकल्पित होने को आहवान भी करवाता है, जो परमाणु बम फोड़ने की अनावश्यक धमकी दिया करते हैं। साथ ही अहिंसा, त्रासदी, को छोड़कर भाईचारा अपनाने और शांति के पथ पर चलने को जागरूश्क भी करता है। 1945 में अमेरिका द्वारा जापान के दो शहरों पर गिराए गए अलग-अलग तारीखों पर परमाणु बम की यह कहानी काले अध्याय के रूप में तबतक दर्ज रहेगी, जबतक दुनिया इस धरती पर वास करेगी। 6 अगस्त को गिराए पहले बम का नाम 'एनाला गे' था। वहीं, 9 अगस्त वाले बम का नाम 'लिटिल बॉय' यानी यूरेनियम-आधारित परमाणु बम था। जापान का जब तक अस्तित्व रहेगा, उनके लोग अमेरिका को माफ नहीं करेंगे। पाकिस्तान, अमरिका जैसे मुल्क आज भी परमाणु बमों को फोड़ने की धमकी देते हैं। इसलिए हिरोशिमा दिवस उनके लिए चेतावनी के अलावा सीख जैसा भी है। हिरोशिमा की घटना को आज 81 वर्ष हो गए, लेकिन दुर्भाग्य संसार आज भी युद्ध-हिंसा में संलग्न है। यूं कहें कि परमाणु हथियारों के ढेर पर बैठा है। हाल में, अमेरिका द्वारा ईराक पर परमाणु हमले की धमकी देना, दुनिया भर में बढ़ती हिंसा की घटनाएं और हथियारों को इकट्ठा करने की होड़ के बीच हमारे सामने यह प्रश्न खड़ा होता है कि हम हिरोशिमा और नागासाकी की घटनाओं से क्या कुछ सबक सीख पाए या नहीं? 81 साल पहले 2,50,000 हजार लोगों को मारकर भी अमेरिका को शांति नहीं मिली? अमेरिका की दादागिरी को जवाब देने का वक्त आ चुका है इसके लिए वैश्विक स्तर पर सभी मुल्कों को एकजुट होना होगा। साथ ही परमाणु हथियारों के निर्माणों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए जाने की दिशा में सभी देशों को सामूहिक पहल करने की जरूरत है। गौरतलब है कि हिरोशिमा त्रासदी की ये तारीख निरस्त्रीकरण और आदर्शवादी की वह अवधारणा है जो पूरी तरीके से हथियारों की समाप्ति का समर्थन करती है। हालांकि, निरस्त्रीकरण या शस्त्र नियंत्रण कोई नई घटना नहीं है। इसको सर्वव्यापी मान्यता भले ही द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मिली हो। पर, इसका मौजूदा वक्त में नियंत्रण खुराफाती मुल्कों ने खत्म कर दिया है। जबकि, 19वीं शताब्दी में राष्ट्रों के मध्य निरस्त्रीकरण के लिए बकायदा समझौते भी हुए थे। हथियारों की मात्रा को घटाने में बहुत कुछ करने की जरूरत है। एकाध देश कुछ नहीं कर सकते। सभी को आगे आना होगा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के नियमों का कभी भी उल्लंघन नहीं किया। पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद कभी कोई प्रयोग नहीं किया। भारत सदैव इस बात का पक्षधर रहा है कि परमाणु हथियारों का बेजा इस्तेमाल कभी ना किया जाए। इस मसले पर 26 जनवरी 1946 को संयुक्त राष्ट्र ने अणु ऊर्जा आयोग की स्थापना की। उसके एक साल बाद फरवरी 1947 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में सुरक्षा परिषद द्वारा परंपरागत हथियार आयोग की स्थापना भी की गई। सन 1952 में महासभा ने उपर्युक्त दोनों आयोगों को संयुक्त करके निरस्त्रीकरण आयोग के नाम से एक नया आयोग भी बनाया। आयोग को परंपरागत और परमाणु दोनों प्रकार के हथियारों के नियमन के संदर्भ में संधि के प्रारूप तैयार करने का दायित्व सौंपा गया। इतना सब कुछ होने के बाद भी मकसद सफल नहीं हुआ।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गलतियों को खुले मन से स्वीकार करें

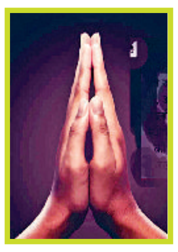

संकलित
दर्शन

कार्य संपन्न होने की प्रक्रिया में कदाचित त्रुटियां रह सकती हैं, भले ही कार्य निष्ठा से किया जाए। अगर कोई आपके किए-कराए में चूक निकाले, उस पर टिप्पणी करे तो नाराज होने के बजाय उसे खुलेमन से स्वीकार करें। वैसे आप गलतियां करने से तभी बच पाएंगे, जब कुछ नहीं करेंगे। अपने अवगुण या खोट को स्वीकार करना श्रेष्ठ मानवीय गुण है। औसत सोच का व्यक्ति ऐसा करने में असमर्थ होता है। अवांछनीय या अनुचित कार्य की अनदेखी का अर्थ है संशोधन के द्वार बंद कर देना। सर्वगुणसंपन्न व्यक्ति तो साक्षात देवता है। भूल-चूक की स्वीकारोक्ति प्रगति की राह में पहला चरण है। इस प्रक्रिया में आप अनेक व्यक्तियों का विश्वास जीतते हैं। जिस सत्य का सामना करने के लिए तैयार नहीं, उसे बदलेंगे कैसे? जिसे अपनी अपूर्णताओं का आभास नहीं वह मूर्ख नहीं, बल्कि दयनीय है, क्योंकि ऐसा व्यक्ति अपने अवगुणों को दूर नहीं कर सकेगा। जिस सीमा तक हम अपनी अपूर्णताओं और अवांछनीय व्यवहार के प्रति सजग रहेंगे और समाधान की ओर अग्रसर रहेंगे, उसी अनुपात में हम नैतिक रूप से समृद्ध होंगे। व्यावहारिक जीवन में संयमी, संयत व्यक्ति से भी भूल-चूक हो जाती है। उन्नत सोच का व्यक्ति अपनी भूल को तुरंत स्वीकार कर लेगा। मध्यम सोच वाले को गलती का अहसास तो होगा, वह मन में कुढ़ेगा भी, किंतु लज्जित होने की आशंका से वह गलती को खुलेआम नहीं मानेगा। अपनी छवि के प्रति अत्यंत चौकस अधिसंख्य व्यक्ति अपने गलत कार्य या कथन की वैसी संरक्षा करेंगे जैसे सद्गुण या शील दांव पर हो।

जीवन में गुरु की आवश्यकता क्यों?

संकलित
प्रेरणा

एक गाय घास चरने के लिए एक जंगल में चली गई। शाम ढलने के करीब थी। उसने देखा कि एक बाघ उसकी तरफ दबे पांव बढ़ रहा है। वह डर के मारे इधर-उधर भागने लगी। दौड़ते हुए गाय को सामने एक तालाब दिखाई दिया। घबराई हुई गाय उस तालाब के अंदर घुस गई। वह बाघ भी उसका पीछा करते हुए तालाब के अंदर घुस गया। उसमें पानी कम था और वह कीचड़ से भरा हुआ था। उन दोनों के बीच की दूरी काफी कम हुई थी। लेकिन अब वह कुछ नहीं कर पा रहे थे। वह गाय उस कीचड़ के अंदर धीरे-धीरे धंसने लगी। बाघ भीधीरे-धीरे कीचड़ के अंदर धंसने लगा। दोनों भी करीब करीब गले तक उस कीचड़ के अंदर फस गए। दोनों हिल भी नहीं पा रहे थे। गाय के करीब होने के बावजूद वह बाघ उसे पकड़ नहीं पा रहा था। थोड़ी देर बाद गाय ने उस बाघ से पूछा, क्या तुम्हारा कोई गुरु या मालिक है? बाघ ने गुर्राते हुए कहा, मैं तो जंगल का राजा हूं। मेरा कोई मालिक नहीं। मैं खुद ही जंगल का मालिक हूं। गाय ने कहा, लेकिन तुम्हारे उस शक्ति का यहां पर क्या उपयोग है? उस बाघ ने कहा, तुम भी तो फस गई हो और मरने के करीब हो। तुम्हारी भी तो हालत मेरे जैसी है। गाय ने मुस्कुराते हुए कहा, बिलकुल नहीं। मेरा मालिक जब शाम को घर आएगा और मुझे वहां पर नहीं पाएगा तो वह ढूंढते हुए यहां जरूर आएगा और मुझे इस कीचड़ से निकाल कर अपने घर ले जाएगा। तुम्हें कौन ले जाएगा? थोड़ी ही देर में सच में ही एक आदमी वहां पर आया और गाय को कीचड़ से निकालकर अपने घर ले गया।

अंतर्मन

आज की पाती

सरकारी धन का उचित प्रयोग करें सरकारें

देश में बहुत से राज्यों के लोग मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं, जैसे कि कहीं सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं हैं अर्थात सरकारी अस्पतालों में मरीजों के लिए इलाज की सुविधाएं नहीं, कहीं स्ट्रीट लाइट, कहीं सफाई व्यवस्था, कहीं पीने वाले पानी की समस्या, कहीं टूटी सड़के, लेकिन इनमें से कुछ राज्य बेवजह ही सरकारी पैसे को मुफ्त में लोगों को बांट रहे हैं। अगर इस सरकारी पैसे को ज्यादा से ज्यादा आम लोगों को मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए खर्च किया जाए तो लोगों को सुविधाएं मिलेंगी, जो लोगों की साफ-सफाई, गरीबों को बीमारियों और अन्य बहुत सी समस्याओं को हल करेंगी। इसी तरह बुजुर्गों के लिए बुढ़ापा पेंशन कम से कम 5000 रुपए प्रति माह होनी चाहिए। - *मदन साहू, सरायपाली*

ट्रेंड

व्यापक बदलाव

सात वर्ष पहले आज ही के दिन अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन गए, जिससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के विकास की नई शुरुआत हुई। दोनों क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी व लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव देखने को मिला। **-नरेंद्र मोदी,** पीएम

शीर्ष कोर्ट में 38 जज होंगे

न्यायपालिका के बढ़ते कार्यभार, संवैधानिक एवं कानूनी व्याख्या के उभरते नए सवालों को ध्यान में रखकर उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाना समय की मांग है। अब शीर्ष अदालत में प्रधान न्यायायाधीश को मिलाकर कुल 38 न्यायाधीश हो जाएंगे। **-अर्जुन राम मेघवाल,** केंद्रीय मंत्री

गृहमंत्री जिम्मेदार

छात्रों के खिलाफ हुई हिंसा के लिए भारत के गृह मंत्री जिम्मेदार हैं। उनमें न तो संसद में आकर इस मुद्दे पर बोलने का शिष्टाचार है और न ही यह बताने का साहस कि आखिर क्या हुआ। मुझे युवाओं और उन नौजवानों पर गर्व है, जिन्होंने संविधान, भारत की अवधारणा व देश के भविष्य की रक्षा के लिए आवाज उठाई। **-राहुल गांधी,** नेता विपक्ष

बुनियादी ढांचे का निर्माण

जेन-जेड को यह जानना चाहिए। महज 12 वर्षों में भाजपा-नीत सरकार ने भारत के आधुनिक बुनियादी ढांचे का 60-70 प्रतिशत से अधिक निर्माण किया है। शेष 30-40 प्रतिशत का निर्माण कांग्रेस-नीत सरकारों के करीब 60 वर्षों के शासन के दौरान हुआ। **-पेमा खांडू,** मुख्यमंत्री अरुणाचल प्रदेश

करंट अफेयर

मैसाचुसेट्स ने 15 अगस्त को 'इंडिया डे' किया घोषित

मैसाचुसेट्स की गवर्नर मॉरा हेली ने राज्य के विकास में भारतीय समुदाय के योगदान को मान्यता देते हुए 15 अगस्त को 'इंडिया डे' घोषित किया है और राज्य के निवासियों से इस अवसर के आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लेने का आह्वान किया। एक अगस्त को जारी सरकारी आदेश में गवर्नर ने यह भी कहा कि सामुदायिक संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपने वार्षिक स्वतंत्रता दिवस समारोहों तथा सामुदायिक सेवा गतिविधियों के माध्यम से नागरिक भागीदारी, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी समझ को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी तरह की घोषणा बोस्टन की मेयर मिशेल वू ने भी की है। उन्होंने भी 15 अगस्त को 'इंडिया डे' घोषित किया है। उन्होंने बोस्टन में भारतीय वाणिज्य दूतावास के नए कार्यालय के उद्घाटन का स्वागत किया और 'सेलबोस्टन-250' कार्यक्रम में भारतीय नौसैनिक पोत आईएनएस सुदर्शिनी के आगमन पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। मैसाचुसेट्स की गवर्नर द्वारा जारी सरकारी आदेश में कहा गया है कि 15 अगस्त 2026 को भारत की ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से 1947 में मिली आजादी की 79वीं वर्षगांठ होगी।

ऑफ बीट

जाने कुछ ब्लैक होल दूसरों से बड़े क्यों?

ब्लैक होल घने खगोलीय पिंड होते हैं, जिनका गुरुत्वाकर्षण इतना मजबूत होता है कि कुछ भी खुद में समेट लेते हैं, यहां तक कि प्रकाश भी, इससे बच नहीं सकता है। जो कुछ भी ब्लैक होल के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव की सीमा को पार करेगा, वह ब्लैक होल में गिर जाएगा। इस गहरे, घने गड्ढे के अंदर, इसे फिर कभी नहीं देखा जा सकेगा। ब्लैक होल ब्रह्मांड में यहां-वहां फैले रहते हैं। हमारी आकाशगंगा जैसी आकाशगंगाओं में कुछ छोटे ब्लैक होल बेतरतीब ढंग से बिखरे हुए हैं। अन्य विशाल ब्लैक होल, जिन्हें 'सुपरमैसिव' ब्लैक होल कहा जाता है, आकाशगंगाओं के केंद्र में स्थित हैं। इनका वजन हमारे सूर्य के द्रव्यमान से दस लाख से एक अरब गुना तक हो सकता है। तो आप सोच रहे होंगे: खगोलशास्त्री संभवतः इतनी अंधेरी और इतनी बड़ी चीज़ कैसे देख सकते हैं? मैं एक खगोलशास्त्री हूं जो हमारे ब्रह्मांड में बने पहले सुपरमैसिव ब्लैक होल का अध्ययन करता है। मैं यह समझना चाहता हूं कि ब्लैक होल कैसे बनते हैं और वे किस प्रकार के खगोलीय माहौल में विकसित होते हैं। दो प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, अल्बर्ट आइंस्टीन और कार्ल श्वार्ज़चाइल्ड ने सबसे पहले ब्लैक होल का विचार प्रस्तुत किया था।

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

बोले जायसवाल, जम्मू-कश्मीर सहित लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश भारत के अभिन्न अंग थे, हैं और हमेशा रहेंगे

'यौम-ए-इस्तेहसाल' मनाने की बेतुकी पाकिस्तानी कोशिशों को भारत ने किया खारिज

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

पाकिस्तान है कि अपनी नापाक हरकतों से बाज आने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामले में 5 अगस्त (भारत के लिए जम्मू-कश्मीर से हटाई गई धारा-370, 35ए की 7वीं वर्षगांठ का दिन) को तथाकथित 'यौम-ए-इस्तेहसाल' के रूप में मनाने और इसे लेकर की गई पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री इशाक डार की टिप्पणियों को भारत ने बुधवार को सिरे से खारिज कर दिया है। यहां राजधानी में इस विषय पर मीडिया द्वारा पूछे गए कुछ प्रश्नों के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान जारी कर कहा कि पाकिस्तान की यह हरकत और कुछ नहीं बल्कि हमारे देश के खिलाफ दुर्भावना के साथ किए जाने वाले दुष्प्रचार और राजनीतिक रूप से की जा रही बेतुकी और निरर्थक कोशिशों का हिस्सा मात्र है। जिसे भारत कतई स्वीकार नहीं करता है और हम इसे सिरे से खारिज करते हैं। जहां तक लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश के साथ-साथ समूचे जम्मू-कश्मीर का मसला है। तो यह पूरा क्षेत्र भारत का अभिन्न

संवैधानिक बदलाव, आंतरिक मामला है

उन्होंने कहा कि 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से की गई धारा-370 की समाप्ति और अनुच्छेद 35(ए) के प्रावधानों को हटाकर खत्म किया गया राज्य का विशेष दर्जा एक संवैधानिक परिवर्तन है। जो पूरी तरह से भारत का आंतरिक मामला है। यह हमारे देश के द्वारा लिए गए कुछ ऐसे फैसले हैं, जिनसे इलाके के लोगों को अभूतपूर्व रूप से फायदा हुआ है। उनका सामाजिक-आर्थिक विकास, सुशासन और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण भी इसी बदलाव का नतीजा है। इस लिहाज से देखें तो भारत के अंदरूनी मसलों में पाकिस्तान को किसी भी प्रकार से दखल देने या टीका-टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है।

पीओके में जारी रक्तपात रोके पाक

उन्होंने पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री की टिप्पणी को एक पूर्वानुमानित नाटक करार देते हुए कहा कि भारत के आंतरिक मामलों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय पाकिस्तान को अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में चल रहे रक्तपात को रोकना चाहिए। इसके अलावा उसे अपनी खुद की जमीन से चलने वाले आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ विश्वसनीय और प्रमाणिक कार्रवाई करनी चाहिए। पीओके भारत का इलाका है, पाकिस्तान ने इस पर बलपूर्वक अवैध कब्जा किया हुआ है। जिसे उसे खाली करना चाहिए। पूरी दुनिया हमारे निकट शत्रु राष्ट्र के विरोध में क्षेत्र में हो रहे सुनियोजित प्रदर्शनों से कहीं से भी भ्रमित नहीं होने वाली है।

मानवाधिकार के मामले में रिकॉर्ड निराशाजनक

रणधीर ने कहा, इस पूरी कवायद के जरिए पाक अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के एपीसेंटर के रूप में बनी हुई अपनी स्थिति और मानवाधिकार उल्लंघन को लेकर स्थापित नकारात्मक रिकॉर्ड से वैश्विक समुदाय का ध्यान भटकाने की मंशा रखता है। जबकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पीओके में की जा रही पाक की दमनकारी कार्रवाई के जरिए वहां की जनता के मौलिक अधिकारों के बर्बरतापूर्ण दमन से अंजान नहीं है। बीते कुछ सप्ताह में पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने इलाके के निहत्थे और निर्दोष लोगों की अगुवाई में हो रहे शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शनों को बड़े पैमाने पर की गई हिंसा, लक्षित हत्याओं और सख्त प्रतिबंधों की आड़ में बुरी तरह से कुचलने का प्रयास किया है।

संयुक्त प्रेस वार्ता में विपक्ष के नेता ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

विभिन्न राज्यों के युवा प्रदर्शनकारियों से मिलकर राहुल ने कहा, संविधान बचाने वाले युवाओं पर गर्व

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को विभिन्न राज्यों से आए उन युवा प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की, जिन्होंने 20 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई का सामना किया था। बैठक के बाद आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि छात्रों पर हुई हिंसा, लाठीचार्ज और कथित पेलेट गन के इस्तेमाल के लिए गृह मंत्री अमित शाह जिम्मेदार हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों के साथ उनकी खुलकर बातचीत हुई, जिसमें युवाओं ने बताया कि वे शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन पर लाठियां बरसाईं, मारपीट की, धमकाया और बाद में लगातार उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन छात्रों ने संविधान, लोकतंत्र और भारत के भविष्य की रक्षा के लिए आवाज उठाई है और उन्हें इन पर गर्व है।

उन्होंने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था टूट चुकी है और उसमें सुधार की मांग करना कोई अपराध नहीं है। ये छात्र सिर्फ पेपर लीक रोकने और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे थे। उन्होंने कोई हिंसा नहीं

की, फिर भी उन्हें पीटा गया, डराया गया और उनके घरों तक लोगों को भेजकर जबरन माफी मांगने का दबाव बनाया गया। 15 साल की बच्ची से माफी मंगवाना पूरी तरह अस्वीकार्य है। इन छात्रों को किसी से माफी मांगने की जरूरत नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि इन युवाओं का मीडिया के सामने आकर खुलकर अपनी बात रखना असाधारण साहस का परिचायक है। उन्होंने कहा कि हजारों ऐसे युवा देश में हैं जो संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए खड़े हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जहां ये छात्र मीडिया के सवालों का सामना कर रहे हैं, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह में पत्रकारों के सामने आने का साहस नहीं है।

उन्होंने कहा कि 20 जुलाई की घटना को लेकर केवल दो ही संभावनाएं हैं। पहली, यदि अमित शाह को पुलिस कार्रवाई की जानकारी नहीं थी, तो वे अपने पद की जिम्मेदारी निभाने में अक्षम हैं। दूसरी, यदि कार्रवाई उनके निर्देश पर हुई, तो वे इसके लिए सीधे दोषी हैं। राहुल गांधी ने कहा, दोनों ही स्थितियों में जिम्मेदारी अमित शाह की बनती है। प्रेस वार्ता में शामिल छात्र-छात्राओं ने भी अपने अनुभव साझा किए। मुंबई की रिया अहीर ने कहा कि उन्होंने मुंबई में पुलिस वैन को रोककर 20 बच्चों को कथित अवैध हिरासत में लिए जाने से बचाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद से उन्हें लगातार ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की जा रही हैं और 27 जुलाई को शिकायत दर्ज कराने के बावजूद अब तक एफआईआर की प्रति नहीं मिली है। उन्होंने मीडिया से अपील की कि उन्हें ₹वायरल लड़की₹ नहीं, बल्कि उन बच्चों की मदद करने वाली नागरिक के रूप में देखा जाए।

झारखंड की नूतन टोप्पो ने दावा किया कि जंतर-मंतर पर पुलिस ने पेलेट गन का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी आंखों से पुलिस को गन ताने हुए देखा और पीछे मुड़ते ही उन्हें गोली लगी। उनका कहना था कि उन्हें पूरा विश्वास है कि यह चोट पेलेट गन से लगी है। उन्होंने कहा कि अन्याय के खिलाफ वे आगे भी आवाज उठाती रहेंगी।उत्तर प्रदेश की फराह नाज़ ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बेरहमी से लाठीचार्ज किया। उन्होंने दावा किया कि हिरासत के दौरान उनका नाम पूछने के बाद पुलिसकर्मियों ने उनके मुस्लिम नाम के आधार पर उन्हें 'देशद्रोही' कहा और अलग सूची बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि जब वे 'वंदे मातरम' और भारत माता की जय₹ के नारे लगा रहे थे, तब भी उन्हें देशद्रोही कहा गया। नागपुर के भरत बनैत ने कहा कि उन्होंने प्रदर्शन के दौरान कई घायल छात्रों को एंबुलेंस तक पहुंचाया। उनका आरोप था पुलिस ने अत्यधिक बल प्रयोग किया और कई छात्रों के सिर, हाथ और पैर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी का 'ब्लैक डे' था और अगर उस दिन छात्र पीछे हट जाते, तो लोकतंत्र कमजोर पड़ जाता। दिल्ली की मुस्कान शर्मा ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान एक पुरुष आरएएफ जवान ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और नियमों का उल्लंघन करते हुए उन पर लाठी चलाई। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर केवल सरकार के खिलाफ बोलने के कारण उन्हें मुस्लिम बताकर ट्रोल किया जा रहा है।

कहा, झारखंड के छात्रों को हमारा समर्थन, हम उनकी आवाज उठाएंगे

हम राजनीतिक पार्टी नहीं बनाएंगे, प्रेशर ग्रुप के तौर पर कार्य करते रहेंगे : दीपके

नई दिल्ली (हरिभूमि ब्यूरो) काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने बुधवार को स्पष्ट किया कि वे राजनीतिक पार्टी नहीं बनाएंगे और एक प्रेशर ग्रुप के रूप में कार्य करते रहेंगे। कहा कि वे झारखंड के छात्रों को अपना समर्थन देंगे और उनकी आवाज उठाएंगे। दीपके ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के साथ मतभेदों से इनकार किया और कहा कि उनके त्याग को कभी भूला नहीं जा सकता।

दीपके ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में संगठन के भविष्य की दिशा के बारे में पूछे जाने पर कहा कि भले लोकप्रियता बढ़ रही है, लेकिन यह संगठन राजनीतिक पार्टी के रूप में तब्दील

वांगचुक सर के त्याग को भूला नहीं जा सकता, हमारा कोई मतभेद नहीं

नहीं होगा। चुनावों में हिस्सा लेने के बजाय यह एक राजनीतिक दबाव समूह के रूप में कार्य करता रहेगा। दीपके ने प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा को लेकर भाजपा के खिलाफ अपने आरोपों को दोहराया और कहा कि आंदोलन को पटरी से उतारने का प्रयास किया गया था। उन्होंने दावा किया कि छात्रों को निशाना बनाने और प्रर्दशनों में शामिल लोगों को डराने-धमकाने के लिए अपराधियों का इस्तेमाल किया गया था।

जब उनसे सीजेपी और वांगचुक के बीच किसी मतभेद के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इन अटकलों को खारिज कर दिया। यह सवाल इसलिए उठा, क्योंकि आंदोलन के समापन के दौरान वांगचुक का नाम नहीं लिया गया था। दीपके ने कहा, नहीं, ऐसा नहीं है। मेरी उनसे फोन पर बात होती है। उन्होंने अपनी जान जोखिम में डाल दी थी और 26 दिन तक भूख हड़ताल पर रहे। उनकी भूख हड़ताल के बिना शिक्षा मंत्री धर्मेंद प्रधान का इस्तीफा संभव नहीं था। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से वांगचुक से भूख हड़ताल समाप्त करने का आग्रह किया था। उन्होंने बात मान ली तो राहत मिली।दीपके से जब यह पूछा गया कि क्या उन्हें इस बात का दुख हुआ कि वांगचुक ने भाजपा नेताओं जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह की मौजूदगी में अनशन तोड़ी। उन्होंने कहा, मुझे इससे कोई परेशानी नहीं हुई, लेकिन इस बात को लेकर निराशा हुई थी कि नड्डा और सिंह को उनसे मिलने की अनुमति दी गई लेकिन मुझे उनसे मिलने की इजाजत नहीं मिली। वांगचुक को एक तरह से अपहरण करके लाया गया था।

संसद ने दी मंजूरी

सर्वोच्च न्यायालय में बढ़ेंगे 4 मी-लार्ड, विधेयक पारित

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

संसद ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी। राज्यसभा ने विधेयक पर चर्चा के बाद इसे पारित कर लोकसभा को लौटा दिया। लोकसभा इसे सोमवार को ही पारित कर चुकी थी। विधेयक के कानून बनने के बाद सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को छोड़कर न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 हो जाएगी। यानी अब शीर्ष अदालत में सीजेआई सहित कुल 38 न्यायाधीश होंगे। यह संशोधन सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में किया गया है। इससे पहले मई 2026 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी अध्यादेश जारी किया था। राज्यसभा में चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार न्यायिक सुधारों को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि बढ़ते न्यायिक कार्यभार, संवैधानिक मामलों की जटिलता और लंबित मुकदमों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाना समय की जरूरत थी। इससे शीर्ष अदालत की कार्यक्षमता बढ़ेगी और मामलों के निपटारे में तेजी आएगी।

मेघवाल ने कहा कि सरकार न्यायपालिका में लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए लगातार विभिन्न सुधारात्मक कदम उठा रही है। आवश्यकता के अनुरूप समय-समय पर न्यायाधीशों की संख्या भी बढ़ाई जाती रही है। चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस के विवेक तन्खा ने अध्यादेश लाकर न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में लगभग 95 हजार मामले लंबित हैं

और न्यायिक व्यवस्था में व्यापक सुधार की जरूरत है। भाजपा की संगीता यादव ने विधेयक को ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम बताते हुए कहा कि इससे आम नागरिकों को सुलभ और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कई मामले वर्षों से लंबित हैं और न्यायाधीशों की संख्या बढ़ने से न्याय प्रणाली मजबूत होगी। तृणमूल कांग्रेस की डॉ. मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों में करीब 30 प्रतिशत न्यायाधीशों के पद रिक्त हैं। उन्होंने सरकार से इन रिक्तियों को भी शीघ्र भरने की मांग की। डीएमके के आर. गिरिराजन, बीजद के डॉ. सस्मित पात्रा, वाईएसआर कांग्रेस के एस. निरंजन रेड्डी, एआईएडीएमके के आई. एस. इनबदुरई और शिवसेना की डॉ. ज्योति एन. वाघमारे सहित विभिन्न दलों के सदस्यों ने विधेयक का समर्थन किया। सदस्यों ने न्यायपालिका के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, उच्च न्यायालयों में रिक्त पद भरने और लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे की आवश्यकता पर भी जोर दिया। विधेयक पारित होने के बाद राज्यसभा में विशेष उल्लेख के तहत विभिन्न सदस्यों ने जनहित से जुड़े मुद्दे उठाए। इसके बाद उपसभापति ने सदन की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

यात्रा से मजबूत होंगे भारत और श्रीलंका के संबंध

संपन्न हुई विदेश सचिव विक्रम मिस्री की श्रीलंका यात्रा, शीर्ष नेतृत्व संग हुई बैठकें

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर बनी हुई सुरक्षा चुनौतियों के बीच विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बुधवार को श्रीलंका की यात्रा की है। जिसमें उन्होंने हिंद-महासागर क्षेत्र में मौजूद भारत के इस करीबी देश के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके, प्रधानमंत्री डॉ.हरिनी अमरसूर्या और विदेश मंत्री विजिथा हेराथ के साथ कई उच्च-स्तरीय बैठकें की हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इन सभी बैठकों के दौरान मिस्री ने श्रीलंका के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व के साथ भारत की पड़ोस सबसे पहले नीति, महासागर विजन और इस द्वीपीय देश के प्रति बनी हुई अटूट प्रतिबद्धता को मजबूती के साथ दोहराया। दोनों देशों के बीच मौजूद द्विपक्षीय मुद्दों और अन्य परियोजनाओं पर बने हुए सहयोग की भी व्यापक रूप से समीक्षा की है। दित्वाह चक्रवात के बाद भारत द्वारा श्रीलंका को दिए गए 45 करोड़ डॉलर के पुनर्निर्माण पैकेज सहित बाकी परियोजनाओं के कार्यान्वयन के मामले में हुई प्रगति को लेकर दोनों पक्षों ने संतोष जताया है।

श्रीलंका की पहली स्वतंत्र यात्रा

मंत्रालय ने बताया कि बतौर विदेश सचिव के रूप में विक्रम मिस्री की श्रीलंका की यह पहली स्वतंत्र यात्रा थी। इसके पूर्व में उन्होंने पिछले साल अप्रैल महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्रीलंका दौरे के समय पर और फिर इसी साल अप्रैल महीने में उप-राष्ट्रपति सी.पी.राधाकृष्णन की यात्रा के दौरान श्रीलंका गए प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में शामिल हुए थे। विदेश सचिव की श्रीलंका में हुई मुलाकातों में वहां के विदेश रोजगार, पर्यटन मंत्रालय की सचिव अरुणी रणराजा के साथ हुई मुलाकात भी शामिल है। श्रीलंका के विपक्ष के नेता सजित प्रेमदासा, श्रीलंकाई तमिल-भारतीय मूल के तमिल समुदाय के नेताओं के साथ भी उन्होंने पृथक रूप से कुछ बैठकें की हैं।

बेमौसम सियासी बरसात : उत्तर प्रदेश से प्रशासनिक, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र की डेढ़ दर्जन प्रमुख हस्तियों ने थामा पार्टी का दामन

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

अभी न कोई चुनाव है, न कोई टिकटों की मारामारी है। लेकिन उप्र विधानसभा चुनाव को लेकर गोटियां सजने लगी हैं। उत्तर प्रदेश समेत देश की प्रशासनिक, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी करीब डेढ़ दर्जन प्रमुख हस्तियों ने बुधवार को कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया।

पार्टी के मीडिया व प्रचार (संचार विभाग) के अध्यक्ष व सांसद पवन खेड़ा, उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अनिल जयहिंद और लोकसभा सांसद राकेश राठौर की मौजूदगी में बसपा के कई राज्यों के प्रभारी रहे डॉ. अनूप कुमार अंबेडकर, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता मयंक यादव व श्रेय यादव, उत्तर प्रदेश के पूर्व पीसीएस अधिकारी सुनील कुमार वर्मा, पंजाब कैडर के पूर्व आईएएस अधिकारी चौधरी खुशी राम, उत्तर प्रदेश कैडर के पूर्व आईपीएस व इंडियन पॉलिटिकल जस्टिस पार्टी के प्रमुख बीपी अशोक, किसान आंदोलन में सक्रिय रहे किसान नेता रोहित जाखड़, केरल कैडर के पूर्व आईपीएस सुदेश कुमार, आम आदमी पार्टी के पूर्व सोशल मीडिया प्रभारी और बसपा से लोकसभा उम्मीदवार रहे वकार चौधरी, विक्रांत गौतम, देश बचाओ आंदोलन के सचिन, पॉलिटिकल जस्टिस पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष किशन स्वरूप, आरके मैसी, राजेंद्र प्रसाद विशभ, अमित कुमार, राष्ट्रीय लोकदल की राष्ट्रीय सचिव सावित्री गौतम, अरुण बंसवाल और समाज विकास क्रांति पार्टी के प्रमुख अशोक सिंह कांग्रेस में शामिल हुए।गौतम ने भाजपा सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज देश का हर वर्ग सरकार से ठगा हुआ महसूस कर रहा है। कुछ चुनिंदा पूंजीपतियों को छोड़कर भाजपा ने हर वर्ग को कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल समय में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी युवाओं और वंचित-शोषित वर्गों की आवाज को मजबूती से रख रहे हैं। राहुल के विचार और जज्बे से प्रभावित होकर कई महत्वपूर्ण लोग कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। अनिल जयहिंद ने कहा कि एक तरफ जहां मोदी सरकार के दबाव में राजनीतिक दल टूट रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ आम जनसमर्थन कांग्रेस की ओर आ रहा है। उन्होंने कहा कि देश की युवा पीढ़ी में सरकार के खिलाफ भारी असंतोष है और ऐसे समय में प्रयागराज में होने वाला राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम गेम चेंजर साबित होगा।

सरकार ने 2014 से 26 तक 19.41 करोड़ की मदद दी

केंद्र सरकार ने 456 पत्रकारों या उनके परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान की

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

सरकार ने पत्रकार कल्याण योजना लागू की है, जिसके तहत मृत्यु, स्थायी विकलांगता, गंभीर बीमारियों और दुर्घटना से संबंधित अवस्थाओं में अस्पताल में भर्ती होने के कारण उत्पन्न होने वाली अत्यधिक कठिनाई की स्थिति में पत्रकारों और मीडिया कर्मियों या उनके परिवारों को तत्काल आधार पर एकमुश्त अनुग्रह सहायता प्रदान की जाती है। प्रेस सूचना ब्यूरो- पीआईबी और राज्य तथा केंद्र शासित प्रदेश सरकारों से मान्यता प्राप्त पत्रकारों के साथ-साथ गैर-मान्यता प्राप्त पत्रकार भी इस योजना के अंतर्गत शामिल हैं।

केंद्रीय सूचना और प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने संसद में दामोदर अग्रवाल द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उक्त योजना के तहत, सरकार ने 2014-15 से 2025-26 तक 456 पत्रकारों और मीडिया कर्मियों या उनके परिवारों को 19.41 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की है।

प्रेस सूचना ब्यूरो- पीआईबी से मान्यता प्राप्त पत्रकार स्वयं तथा अपने परिवार के सदस्यों के लिए देशभर में केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) की सुविधाओं के भी पात्र हैं। इसमें सरकारी और सीजीएचएस पैनल में शामिल निजी अस्पतालों में सीजीएचएस दरों पर उपचार भी शामिल है।

प्रेस सूचना ब्यूरो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के पत्रकारों को मान्यता प्रदान करता है। वर्तमान तिथि तक प्रेस सूचना ब्यूरो से मान्यता प्राप्त पत्रकारों की संख्या 1,786 है।

कांग्रेस ने ई-20 पेट्रोल को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला

तेल और तेल की धार, अब ई - 20 को बनाया सियासी आधार, जयराम के आरोप, आमजनों से छीना विकल्प और व्यापारियों को पहुंचाया लाभ

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने ई 20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित) पेट्रोल को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए एक विस्तृत पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया कि मार्च 2025 से देश के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर व्यावहारिक रूप से केवल ई20 पेट्रोल ही उपलब्ध कराया जा रहा है और आम उपभोक्ताओं के सामने अब सामान्य पेट्रोल का विकल्प लगभग समाप्त हो गया है।

जयराम ने दावा किया कि एथेनॉल मिश्रित ईंधन के कारण वाहन कम माइलेज दे रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। उन्होंने एक स्वतंत्र विश्लेषण का हवाला देते हुए कहा कि अप्रैल 2023 से मार्च 2026 के बीच भारतीय वाहन चालकों ने कम माइलेज की भरपाई के लिए सामूहिक रूप से लगभग 88 हजार 234 करोड़ अतिरिक्त खर्च किए। इस दावे की सरकार ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और इस पर अलग-अलग मत सामने आए हैं। कांग्रेस नेता ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री के उस पुराने बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें एथेनॉल आधारित ईंधन को पेट्रोल और डीजल का सस्ता विकल्प बताया गया था। उनका कहना है कि न तो पेट्रोल की कीमतों में अपेक्षित कमी आई और न ही ई 20 को उपभोक्ताओं के लिए सस्ता बनाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि में ई 10 और ई 20 ईंधन पर टैक्स या वित्तीय प्रोत्साहन देकर उपभोक्ताओं को राहत देने की सिफारिश की गई थी। लेकिन सरकार ने उपभोक्ताओं को राहत देने के बजाय एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए हजारों करोड़ की सहायता और प्रोत्साहन दिए, जिससे इस नीति का लाभ उद्योगों को अधिक मिला।

सरकार का पक्ष

सरकार इन आरोपों को खारिज करती रही है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय का कहना है कि ई 20 कार्यक्रम का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना, किसानों की आय बढ़ाना और कार्बन उत्सर्जन घटाना है। सरकार के अनुसार भारत ने 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित समय से पांच वर्ष पहले हासिल किया है और इससे विदेशी मुद्रा की बचत के साथ ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूती मिली है। सरकार ने स्पष्ट किया कि फिलहाल ई 20 से अधिक एथेनॉल मिश्रण बढ़ाने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है तथा भविष्य में ऐसा कोई भी फैसला वैज्ञानिक अध्ययन और सभी हितधारकों से परामर्श के बाद ही होगा। सामान्य पेट्रोल या कम एथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन को अलग से उपलब्ध कराने की योजना नहीं है।

बहस का मुख्य मुद्दा

ई 20 को लेकर वर्तमान बहस 3 प्रमुख बिंदुओं पर केंद्रित है। क्या ई20 से वास्तव में वाहन खराब हो रहे हैं ? माइलेज कम होता है और यदि हां, तो कितना?यदि उपभोक्ताओं को अधिक ईंधन खर्च करना पड़ रहा है, तो क्या उन्हें टैक्स या मूल्य में राहत मिलनी चाहिए? ऊर्जा सुरक्षा, किसानों के हित और पर्यावरणीय लाभों के मुकाबले उपभोक्ताओं पर पड़ने वाला अतिरिक्त खर्च कितना उचित है? सरकार और विपक्ष में राजनीतिक तथा तकनीकी बहस लगातार तेज होती जा रही है। तेल और तेल की धार पर सियासत बढ़ रही है।

खबर संक्षेप

रुपया 13 पैसे मजबूत होकर 95.15 प्रति डॉलर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पश्चिम एशिया संकट के बीच लगातार चौथी बार नीतिगत रेपो दर को यथावत रखने के फैसले के बाद रुपया बुधवार को 13 पैसे मजबूत होकर 95.15 प्रति डॉलर पर रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रातभर आई गिरावट और अमेरिकी डॉलर की कमजोरी ने निवेशकों की धारणा को समर्थन मिला।

व्हर्लपूल इंडिया का लाभ 29.57 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। टिकाऊ उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनी व्हर्लपूल ऑफ इंडिया लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 29.57 प्रतिशत घटकर 102.88 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में यह जानकारी दी। 2025-26 की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 146.08 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि, अमेरिकी कंपनी व्हर्लपूल कॉरपोरेशन की भारतीय इकाई की परिचालन आय समीक्षाधीन तिमाही में 12.1 प्रतिशत बढ़कर 2,726.75 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 2,432.32 करोड़ रुपये थी।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स 152 अंक चढ़ा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लगातार चौथी बार अपनी प्रमुख नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किए जाने के बाद बुधवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबारी सत्र में बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 152 अंक चढ़कर बंद हुआ। इस दौरान 30 शेयर वाला सेंसेक्स 152.05 अंक बढ़त के साथ 78,581 अंक पर रहा। सेंसेक्स के 17 शेयर बढ़त में जबकि 12 नुकसान में रहे। वहीं एक बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। सूचकांक बढ़त के साथ खुला और सत्र के पहले हिस्से में 79,055.38 अंक के दिन के उच्च स्तर को छू गया।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापन (डिस्प्ले/क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष — मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।

मिथुन — भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह — नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

कन्या — धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

तुला — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।

धनु — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर — आलस्य की अधिकता रहेगी। कारोबार का विस्तार होगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बहन-भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ — कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बातचीत में संयत रहें।

मीन — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा, परन्तु शैक्षिक कार्यों में कठिनाई भी आ सकती है। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।

कारोबारी गतिविधियां पिछले 53 महीनों में सबसे धीमी गति से बढ़ीं

सेवा क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में साढ़े चार साल के निचले स्तर पर, नए ऑर्डर की रफ्तार सुस्त

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- घरेलू और निर्यात, दोनों बाजारों में नए कारोबार काफी धीमे रहे
- नए कारोबार में केवल मध्यम वृद्धि दर्ज की गई
- सूचकांक जून के 57.4 से घटकर जुलाई में 53.3 पर आ गया

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में घटकर करीब साढ़े चार साल के निचले स्तर पर आ गई। घरेलू और निर्यात, दोनों बाजारों में नए कारोबार के ऑर्डर धीमे पड़ने, कड़ी प्रतिस्पर्धा और मांग कमजोर होने के कारण कारोबारी गतिविधियों की रफ्तार सुस्त रही। एक मासिक सर्वेक्षण में बुधवार को यह जानकारी दी गई।

एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई (क्रय प्रबंधक सूचकांक) के अनुसार, कारोबारी गतिविधियां पिछले 53 महीनों में सबसे धीमी गति से बढ़ीं। मांग कमजोर रहने और प्रतिस्पर्धी दबाव के बीच नए कारोबार में केवल मध्यम वृद्धि दर्ज की गई।

सेवा क्षेत्र में उत्पादन का विस्तार जारी

मौसम संबंधी उतार-चढ़ाव के आधार पर समायोजित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जून के 57.4 से घटकर जुलाई में 53.3 पर आ गया। यह करीब साढ़े चार साल में वृद्धि की सबसे धीमी दर है। हालांकि, सूचकांक 50 के तटस्थ स्तर से ऊपर बना रहा, जिससे यह संकेत मिलता है कि सेवा क्षेत्र में उत्पादन का विस्तार लगातार जारी है।

कर्मचारियों की संख्या में कोई बदलाव नहीं

केवल छह प्रतिशत कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की जानकारी दी, जबकि 92 प्रतिशत कंपनियों ने कहा कि उनके कर्मचारियों की संख्या में कोई बदलाव नहीं हुआ। भंडारी ने कहा कि नियुक्तियों में मध्यम सुधार हुआ, जबकि लागत दबाव कम होने और कंपनियों द्वारा बिक्री मूल्य बढ़ाने से लाभ मार्जिन में भी सुधार आया।

परिवहन लागत बढ़ने से सेवा क्षेत्र में दबाव

सर्वेक्षण के अनुसार, जुलाई में ईंधन, श्रम, कच्चे माल, प्रौद्योगिकी और परिवहन लागत बढ़ने से सेवा क्षेत्र में लागत का दबाव बना रहा। हालांकि, निर्यात से मिलने वाले नए कारोबार ने सकारात्मक रुख बनाए रखा। कंपनियों ने संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन और अमेरिका से कारोबार बढ़ने की जानकारी दी। सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या में भी वृद्धि जारी रखी।

नए कारोबार में वृद्धि फरवरी 2022 के बाद सबसे धीमी

एचएसबीसी की भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, /"भारत का सेवा क्षेत्र जुलाई में भी बढ़ा, लेकिन इसकी रफ्तार कुछ धीमी रही। कई महीनों के मजबूत प्रदर्शन के बाद घरेलू और निर्यात, दोनों बाजारों में नए कारोबार की वृद्धि कमजोर पड़ी। सर्वेक्षण के अनुसार, नए कारोबार में वृद्धि फरवरी, 2022 के बाद सबसे धीमी रही।

ऑर्डर टाले जाने से वृद्धि प्रभावित

सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने बताया कि कड़ी प्रतिस्पर्धा, मांग में कमी, बाजार की कमजोर परिस्थितियों और ऑर्डर टाले जाने से वृद्धि प्रभावित हुई। जुलाई में नियुक्तियों की रफ्तार में कुछ सुधार हुआ। हालांकि, यह सुधार सीमित रहा।

कारोबारी विश्वास घटकर सात महीने के निचले स्तर पर

सर्वेक्षण के अनुसार, बेहतर मांग और बाजार परिस्थितियों की उम्मीद, प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण की रणनीति तथा विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना से कंपनियों का कारोबारी भरोसा बना रहा। हालांकि, समग्र कारोबारी विश्वास जुलाई में घटकर सात महीने के निचले स्तर पर आ गया।

विनिर्माण क्षेत्र में मामूली तेजी आई

इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई उत्पादन सूचकांक जून के 57.1 से घटकर जुलाई में 54.3 पर आ गया। यह मार्च, 2022 के बाद विस्तार की सबसे धीमी रफ्तार को दर्शाता है। सर्वेक्षण के अनुसार, सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में उल्लेखनीय सुस्ती रही, जबकि विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन की वृद्धि में मामूली तेजी आई।

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस का नया अवतार ‘मैप्स’

maps:
Maheshwari Publicity Service
360° Brand Routes

रायपुर। सन 1964 में अपनी शुरुआत के बाद अखबार और होर्डिंग से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रील्स और सेकंड्स में बदल जाने वाले डिजिटल ट्रेंड्स तक का सफर माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस ने बखूबी तय किया है। मध्य भारत की अग्रणी और आईएनएस मीडिया एजेंसी 'माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस' ने हर दौर को बेहद करीब से देखा और समझा है। अब, समय की इसी तेज रफ़्तार से कदमताल करने के लिए, यह प्रतिष्ठित एजेंसी अपने मॉडर्न अवतार 'मैप्स' के साथ खुद को रीब्रांड कर रही है। इस बदलाव की जरुरत के बारे में बात करते हुए माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस के डायरेक्टर्स प्रकाश माहेश्वरी और पंकज माहेश्वरी ने बताया कि नए दौर में आधुनिक सोच के साथ बिजनेस संचालन करने वाली आज की युवा पीढ़ी और कंटेम्पररी ऑडियंस घंटों की बात सेकंड्स में समझना चाहते हैं। वो ऐसे शब्द पसंद करते हैं जो बोलने में आसान हों और जिनका इम्पैक्ट सीधा हो। 'मैप्स' (अंग्रेजी के शब्द मैप का बहुवचन) का सीधा सा मतलब है नक्शे या रास्ते। जिस तरह एक नक्शा किसी को अनजान रास्तों पर उसकी सटीक मंजलि तक ले जाता है, ठीक उसी तरह 'मैप्स' की फिलॉसफी ब्रांड्स के लिए वो रास्ते तैयार करना है, जो मार्केट की भीड़ से निकलकर सीधे ग्राहकों के दिलों-दिमाग तक पहुंचते हों।

नए लोगो में लगा कोलन

मैप्स के लोगो में लगा 'कोलन' (:) केवल एक डिजाइन नहीं है। व्याकरण जुबान में कोलन का मतलब होता है, 'पिक्चर अभी बाकी है', यानी आगे कुछ आने वाला है। 'मैप्स' के साथ लगा यह कोलन दरअसल एजेंसी की विस्तृत सेवाओं को दर्शाता है। '**maps:**' में 'आउट ऑफ़ द बॉक्स आईडियाज' के साथ ब्रांड कंसल्टेंसी, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग, कंटेंट डेवलपमेंट और डिजिटल मार्केटिंग जैसी वो तमाम सेवाएं मौजूद हैं, जो आज के मार्केट की जरुरत के हिसाब से '**maps:**' को 360 डिग्री एडवरटाइजिंग एजेंसी बनाती हैं।

स्ट्रेटेजिक रीब्रांडिंग

यह केवल पुराना लोगो हटाकर नया रखने की औपचारिकता नहीं है, बल्कि दूर की सोच के साथ की गई एक स्ट्रेटेजिक रीब्रांडिंग है। यह रीब्रांडिंग बदलते मार्केट ट्रेंड्स, नई पीढ़ी की पसंद और टेक्नोलॉजी के इस दौर में ब्रांड्स को समय की मांग के हिसाब से रिलिवेंट बनाए रखने की एक पुख्ता तैयारी है।

रिसर्च और ब्रांड फ़ॉर्मूला

पब्लिक रिलेशन्स, एडवरटाइजिंग, मार्केटिंग और ब्रांडिंग के लिहाज से हर क्लाइंट की अपनी ख़ास जरूरतें होती हैं और तेजी से बदलते मार्केट ट्रेंड्स इसे और भी चुनौतीपूर्ण बना देते हैं, इसलिए ब्रांड्स की जरुरत के हिसाब से रिसर्च आधारित कैंपेन की स्ट्रैटेजी प्लान होगी जिससे सही कस्टमर्स तक सही मैसेज पहुंचे।

विमानन क्षेत्र में और प्रतिस्पर्धा की जरूरत : अकासा एयरलाइंस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- अकासा एयर के सीईओ दुबे ने कहा, स्वामित्व के प्रस्ताव पर विचार जारी

अकासा एयर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय दुबे ने कहा है कि अगर सरकार हवाई अड्डा परिचालकों को एयरलाइन कंपनियों के स्वामित्व की अनुमति देने के प्रस्ताव पर विचार करती है तो कंपनी इसका समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि भारत के विमानन क्षेत्र में और प्रतिस्पर्धा की जरूरत है। अकासा एयर के संस्थापक एवं सीईओ दुबे की यह टिप्पणी उन खबरों के बीच आई है, जिनमें कहा गया है कि सरकार हवाई अड्डा परिचालकों को विमानन कंपनियां रखने की अनुमति देने पर विचार कर रही है। दुबे ने बुधवार को कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि सरकार उस स्थिति से जुड़े सभी पहलुओं पर विचार करेगी। सीईओ ने कहा, ''मुझे पूरा भरोसा है कि वे (सरकार) इस बारे में जानते हैं और सभी पहलुओं को ध्यान में रखेंगे। इसलिए मैं इस कदम का समर्थन करता हूं। देश में विमानन क्षेत्र में ''और अधिक प्रतिस्पर्धा'' की आवश्यकता पर जोर देते हुए अकासा एयर के संस्थापक ने कहा कि भारत में कई एयरलाइंस होनी चाहिए, हो सकती हैं और इसका समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब कोई निजी हवाई अड्डा संचालक किसी एयरलाइन कंपनी का भी स्वामित्व रखता है तो सरकार को कुछ पहलुओं पर विचार करना होगा। दुबे ने कहा, '' मुझे शत-प्रतिशत भरोसा है कि सरकार इन पहलुओं से अवगत है और कानून बनाते समय इन्हें ध्यान में रखेगी।

अकासा के पास 40 बोइंग 737 विमानों का बेड़ा

अकासा एयर के पास वर्तमान में 40 बोइंग 737 विमानों का बेड़ा है और शुक्रवार को उसके परिचालन के चार साल पूरे हो जाएंगे। कंपनी ने सात अगस्त, 2022 को उड़ान सेवाएं शुरू की थीं। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने तीन अगस्त को राज्यसभा में लिखित जवाब में कहा था कि सरकार मौजूदा एयरलाइन कंपनियों के विस्तार और नए परिचालकों के बाजार में प्रवेश को सुगम बनाने के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने को प्रतिबद्ध है।

मस्क द्वारा संचालित स्पेसएक्स को 54.1 करोड़ डॉलर का घाटा

- घाटा वॉल स्ट्रीट द्वारा लगाए गए अनुमानों से कम

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

सार्वजनिक कंपनी के रूप में अपनी पहली तिमाही रिपोर्ट में स्पेसएक्स को घाटा हुआ है। हालांकि, यह वॉल स्ट्रीट द्वारा लगाए गए अनुमानों से कम है। साथ ही कंपनी के राजस्व में जोरदार उछाल देखने को मिला है। कंपनी ने विशेष रूप से कृत्रिम मेधा (एआई) पर अपने खर्च में काफी बढ़ोतरी की है। एलन मस्क द्वारा संचालित इस कंपनी को जून में समाप्त तिमाही के दौरान 54.1 करोड़ डॉलर का घाटा हुआ, जो वित्तीय विश्लेषकों के अनुमान के आधे से भी कम है। कंपनी का राजस्व बढ़कर 7.8 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 90 प्रतिशत से अधिक है। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का सबसे बड़ा नकदी स्त्रोत इसका ''कनेक्टिविटी'' कारोबार रहा, जिसमें राजस्व सालाना आधार पर 66 प्रतिशत बढ़ा। इसकी वजह स्टारलिंक उपग्रह संचार सेवा के ग्राहकों की संख्या का दोगुना होकर 1.2 करोड़ पहुंचना रहा।

सोना एक माह के उच्चतम स्तर पर, चांदी में 6200 रुपये की तेजी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतों में लगातार दूसरे दिन तेजी आई और यह एक महीने के सबसे ऊंचे स्तर 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। ऐसा वैश्विक स्तर पर कीमती धातुओं की कीमतों में भारी उछाल के कारण हुआ। अखिल भारतीय सराफा संघ के मुताबिक, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,500 रुपये यानी 1.7 प्रतिशत बढ़कर 1,50,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) हो गई। मंगलवार को यह 1,47,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इससे पहले यह कीमती धातु छह जुलाई को इस स्तर के आसपास कारोबार कर रही थी।

प्रतिवर्ष 300 तक भारतीय छात्रों को कनाडा में पूर्णतः वित्तपोषित शोध

नई दिल्ली। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने भारतीय विद्यार्थियों के लिए वैश्विक शोध एवं शैक्षणिक सहयोग के नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए एआईसीटीई–मिटैक्स ग्लोबलिंक रिसर्च इंटर्नशिप (जीआरआई) 2027 कार्यक्रम के लिए आवेदन प्रक्रिया का शुभारंभ किया है। इस अवसर पर एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. योगेश सिंह ने कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया। यह विश्व के प्रतिष्ठित स्नातक स्तर के अंतरराष्ट्रीय शोध इंटर्नशिप कार्यक्रमों में से एक है। यह पहल एआईसीटीई और कनाडा के मिटैक्स के बीच हुए समझौता ज्ञापन का परिणाम है, जिसके अंतर्गत वर्ष 2027 से प्रारंभ होकर आगामी तीन वर्षों तक प्रतिवर्ष 300 तक पात्र भारतीय स्नातक विद्यार्थियों को कनाडा के अग्रणी विश्वविद्यालयों में 12 सप्ताह की पूर्णतः वित्तपोषित शोध इंटर्नशिप दी जाएगी।

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस का नया अवतार 'मैप्स'

रायपुर। सन 1964 में अपनी शुरुआत के बाद अखबार और होर्डिंग से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रील्स और सेकंड्स में बदल जाने वाले डिजिटल ट्रेंड्स तक का सफर माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस ने बखूबी तय किया है। मध्य भारत की अग्रणी और आईएनएस मीडिया एजेंसी 'माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस' ने हर दौर को बेहद करीब से देखा और समझा है। यह प्रतिष्ठित एजेंसी अपने मॉडर्न अवतार 'मैप्स' के साथ खुद को रीब्रांड कर रही है। माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस के डायरेक्टर्स प्रकाश माहेश्वरी और पंकज माहेश्वरी ने बताया कि नए दौर में आधुनिक सोच के साथ बिजनेस संचालन करने वाली आज की युवा पीढ़ी और कंटेम्पररी ऑडियंस घंटों की बात सेकंड्स में समझना चाहते हैं।

ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर राम नरेश सिंह ने किया 3 हरियाणा बटालियन एनसीसी, हिसार का दौरा

हिसार। एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, रोहतक के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर राम नरेश सिंह ने गिरि सेंटर, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार स्थित 3 हरियाणा बटालियन एनसीसी, हिसार का औपचारिक दौरा किया। बटालियन पहुंचने पर कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सुनील कटारिया तथा प्रशासनिक अधिकारी कर्नल किशन दत्त ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर विभिन्न शिक्षण संस्थानों से आए एनसीसी कैडेट्स ने ग्रुप कमांडर को आकर्षक गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **खुशनासिब उर्फ काले, पुत्र नासिर निवासी ए-20, जी.नं.1, रहीश हलवाई की दुकान नंबर 33 के पास, 100 फुटा रोड कबीर नगर, वेलकम, दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 708/2022 धारा 25/54/59 आर्म्स एक्ट, थाना वेलकम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **खुशनासिब उर्फ काले** मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **खुशनासिब उर्फ काले** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 708/2022 धारा 25/54/59 आर्म्स एक्ट, थाना वेलकम, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **खुशनासिब उर्फ काले** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **06.10.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
दीपाक्षी राणा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-03, कोर्ट नं.19
कड़कड़डूमा, शाहदरा जिला, दिल्ली

DP/10723/NE/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दीपू** पुत्रः **पोपी राम** पताः **मकान नं. ए–290, भूतल, शाहबाद दौलतपुर, दिल्ली और ए–283, शाहबाद दौलतपुर, दिल्ली** ने case **FIR No. 438/2018 U/s 392/411/34 IPC, थानाः के. एन. काटजू मार्ग, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीपू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीपू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **case FIR No. 438/2018 U/s 392/411/34 IPC, थानाः के. एन. काटजू मार्ग, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **दीपू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद / मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 08.09.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री आकाश शर्मा
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
उत्तर जिला, रूम नं. 213
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/10881/RD/2026 (Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद मेहताब हुसैन, पुत्रः** मोहम्मद तफुज्जुल हुसैन, **निवासीः** 16/581, बापा नगर, करोल बाग, दिल्ली; एवं 16/265–ई, बापा नगर, करोल बाग, दिल्ली; एवं 287/ए–16, गली नं. 19, प्रेम नगर, पटेल नगर, दिल्ली; एवं गोविंदपुर, धनबाद, झारखंड ने मुकदमा **FIR No. 260/22 U/s 376/506 IPC and 6 POCSO Act, थानाः नबी करीम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद मेहताब हुसैन** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद मेहताब हुसैन** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 260/22 U/s 376/506 IPC and 6 POCSO Act, थानाः नबी करीम, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मोहम्मद मेहताब हुसैन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री राणा दीपक सिंह,
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, (एफटीएससी) (पोक्सो)–2,
कमरा नं. 142, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/10768/CD/2026
(Court Matter)

शब्द पहेली - 6309

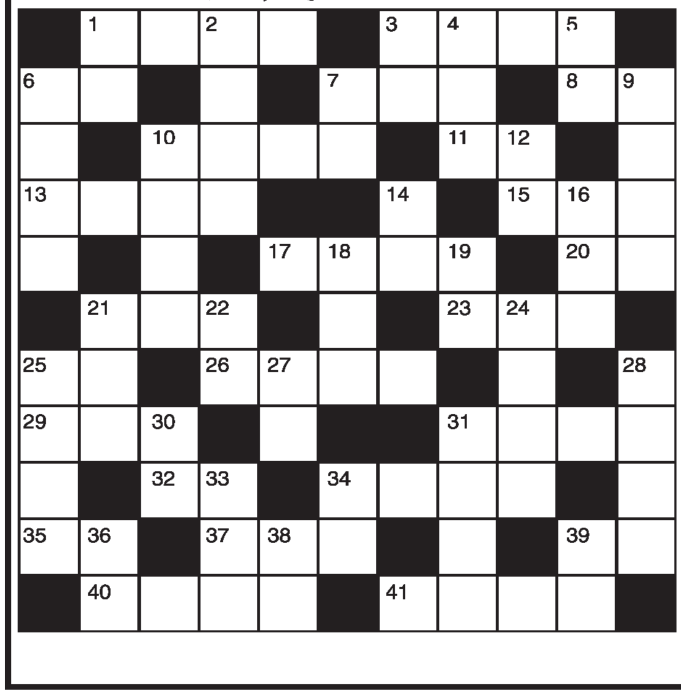

बाएँ से दाए
1. जाति, समाज, बुंधता-4
3. स्वयंवर माला, जीत-4
6. चूहे का घर-2
7. स्थिर, टिका हुआ-3
8. पार्थिव देह, लाश-2
10. सुवासित करना-4
11. थोड़ा, कम-2
13. मोटा आटा, दानेदार-4
15. गौरव, अभिमान-3
17. विष्णु, नारायण-4
20. वाहन, गाड़ी, जहाज-2
21. होशियार, दक्ष-3
23. उचित, सही-3
25. जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26. करिश्मा, करतब-4
29. भर्त्सना, धिक्कार-3
31. गुलाम, परतंत्र-4
32. बेल, लतिका-2
34. आश्चर्य-4
35. नांद, टप-2
37. मग्नता-3
39. मछली-2
40. कुशलपूर्वक, सुरक्षित-4
41. मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे
1. विधेयक, देयक-2
2. विजयादशमी-4
3. जीत, विजय-2
4. जुड़वा-3
5. शव, मृत शरीर-2
6. बंधु, सजातीय, भाई-4
7. एक आंख वाला-2
9. मौजूदा, आधुनिक-4
10. मदमस्त-4
12. धुन, लय, सुर-2
14. इच्छा, कामना-2
16. सुर साधना-3
18. भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19. छुट्टी, अवकाश-2
21. अच्छे कुल का-3
22. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. यम, मृत्यु का देवता-4
25. अपमिश्रण, खोट-4
27. निशा, रात्रि-2
28. कहासुनी, कलह-4
30. तल्ला, पैंदा-2
31. गुलामी, पराश्रित-4
33. शिक्षा (उर्दू-3)
34. अदा करना, चुकाना-2
36. एक सवारी गाड़ी-2
38. झुका हुआ-2
39. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली- 6308 का हल

प	व	न	कु	मा	र		म	क	ब	रा
ला	न		त		स	ली	का		स	त
य		प	र	वा	ना		न	न		दि
न	का	र	ना			क		म	हा	न
वा		ख		स	ह	ल	ज		ज	
दी	वा	ना	प	न		प	र	व	री	श
	जि		र	स	ले	ना		न		री
ग	ब	न		नी			अ	वा	न्त	र
ज		शा	न		आ	ब	नू	स		र
रा	ज		ज	टा	यु		रू		क	क्ष
ज	ल	च	र		ध	र्मों	प	दे	श	क

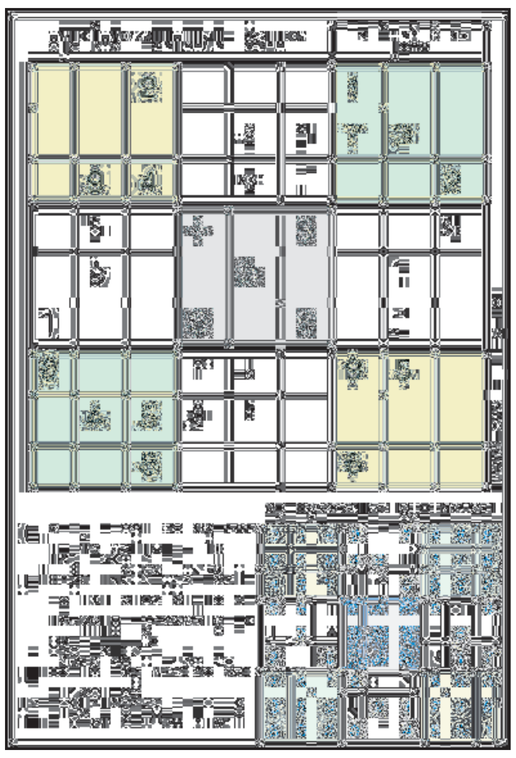

भारत में प्रैक्टिस मैच नहीं खेलेगी ऑस्ट्रेलिया

21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी सीरीज

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि उनकी टीम अगले वर्ष भारत के खिलाफ होने वाली बहुचर्चित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट श्रृंखला से पहले कोई अभ्यास मैच नहीं खेलेगी। उनका मानना है कि उपमहाद्वीप जैसी परिस्थितियों में छोटा तैयारी शिविर टीम के लिए अधिक उपयोगी साबित होगा। पांच टेस्ट मैचों की यह बहुप्रतीक्षित श्रृंखला 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत में पिछली बार 2004-05 सत्र में टेस्ट श्रृंखला जीती थी। इसके बाद से वह भारतीय सरजमीं पर कोई टेस्ट श्रृंखला अपने नाम नहीं कर सका है।

कुहनेमैन मर्फी संभावित खिलाड़ियों में शामिल

रिपोर्ट के अनुसार मैथ्यू कुहनेमैन, टॉड मर्फी, कूपर कोनोली, पीटर हैंड्सकॉम्ब और मैथ्यू रेनशॉ भारत दौरे के लिए संभावित खिलाड़ियों में शामिल हैं। मैकडोनाल्ड ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा। भारत की परिस्थितियों के अनुरूप कुछ अलग कौशल वाले खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया जा सकता है। इसलिए जरूरी नहीं कि न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में शामिल टीम ही भारत दौरे पर जाए। उन्होंने कहा कि कुछ खिलाड़ियों को अतिरिक्त तैयारी की आवश्यकता होगी और इसकी शुरुआत ऑस्ट्रेलिया में ही कर दी जाएगी।

हम कोई अभ्यास मैच नहीं खेलेंगे : मैकडोनाल्ड

मैकडोनाल्ड ने कहा, 'हमें लगता है कि परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। इसलिए हम कोई अभ्यास मैच नहीं खेलेंगे। हमारा पूरा ध्यान ऐसी जगह तैयारी करने पर होगा, जहां भारत जैसी परिस्थितियां मिल सकें। उन्होंने बताया, ' टीम के सामने दो विकल्प हैं। ऑस्ट्रेलिया पहले संयुक्त अरब अमीरात में भी तैयारी कर चुका है और 2023 के भारत दौरे से पहले बेंगलुरु में शिविर लगाया था। फिलहाल टीम प्रबंधन इस बात पर विचार कर रहा है कि खिलाड़ियों की तैयारी के लिए कौन-सा विकल्प सबसे उपयुक्त रहेगा।'

विश्वकप 2027: क्वालीफायर की तारीखें आई सामने

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईसीसी ने अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू कर दी है। क्वालिफाइंग टूर्नामेंट की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। आईसीसी ने ये मैच फरवरी और मार्च के बीच कराने का शेड्यूल बनाया है। टूर्नामेंट का फॉर्मेट पहले ही बताया जा चुका है और इसके रोमांचक होने की उम्मीद है, लेकिन क्वालिफायर के वेन्यू (जगहें) अभी तय नहीं हुए हैं। 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी जोरों पर है। यह पक्का हो गया है कि क्वालिफाइंग मैच लगभग एक महीने तक, 22 फरवरी से 23 मार्च के बीच खेले जाएंगे। इन मैचों से तय होगा कि कौन सी टीमें वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करेंगी। हालांकि वर्ल्ड कप की सही तारीखों का अभी आधिकारिक तौर पर ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन उम्मीद है कि टूर्नामेंट 4 अक्टूबर से 11 नवंबर के बीच होगा। इस टूर्नामेंट की मेजबानी साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया मिलकर करेंगे और इन देशों के 12 स्टेडियम में मैच खेले जाएंगे।

ऐसा होगा क्वालिफाइंग फॉर्मेट

क्वालिफाइंग फॉर्मेट की बात करें तो इसमें कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। जीतने वाली टीमों को वनडे वर्ल्ड कप में सीधे एंट्री मिलेगी, जिसमें 14 देश हिस्सा लेंगे। दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें सबसे पहले 'सुपर सीरीज' में हिस्सा लेंगी। इस सीरीज में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम 12 टीमों की लाइनअप में शामिल होगी और वर्ल्ड कप के लिए आगे बढ़ेगी। असल में, सुपर सीरीज को ही वर्ल्ड कप इवेंट का हिस्सा माना जाएगा।

रैंकिंग में टॉप 8 में रहने वाली टीमों को फायदा

आईसीसी ने तय किया है कि 30 सितंबर 2026 तक आईसीसी वनडे रैंकिंग में टॉप 8 में रहने वाली टीमें सीधे क्वालिफाई करेंगी। सबसे कम रैंकिंग वाली दो टीमों को क्वालिफायर खेलना होगा। मेजबान के तौर पर साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे ने पहले ही अपनी जगह पक्की कर ली है। इसका मतलब है कि कुल 10 टीमें मुकाबला करेंगी। सबसे कम रैंकिंग वाली दो टीमें, क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 स्टैंडिंग की टॉप चार टीमें और वर्ल्ड कप क्वालिफायर प्ले-ऑफ से चार टीमें।

खबर संक्षेप

15 अक्टूबर से डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप

नई दिल्ली। शुभंकर शर्मा और अनिर्बान लाहिड़ी 15 से 18 अक्टूबर तक दिल्ली गोल्फ क्लब में होने वाली डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे जबकि इसमें रोरी मैकलरॉय और गत चैंपियन टॉमी फ्लीटवुड जैसे दिग्गज भी भाग लेंगे। चार मिलियन डॉलर ईनामी राशि का यह टूर्नामेंट 'रेस टू दुबई' के 9 टूर्नामेंटों में आठवां है। डीपी वर्ल्ड टूर चैंपियनशिप दुबई में नवंबर में होगी। शर्मा और लाहिड़ी के साथ इसमें गत ओपन चैंपियन रियान फॉक्स, शेन लॉरी, जस्टिन रोस, यूरोपीय राइडर कप कप्तान ल्यूक डोनाल्ड और राइडर कप स्टार विक्टर होवलैंड भी नजर आएंगे।

पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप में भाग लेंगी 4 भारतीय

लंदन। दीक्षा डागर और अदिति अशोक समेत 4 भारतीय गोल्फर 20 लाख डॉलर ईनामी राशि के लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) की पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप में भाग लेंगी। दीक्षा दो बार एलईटी खिताब जीत चुकी हैं । वह लगातार शीर्ष दस में रही हैं और फिलहाल 'आर्डर आफ मेरिट' में आठवें स्थान पर है। वह 2023 में शीर्ष तीन में रही थी। पांच बार की एलईटी विजेता अदिति अभी तक एलपीजीए टूर पर जीत दर्ज नहीं कर सकी हैं। उनके अलावा अवनि प्रशांत और प्रणवी उर्स भी इस टूर्नामेंट में भाग लेंगी, जिसमें 120 खिलाड़ी नजर आएंगे।

आज से रैकेटलॉन विश्व चैंपियनशिप

नई दिल्ली। विक्रमादित्य चौफला की अगुवाई में भारतीय टीम रॉटरडम में गुरुवार से शुरू हो रही रैकेटलॉन विश्व चैंपियनशिप में लगातार तीसरी बार खिताब जीतने उतरेगी। भारत की छह सदस्यीय टीम का ऐलान रैकेटलॉन भारत खेल संघ ने किया, जिसमें चौफला, प्रशांत सेन, मोनिश मशरुवाला, अक्षय गांधी, राघव जटिया और निधि तिवारी शामिल हैं। यह टीम चैलेंज कप में भाग लेगी, जिसमें भारत ने पिछले साल खिताब जीता था। रैकेटलॉन अनूठा खेल है, जो टेबल टेनिस, बैडमिंटन, स्क्वाश और टेनिस का मिश्रण है और चारों खेलों के कुल स्कोर मिलाकर विजेता का चयन होता है ।

भारतीय टीम ने 1932 में खेला था पहला टेस्ट

ऐतिहासिक मैच : 15 अगस्त को 600वां टेस्ट खेलेगी टीम इंडिया

गिल की कप्तानी में जुड़ेगा एक और नया अध्याय

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारतीय टीम दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका पहुंच चुकी है। जब 15 अगस्त को दोनों टीमें पहले टेस्ट के लिए आमने सामने होंगी तो वो एक ऐतिहासिक मैच बन जाएगा।

दुनिया की केवल दो ही टीमें ऐसी हैं, जो अब तक 600 टेस्ट मैच खेल पाई हैं, अब उसमें भारत का नाम भी शामिल हो जाएगा। ये एक बड़ी उपलब्धि होगी, जो भारत की आजादी की वर्षगांठ के दिन मिलेगी। इस बीच टीम इंडिया श्रीलंका पहुंच चुकी है और जल्द ही तैयारी भी शुरू हो जाएगी। भारतीय टीम अब तक 599 टेस्ट मैच खेल चुकी है और श्रीलंका के खिलाफ गॉल में होने वाला मुकाबला 600वां मैच होगा।

आजादी से पहले खेल लिया था पहला टेस्ट

भारत ने अपना पहला टेस्ट आजादी से पहले ही खेल लिया था। पहला मुकाबला 1932 में खेला गया था। तब भारत के कप्तान सीके नायडू हुआ करते थे, तब से लेकर अब तक इतना लंबा सफर तय किया गया है, जोकि अपने आप में ऐतिहासिक रहा है। इस बीच 1932 से लेकर अभी तक कई टेस्ट कप्तान रहे, लेकिन अब शुभमन गिल की कप्तानी में एक और अध्याय जुड़ने जा रहा है।

सारांश जैन

आकिब नबी

इंग्लैंड ने खेले सबसे ज्यादा टेस्ट, दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया

अब तक केवल दो ही टीमें ऐसी हैं, जो 600 टेस्ट का आंकड़ा पार कर चुकी हैं। सबसे ज्यादा टेस्ट तो इंग्लैंड ने ही खेले हैं। टीम अब तक 1097 टेस्ट खेल चुकी है। उसकी बराबरी करना किसी के लिए भी करीब करीब असंभव टाइप का है। इंग्लैंड ने अपना पहला टेस्ट 1877 में खेला था। इसके बाद दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की टीम है। ऑस्ट्रेलिया ने भी अपना पहला टेस्ट साल 1877 में ही खेला था। तब से लेकर अब तक टीम 882 टेस्ट खेल चुकी है।

599 टेस्ट खेल चुकी है टीम इंडिया

भारत ने अपना पहला टेस्ट साल 1932 में खेला था। तब से लेकर अब तक टीम 599 टेस्ट खेल चुकी है। इस दौरान भारत ने 186 टेस्ट मैच जीते हैं और 188 में हार का सामना करना पड़ा है। 224 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। केवल एक ही मैच ऐसा हुआ, जो टाई पर समाप्त हुआ है। 15 अगस्त को भारत और श्रीलंका की टीमें भिड़ेंगी तो रोमांच अपने चरम पर होगा। ये सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेली जाएगी।

श्रीलंका को 2-0 से हराने से भारत को होगा फायदा

श्रीलंका के खिलाफ शुरू हो रहे टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंकतालिका में 5वें स्थान पर है। भारत ने अब तक वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 साइकल में कुल 9 टेस्ट खेले हैं, जिसमें उसे 4 में जीत मिली है जबकि 4 मैचों में उसे हार मिली है और एक मैच ड्रॉ रहा है साथ ही भारत की जीत प्रतिशत 48.15 है। अब भारत अगर श्रीलंका को 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से हरा देता है तो टीम इंडिया की जीत प्रतिशत 57.58 हो जाएगी और वो 5वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच जाएगी।

आईसीसी रैंकिंग

शुभमन-इशान टॉप पर, बाबर आजम को फायदा, वैभव टॉप 50 में बरकरार

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी ने अपनी पुरुष क्रिकेट की ताजा रैंकिंग जारी कर दी हैं। इन दिनों दुनियाभर में जारी इंटरनेशनल क्रिकेट के मुताबिक पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान बाबर आजम को टेस्ट बैटर्स की रैंकिंग में चार स्थान का फायदा हुआ है। जबकि टी20 बल्लेबाजों में इशान किशन और वनडे बल्लेबाजों में शुभमन गिल टॉप पर हैं। वहीं टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में 15 साल के वैभव सूर्यवंशी 48वें स्थान पर टॉप 50 में बने हुए हैं।

नीदरलैंड्स के एडवर्ड्स ने लगाई चार स्थान की छलांग

जारी ताजा रैंकिंग में नीदरलैंड्स के विकेटकीपर बल्लेबाज और कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने वनडे के बल्लेबाजों की रैंकिंग में चार स्थान की छलांग से 38वें से 34वें स्थान पर जगह बनाई है। जबकि टेस्ट के बल्लेबाजों की रैंकिंग में बाबर आजम 19वें से 15वें स्थान पर आ गए हैं। दुनिया में इस वक्त टी20 इंटरनेशनल हो नहीं रहा है, इसी कारण उसमें बदलाव नहीं हुए हैं। इशान किशन नंबर 1 बल्लेबाज हैं और राशिद खान गेंदबाजों में नंबर 1 पर काबिज हैं।

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भारतीय अव्वल

वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में नीदरलैंड्स के ही रुलोफ वान डर मर्व 11 स्थान की छलांग के साथ 74वें से 63वें स्थान पर आ गए हैं। जबकि टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह टॉप पर हैं। वहीं कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा (14वें, 15वें, 16वें क्रमशः) को श्रीलंका सीरीज से पहले एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। पाकिस्तान के मोहम्मद अब्बास 9 स्थान की छलांग के साथ 17वें स्थान पर आ गए हैं। टेस्ट ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में रविंद्र जडेजा टॉप पर हैं। अक्षर पटेल को दो स्थान का नुकसान हुआ और वह 10वें से 12वें पर खिसक गए।

द हंड्रेड

बीच टूर्नामेंट में मार्करम ने छोड़ा एमएसजी का साथ

बटलर बने कप्तान

मैनचेस्टर। 'द हंड्रेड' के मौजूदा सीजन के बीच मैनचेस्टर सुपर जायंट्स (एमएसजी) को एक झटका लगा है। टीम के कप्तान एडेन मार्करम निजी कारणों से टूर्नामेंट को बीच में ही छोड़कर घर लौट गए हैं। उनके स्थान पर माइकल ब्रेसवेल को टीम में शामिल किया गया, जबकि कप्तानी का जिम्मा जोस बटलर को मिला है। रिपोर्ट के अनुसार, एडेन मार्करम 'द हंड्रेड 2026' के शेष मैच नहीं खेल सकेंगे। मार्करम निजी कारणों के चलते इंग्लैंड में जारी टूर्नामेंट के बीच में ही साउथ अफ्रीका लौट गए हैं। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, मैनचेस्टर सुपर जायंट्स पुष्टि कर सकती है कि पुरुष टीम के कप्तान एडेन मार्करम निजी कारणों से साउथ अफ्रीका लौट गए हैं। एडेन मार्करम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल), एसए20 और द हंड्रेड में सुपर जायंट्स फ्रेंचाइजी की तीनों टीमों का हिस्सा हैं।

बटलर शानदार फॉर्म में

दूसरी ओर, बटलर मौजूदा सीजन में शानदार फॉर्म में दिख रहे हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने सिर्फ पांच मुकाबलों में 112 की शानदार औसत से 226 रन बनाए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद पहली बार कप्तानी की भूमिका संभालते हुए वह अपनी लय को बरकरार रखना चाहेंगे। एमएसजी को 'द हंड्रेड 2026' में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने अब तक अपने शुरुआती पांच मुकाबलों में से सिर्फ दो जीते हैं। तीन मुकाबलों में इस टीम को हार का सामना करना पड़ा है। यह टीम फिलहाल प्वाइंट्स टेबल में छठे पायदान पर है, जिसे नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीद कायम रखने के लिए शेष मुकाबलों में जोरदार वापसी करनी होगी।

शीर्ष पर प्रज्ञानानंदा, हासिल किए 18 में से 12 अंक

एजेंसी ▶▶| सेंट लुइस

ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने सेंट लुइस रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज प्रतियोगिता के रैपिड वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए 18 में से 12 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उन्होंने इसके साथ ही वर्ष के अंत में होने वाले 'ग्रैंड शतरंज टूर (जीसीटी)' फाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदें भी कायम रखी हैं। विश्व चैंपियनशिप 2026 की दौड़ से बाहर हो चुके प्रज्ञानानंदा ने 9 दौर के रैपिड मुकाबलों में बेहतरीन तकनीक, सटीक चालों और जीत के जज्बे का परिचय दिया। उन्हें हालांकि के नौवें और अंतिम दौर में नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर जॉर्डन वान फोरेस्ट से हार का सामना करना पड़ा, फिर भी वह एक अंक की बढ़त के साथ शीर्ष पर बने रहे। उन्होंने उजबेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव (11 अंक) को पीछे छोड़ा, जो इस वर्ष विश्व चैंपियनशिप मुकाबले में डी. गुकेश को चुनौती देंगे।

- प्रज्ञानानंदा ने सिंदारोव को छोड़ा पीछे
- सेंट लुइस रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज : रैपिड मुकाबलों में चली सटीक चालें

पुरस्कार राशि 2 लाख अमेरिकी डॉलर

प्रतियोगिता का परिणाम केवल रैपिड वर्ग से तय नहीं होगा। अब 18 ब्लिट्ज मुकाबले खेले जाएंगे, जिनके बाद कुल विजेता का फैसला होगा। प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि दो लाख अमेरिकी डॉलर है, जिसमें विजेता को 50 हजार अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। प्रज्ञानानंदा ने रैपिड वर्ग में चार जीत (प्रत्येक जीत पर दो अंक), चार ड्रॉ और एक हार के साथ कुल 12 अंक जुटाए। अब उनका पूरा ध्यान 18 दौर के ब्लिट्ज मुकाबलों पर होगा, जहां प्रत्येक जीत के लिए एक अंक मिलेगा।

सिंदारोव 11 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर : सिंदारोव 11 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि अमेरिका के वेस्ली सो 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। इनके बाद अमेरिका के लेवोन अरोनियन, नीदरलैंड के अनीश गिरी, क्यूबा मूल के अमेरिकी लेनियर डोमिंगेज पेरेज और जर्मनी के विन्सेंट कीमर नौ-नौ अंकों के साथ संयुक्त रूप से अगले स्थान पर हैं।

सिनसिनाटी ओपन नहीं खेलेंगे अल्काराज

सिनसिनाटी। दुनिया के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज दाईं कलाई की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए। यह चोट उन्हें अप्रैल से परेशान कर रही है। स्पेन के अल्काराज इस हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रहे थे। यह प्रतियोगिता यूएस ओपन से पहले महत्वपूर्ण अभ्यास टूर्नामेंट मानी जाती है। टूर्नामेंट निदेशक बॉब मोरान ने कहा, 'हम जानते हैं कि कार्लोस जल्द से जल्द कोर्ट पर लौटने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में सिनसिनाटी में उनका स्वागत करने की उम्मीद करते हैं।

एसए20 : सनराइजर्स से जुड़े मार्श, सुपर जाइंट्स में कुरेन

एजेंसी ▶▶| जोहानिसबर्ग

आस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श एसए20 में पदार्पण करके तीन बार की चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप से जुड़ेंगे जबकि इंग्लैंड के हरफनमौला सैम कुरेन अब मुंबई इंडियंस केपटाउन की जगह डरबन सुपर जाइंट्स के लिए खेलेंगे। सनराइजर्स ईस्टर्न केप के पास क्विंटोन डिकॉक, मैथ्यू ब्रीज्के, जोर्डन हरमान और कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स जैसे बल्लेबाज हैं। वहीं कुरेन इंग्लैंड के अपने साथी जोस बटलर के साथ सुपर जाइंट्स टीम का हिस्सा होंगे। पिछली उपविजेता प्रिटोरिया कैपिटल्स को शीर्षक्रम में फिल साल्ट और आस्ट्रेलिया के मैट शॉर्ट जैसे बल्लेबाज मिल गए हैं। उनके पास डेवाल्ड ब्रेविस, शेरफान रदरफोर्ड, आंद्रे रसेल और कोनोर ईस्टरहुइजेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज भी हैं।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण सूचना

नई दिल्ली-सुपौल-नई दिल्ली के बीच विशेष रेलगाड़ी का संचालन

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए उत्तर रेलवे द्वारा नई दिल्ली–सुपौल–नई दिल्ली के बीच एक विशेष रेलगाड़ी संचालित करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:

04072/04071 नई दिल्ली-सुपौल-नई दिल्ली आरक्षित विशेष एक्सप्रेस (प्रतिदिन) — 112 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04072		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04071	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	21:35	नई दिल्ली	15:00	---
22:10	22:12	गाजियाबाद	13:57	13:59
01:18	01:20	अलीगढ जं.	11:30	11:32
03:20	03:22	टूण्डला जं.	10:20	10:22
04:38	04:40	इटावा जं.	08:10	08:12
06:50	06:55	गोविन्दपुरी	06:10	06:15
11:50	11:55	प्रयागराज जं.	01:35	01:45
14:35	14:45	वाराणसी	22:30	22:40
15:25	15:27	औंड़िहार जं.	21:03	21:05
16:15	16:25	गाजीपुर सिटी	20:05	20:15
17:23	17:25	बलिया	18:37	18:39
18:03	18:05	सुरेमनपुर	17:55	17:57
19:20	19:30	छपरा	17:10	17:20
20:53	20:55	सोनपुर	15:05	15:07
21:05	21:10	हाजीपुर जं.	14:50	14:55
22:10	22:12	शाहपुर पटोरी	13:30	13:32
00:35	00:45	बरौनी जं.	12:20	12:30
01:03	01:05	बेगूसराय	11:38	11:40
02:18	02:20	खगड़िया जं.	11:05	11:07
02:40	02:42	मानसी जं.	10:53	10:55
03:10	03:12	सिमरी बख्तियारपुर	10:08	10:10
03:45	03:55	सहरसा जं.	09:35	09:45
06:35	---	सुपौल	---	07:45

चलने के दिन: 04072 नई दिल्ली से दिनांक 06.08.2026 से 30.09.2026 तक प्रतिदिन) और **04071 सुपौल से** दिनांक 08.08.2026 से 02.10.2026 तक (प्रतिदिन)। **स्थान:** 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों और समय-सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें :- www.railmadad.indianrailways.gov.in

रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

2712/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

बांग्लादेश की पूर्व अपदस्थ पीएम और अवामी लीग की अध्यक्ष शेख हसीना का ऐलान

देश की जनता के लिए अपने देश लौटूंगी फिर चाहे जेल भेजें या मेरी जान चली जाए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हसीना ने अपने संबोधन में बांग्लादेश की मौजूदा सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि जुलाई-अगस्त 2024 का आंदोलन शुरू से शांतिपूर्ण छात्र आंदोलन नहीं था, बल्कि इसे योजनाबद्ध तरीके से उनकी सरकार को हटाने के अभियान में बदल दिया गया। आंदोलन की आड़ में संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला किया गया

बांग्लादेश की पूर्व अपदस्थ पीएम और अवामी लीग की अध्यक्ष शेख हसीना ने सत्ता से हटाए जाने के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। नई दिल्ली में आयोजित एक वर्चुअल कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि उन्हें अपने देश से दूर रहने के लिए मजबूर किया गया, लेकिन वह कभी भी बांग्लादेश की जनता से अलग नहीं हुईं। उन्होंने साफ कहा कि वह हर हाल में अपने देश लौटेंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें जेल भेजा जाए या उनकी जान चली जाए, लेकिन जनता के प्रति अपना कर्तव्य निभाने के लिए वह बांग्लादेश जरूर लौटेंगी। हसीना ने अपने संबोधन में बांग्लादेश की मौजूदा सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि जुलाई-अगस्त 2024 का आंदोलन शुरू से शांतिपूर्ण छात्र आंदोलन नहीं था, बल्कि इसे योजनाबद्ध तरीके से उनकी सरकार को हटाने के अभियान में बदल दिया गया। आंदोलन की आड़ में संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला किया गया। उनके अनुसार, उनकी सरकार ने हिंसा की जांच के लिए न्यायिक आयोग बनाया था, लेकिन सत्ता बदलने के बाद अंतरिम सरकार ने जांच रोक दी।

- छात्र आंदोलन योजनाबद्ध ढंग से सरकार को हटाने की साजिश थी

देश में कानून व्यवस्था कमजोर हुई

हसीना ने दावा किया कि अंतरिम सरकार ने हिंसा में शामिल लोगों को कानूनी सुरक्षा देकर न्याय प्रक्रिया को कमजोर किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों की हत्या करने वालों तक को संरक्षण मिला। उन्होंने यह भी कहा कि अगर सरकार सच सामने लाना चाहती तो उनकी सरकार द्वारा गठित जांच आयोग को काम करने देती। हसीना ने कहा कि अल्पसंख्यकों, न्यायाधीशों, पत्रकारों, सांस्कृतिक हस्तियों और आम नागरिकों पर लगातार हमले हो रहे हैं। उनका आरोप था कि देश में कानून व्यवस्था कमजोर हुई है और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव बढ़ा है।

आंदोलन में शामिल लोगों को कानूनी संरक्षण दिया

शेख हसीना के बेटे और पूर्व आईसीटी सलाहकार सजीब वाजेद ने 2024 के आंदोलन में हुई मौतों के आंकड़ों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने 1,400 मौतों का आंकड़ा दिया, जबकि सरकारी आंकड़ा करीब 800 का है। उन्होंने पूछा कि बाकी 600 लोगों के नाम कहां हैं। उनका दावा था कि अवामी लीग और उसके वकीलों ने कई बार संयुक्त राष्ट्र से इन लोगों की सूची मांगी, लेकिन अब तक कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार ने एक कानून बनाकर आंदोलन में शामिल लोगों को व्यापक कानूनी संरक्षण दे दिया, जिससे हत्या जैसे मामलों में भी कार्रवाई मुश्किल हो गई।

देश संकट और अराजकता से गुजर रहा: नोफेल

अवामी लीग नेता मोहिबुल हसन चौधरी नोफेल ने कहा कि उनकी सरकार को हटाए जाने के दो साल पूरे हो गए हैं। उन्होंने दावा किया कि लोगों से भेदभाव मुक्त बांग्लादेश का वादा किया गया था, लेकिन आज देश गहरे राजनीतिक संकट और अराजकता से गुजर रहा है। महंगाई, बेरोजगारी, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा, पत्रकारों, वकीलों, व्यापारियों और धार्मिक व जातीय अल्पसंख्यकों पर हमले लगातार जारी हैं। उन्होंने लोकतांत्रिक संवाद और कानून के समान अधिकारों की बहाली की मांग की।

वापसी सत्ता के लिए नहीं

शेख हसीना ने कहा कि वर्ष 1981 में भी तत्कालीन राष्ट्रपति जियाउर रहमान ने उन्हें बांग्लादेश लौटने से रोकने की कोशिश की थी, लेकिन वह तब भी लौटी थीं। उन्होंने कहा कि इस बार भी कोई उन्हें नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि वे मुझे जेल भेज सकते हैं, मेरी हत्या भी कर सकते हैं, लेकिन मुझे अपने लोगों के बीच वापस जाना ही होगा। उन्होंने कहा कि उनकी वापसी सत्ता हासिल करने के लिए नहीं, बल्कि देश में सुरक्षा, विकास, समृद्धि और शांति बहाल करने के लिए होगी। इसी दौरान उन्होंने कहा कि वो दिसंबर में बांग्लादेश जा सकती हैं।

पीएम मोदी का जताया आभार

सजीब वाजेद ने भारत सरकार का आभार जताते हुए कहा कि शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने के बाद भारत ने उनके साथ एक राष्ट्राध्यक्ष जैसा व्यवहार किया। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार का धन्यवाद करते हुए कहा कि भारत ने उनकी मां को सम्मान, सुरक्षा और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराईं। उन्होंने इसे दोनों देशों के संबंधों का सकारात्मक संकेत बताया।

Ex-showroom price of TVS XL100 Heavy Duty Kick Start variant in Delhi. * This exchange scheme is valid across India till 31st March, 2027 and is available exclusively through authorised TVS main dealers (AMDs) and authorised TVS dealers (ADs). ^ Colours available in TVS XL100 Heavy Duty Alloy variant. + Based on internal test conditions. As compared to BS-IV models. T&C apply.

FOR ALL INSTITUTIONAL/BULK REQUIREMENTS PLEASE MAIL corporate.customersupport@tvsmotor.com EAST DELHI: BINSAR TVS: दुर्गापुरी - 9821271880 खजूरी-9821258420, सोनिया विहार-9821260573 मंडोली एक्स. 9821260735 शेरपुर चौक 8527348216 जीरो पुस्ता, शास्त्री पार्क-9821267418 Bajwa TVS: कृष्णा नगर-8527320253 गीता कॉलोनी-8527320841 S. D. TVS: दिलशाद गार्डन-9821272498 मेन पुस्ता रोड, गांधी नगर- 9821268264 G. K. TVS: लक्ष्मी नगर- 9821271831 मयूर विहार फेज-3-6366448953 मधु विहार- 9821259935 न्यू अशोक नगर- 6366448954 NORTH DELHI: MOISSANITE: आजादपुर - 7600260222 MCR TVS: सरस्वती विहार-9821266109 मंगोलपुरी-9821275868 रानीबाग-9821274695 नरेला 9821275636 किराड़ी 9821274603 बवाना-9821276084 कराला-9821276104 Sabharwal TVS: रिठाला- 9821259732 बुध विहार - 9821259748 Skyline TVS: जहांगीर पूरी - 9218039220 Balaji TVS: समयपुर बादली - 9312001120 बुराड़ी - 9218024668 SOUTH DELHI: OM TVS, लाजपत नगर - 9821272463 ओखला इंडस्ट्रियल एरिया फेज-9821261765 बदरपुर, जैतपुर-9821263038 पुलप्रहलादपुर - 9821264982 शाहीन बाग-9821266451 Ahinsha TVS: खानपुर 9821271221 अधचीनी: 9821268018 आया नगर-9821267931 छतरपुर - 9821268194 महिपालपुर - 9821269602 मैन रेलवे रोड - 9311299301 RIDE TVS: बीकाजी कामा प्लेस 01141706608/9582890607 KK TVS: कापसहेड़ा - 9821261661 CENTRAL DELHI: Balaji TVS: शास्त्री नगर 9821271672 रोशनारा रोड - 9870326061 शहजादा बाग- 6366448959 Sabharwal TVS: करोल बाग-9821258099 तिलक नगर -08527129911 YM TVS: दरियागंज- 9999388189 YM TVS: माल्का गंज- 9319391003 WEST DELHI: Dynamic TVS: द्वारका-9821271426 पालम 9870327342 रामफल चौक- Sec-7: 9870327413 उत्तम नगर- 9870327453 KK TVS: नागलोई - 9821271618 विकास नगर: रानहोला 9821258480 टिकरी कलां -9821259539 चंचल पार्क- 6366448946 AKHAND TVS: नजफगढ़- 8506999402 Sabharwal TVS: पीरागढ़ी - 9821271826 रामारोड- 9870328586 राजा गार्डन 9821259328, YM TVS: डाबरी मोड़ - 7303114666 Gurugram: Choudhary TVS, ओल्ड दिल्ली रोड,8929592511. Simran TVS, Opp. मारुती उद्योग लिमिटेड, ओल्ड दिल्ली रोड, 8743818888. Simran TVS, सेक्टर 10A, खांडसा रोड, 8743042042. B.D. TVS, सेक्टर 66, सोहना रोड, बादशाहपुर 9717061545, 9958059545. BD TVS इस्लामपुर 9958059545. Ahinsha TVS, मैन रेलवे रोड, 9311299301. Ahinhsa TVS हयातपुर, 9355036372, 9319965702. Sri Bhagwan TVS, बसाई रोड, 8652876426, Sri Baghwan TVS, वज़ीराबाद, 9821269360, 8929612365. FARIDABAD : Uttam TVS, नियर DPS स्कूल, ओल्ड फरीदाबाद 9560086699. Shivram TVS, नीलम बाटा रोड, 8928858523. Shivram TVS, सेहतपुर 9910111109. Royal TVS-NIT-5, 9870192424, 9355111370. बल्लभगढ़: Royal TVS, सेक्टर 5, 9870192424, 9899242536.

dentsu/hb del/05/26